रजिस्ट्री सं० डी०-- (डीएन०)--73



ਥਂ• 39] No. 39] नई विश्ली, शनिवार, सितम्बर 27, 1986 (आश्विन 5, 1908) NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 27, 1986 (ASVINA 5, 1908)

इस माग में भिन्न पृष्ठ संस्था वी काती है जितसे कि यह अखन संस्थान के रूप में रचा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

खन्त न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेज विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notideations issued by the High Courts, the Comptroller and Anlitor General, the Union Public Service Commission, the Inlian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.

कामिक एवं प्रशिक्षण, प्रशा० सुधार, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय (कामिक एवं प्रशिक्षण विभाग) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 3 सितम्बर 1986

सं ०-3/37-86-प्रशा०-5--राष्ट्रपति श्री कुलबीर सिंह, संयुक्त सहायक निदेशक, के० रि० पु० बल को दिनांक 11-8-1986 पूर्वाह्न से तदर्थ प्रतिनियुक्ति आधार पर एक वर्ष की भवधि के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में विशेष कार्य भिधकारी (कम्प्यूटर) के रूप में नियुक्त करते हैं।

> धर्मपाल भल्ला प्रशासन अधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार)
नई दिल्ली, दिनांक 2 सितम्बर 1986
सं० ए-13018/1/86-प्रशा० (पर्स-1)-राष्ट्रपति,
समन्वय निदेशालय (पुलिस बेदार) के निम्नलिखित स्थायी
1.25601/86

सहायक निदेशकों एवं स्थानापम उपनिदेशकों की 16-7-1986 से समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में उपनिदेशक के पद पर स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं .--

- 1. श्री आर० पी० माथुर
- 2. श्री एस० एम० अय्यर
- 3. श्री कें लिंश मर्मा

बी० के**० पुर्वे** निदेशक, पुलिस दूर संचार

Ok D-(DN)-73

महानिदेशालय, के० रि० पु० बल नई दिल्ली-110003, दिनांक 2 सिसम्बर 1986

सं० डी० एक० 45/85—स्थापना—।—श्री कुलवीर सिंह; सहायक कमांडेंट, 45 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, की सेवार्ये विनांक 7-8-86 (अपराह्म) से केन्द्रीय शांच ब्यूरी को प्रतिनियक्ति के आधार पर सौंपी जाती हैं।

> किशन लाख उप निदेशक (स्थापना)

(23283)

महानिदेशालय

केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई विल्ली-110 003, विनांक 21 अगस्त 1986

सं० ६-32015 (3)/22/84-कामिक-1--राष्ट्रपति, श्री भो०पी० धर्मा, सहायक कमांडेंट (तदर्थ कमांडेंट) को 8 जुलाई, 1986 (पूर्वाह्म) से अनन्तिम आधार पर के० ग्री० सु०ब यूनिट, एफ० बी० पी० फरक्का में उप कमांडेंट के रैंक में नियुक्त करते हैं।

विनांक 29 अगस्त 1986

सं॰ ६-31013(2)/1/86-कार्मिक-1--राष्ट्रपति, ने निम्नलिखित अधिकर्रायों की सहायक कमांडेट के रैंक में तह्य नियुक्ति, 18-8-1987 तक की अवधि के लिए या नियमित वयन किए जाने तक, जो भी पहले हो, और आगे बढा दी हैं:--

ऋ० सं० अधिकारी का नाम

सर्वश्री

- 1. डी० टी० मुरलीधरन
- 2. वी० क्रे.० गुप्ता
- 3. एस० एन० दुगाल
- 4. जी० सी० धप्लीयाल
- 5. एस० पी० सक्सेना
- 6 श्रंशीश मोइहा
- 7. एस० एन० राय
- 8. आर० सी० प्रसाद
- 9 एप० एस० सिद्ध्
- 10 एस० पी० यादव
- 11. अशोक वोहरा
- 12. जै० एम० सैनी
- 13. एन० कें रुकामी
- 14 टी० एस० भिन्डर
- 15 एम० सी० मिश्रा
- 1.6. बी० पी० प्रभा
- 17. जी० एस० के० नायर
- 18 सी० एस० जी० शर्मा
- 19 एस० सी० सकलानी
- 20 ए० एस० चेलादुराई
- 21. डी० एस० मेहरा
- 22 श्रीम प्रकाश
- 23. टी० डी० गोस्वामी
- 24 कें के निरंगत (एस० सी०)

डी० एम० मिश्रा मह्यानिदेशक/केग्रीसूब भारत के महारियस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 सितम्बर 86

सं० 11/10/84-प्रशा० I--राष्ट्रपति, घयन समिति की सिफारिश पर भारत के महारिष्टिस्ट्रार के कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी (सामाष्टिक अध्ययन) के पद पर कार्यरत श्री के० बी० काष्पड़ की कर्णाटक, बंगलौर जनगणना निदेशास्य में 21-7-86 (पूर्वाह्र) से 3 वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेश जारी होने तक, जो भी अवधि पहले हो, स्थानांतरण द्वारा प्रतिनियुक्ति पर उपनिदेशक जनगणमा कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री कोष्पड़ का मुख्यालय बंगलौर में होगा ।

दिनांक 5 सितम्बर 1986

सं० 13/9/86-प्रणा०-।---राष्ट्रपति, भारत के महा-रिजस्ट्रार के कार्यालय में सहायक महारिजस्ट्रार (मामित) डा० आर० आर० निपाठी का केन्द्रीय सरकारी सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का अनुरोध नियम 48-क केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंगन) नियम-1972 के अन्तर्गत 1 सितम्बर, 1986 के पूर्वाह्म से, सहर्षे स्वीकार करते हैं। परिणामस्वरूप उन्हें 1-9-86 (पूर्वाह्म) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त किया जाता है ।

> वी० एस० **दर्मा** भारत के महार**जि**स्ट्रग्र

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-2, दिनांक 1 सितम्बर 1986

सं० 22/बा० ले० प०/36-70-सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, मद्रास के कार्यालय में कार्यरत श्री एम० उन्नीकृष्णनन लेखापरीक्षा अधिकारी (बा०) अपनी अधिवर्षिना आयु प्राप्त करने पर दिशांक 31-5-1986 (अपराक्ष) से सेवा निक्त हो गए हैं।

दिनांक 2 सिप्तम्बर 1986

सं० 24/वा० ले॰ प०1/108-70---महालेखापरीक्षा-II, तिमिलनाडु, मब्रास के कार्यालय में कार्यरत सर्वश्री आर० कृष्णा-मित व के० लक्ष्मी नारायणन, लेखापरीक्षा अधिकारी (बा॰) अपनी अधिवाषता आयु प्राप्त करने पर दिनौंक 30-6-86 (अपराह्म) पे मेवा नियुत्त हो गए हैं।

के० पी० लक्ष्मण राष्ट्र सहायक नियंद्यक—महालेखापरीक्षक (धाणिज्यिक)

महालेखाकार (लेखा परीक्षा) का कार्यालय, केरल तिरवनम्तपुरम-695039, विनौक सिनम्बर 1986

सं० प्रश्राः न/लेखा परीक्षां/9-1/171---निम्नलिखित कर्मचारियों को स्पए 840-40--1000--ई० बी०--40-- 1200 के वेलनमान म उनके नाम के सामने लिखिक कारीख से लेखापरीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्निक देने के लिए महालेखा-कार संतुष्ट हुए हैं। ये पदोन्नितयाँ सिविल विविध अर्जी संख्या 24851/84 तथा सिविल विविध अर्जी सं० 1749/84 पर केरल के माननीय उच्च न्यायालय द्वारा जो आदेश जारी किया जाए, उसके अधीन अगले आदेश तक अस्थायी हैं।

श्रा० मं० नाम भार ग्र	हण की तारीख
श्री/श्रीमती	
1. आर० परमेश्वर अय्यर	17-1-1986
2. एम०पी० सदाशिवन नायर	17-1-1986
3. एस० क्रुष्ण स्वामी	17-1-1986
4 . एन० रामचन्द्रन नायर $(सं \circ -3)$	17-1-1986
5. एस० वेणुगोपाल	17-1-1986
 जीं० रवीन्द्रन पिल्ले (उपचारार्थ) 	21-2-1986
7. टी० ए० एस० प्रसाद (उपचारार्थ)	21-2-1986
8. ए० बी० अष्टमूर्ती	21-2-1986
9 विकट कृष्ण शर्मा वी० एस०	21-2-1986
10. वी० कृष्णन	29-4-1986
11. एस० राजगेखरन नायर	17-7-1986
12. आर० कृष्णन नायर (उपचारार्थ)	17-7-1986
13. आर० वासुदेव प्रसाद	17-7-1986
14. टी० टो० वेलायुधन नायर	17-7-1986
15 यी० बालक्वण्णत	17-7-1986
16. के० रामचन्द्रन पिल्लै (सं० 1)	17-7-1986
17. एस० आलबर्द	17-7-1986

क्रम संख्या 10: आपकी पदोन्निति वर्ष 1979 के सिविल विविध अर्जी संख्या 6944-45 पर उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अध्यक्षीन है ।

सं प्रशासन/लेखापरीक्षा/9-1/171--निम्नलिखित अनु-भाग अधिकारियों को रूपए 650-30-740-35-880-ई० बी०-40-1040 के वेतनमान में उनके नाम के मामने लिखित तारीख सं सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्नति देने के लिए महालेखाकार सतुष्ट हुए हैं। ये पदोन्ननियां सिविल विविध अर्जी सं० 24851/84 तथा सिविल विविध अर्जी संख्या 1749/84 पर केरल के माननीय उच्च न्यायालय द्वारा जो आदेग जारी किया जाए, उमके अध्य-धीन अगले आदेश तक अस्थायी हैं।

ऋ०सं० नाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1 2	3
श्री/श्रीमती	
1. एम० तंपी जोसफ	17-1-1986
2. एन० रामकृष्ण कुरूप	17-1-1986
3. एस० मुहमत (उपचारार्थ)	20-1-1986
4. आर० विद्याधरन	20-1-1986

1	2	3
5. पी	ि तन्कराजन	17-1-1986
6 वें	० इस्माइल पल्लै	21-2-1986
7. पी	ो० के० तिलकन् (उपचारार्थं)	21-2-1986
	o पी० वर्गीस [े]	21-2-1986
9. ર્વ	ो० बाबु राजेन्द्रन	21-2-1986
	· ·	(अपराह्म)
10 জ	ोसफ के० मात्यू	04-3-1986
11. ए	न० रवीन्द्रन पिल्ले	11-4-1986
12. वि	ि एस० गुरुप्रकाश	11-4-1986
	ो० रवीन्द्रन नायर	11-4-1986
1.4. वी	० वर्गीस	28-4-1986
15. सं	िटी० जोस	17-7-1986
		(भ्रपराह्म)
16∙ जें	ोसफ श्रृहस	18-7-1986

आई० वेंकटरामन् वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय (ले॰ प्रो॰), उत्तर प्रदेश

इलाहाबाद, दिनोक 1 सितम्बर 1986

सं० ए० जी०/(ले० प्रो०-1)प्रगा०/13-7-758--निम्निवित परीक्षा अधिकारी निवर्तन की आयु प्राप्त कर 31 जलाई, 1986 (अपराह्म) से सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए हैं:--

- (1) श्री जे॰ एस॰ चौहान, कार्यालय महालेखाकार (प्रथम)
- (2) श्री पी० एन० श्री शस्त्रव, कार्यालय महालेखाकार (द्वितीय) उ० प्र०।
- (3) श्री आर० १० श्रीनस्तव, कार्यात्रय महालेखाकार (द्वितीय) उ० प्र०।
- (4) श्री डो० री० एउ० मायर, कार्याच्य महालेखाकार (प्रथम) ३० प्र०।

सं ए० जी०/ले० प्रो०-!-प्रगा०/13.7/758--निम्निन जिल्ला तत्या लेखापरीक्षा अधिकारियों को स्थानापन लेखा-परीक्षा अधिकारियों को स्थानापन लेखा-परीक्षा अधिकारी के पद पर उनके मामने लिखि। निथि से नियुक्त किया है:---

सर्वशी---

1. एच० एल० श्रीवास्तव	28-7-1986
 ज्वाला प्रसाद श्रीवास्तव 	16-7-1986
 कृपा शंकर मिश्रा 	16-7-1986
4. त्रेज नाम	1-7-86

5 टी० पी० सिन्हा	18-7-86
6 तेज भान बाली	24-7-86
7 . बू ज विहारी श्रीधास्तव	4-8-86
8-सचीन्द्र कुमार घन ्द	1-8-86
9. जैकृष्ण खन्ना	1-8-1986
10 प्रयाग नारायण खरे	1-8-1986

सं० ए० जी० (ले० प्र०-I) प्रणा०/13-7/758--निम्निलिखित कार्यावह लेखापरीक्षा अधिकारियों को उनके नाम के आगें उल्लिखित तिथियों से स्थायी लेखापरीक्षा अधि-कारी के पद पर नियुक्त किया गया हैं।

सर्वश्री

(1) सी० एस० वीष्ट	1-7-86
(2) महमूद अहमद	1-7-86
(3) आर० सी० गुप्ता	1-7-86
(4) लक्ष्मी चन्द्र	1-8-86
(5)मो० जबीर खो	1-8-86
(६) ए० एन० टन्डन	1-8-86

ए० के० जिह उपमहालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110 066, दिनांक 25 अगस्त 1986

सं० प्रशा०/1/1171/1/जिल्द-II--राष्ट्रपित, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड स्तर-1 (मान ६० 2500-125/2-2750) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए उनके नामों के समक्ष दशियी गई तारीखों से आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं:--

सर्वश्री---

1. ज्ञान स्वरूप	03-07-8 6	(पूर्वाह्न)
2. एस० एन० चट्टोपाठ्याय	29-07-8 6	(पूर्वाह्म)
3. एस० ए० वेंकटारायन	04-07-36	(पूर्वाह्न)
4. सैयद अब्बुल रहमान	11-08-36	(पूर्वाह्म)
5. वी० नागराजन	28-07-36	(पूर्वाह्न)

दिनांक 25 अगस्त 1986

सं० प्रशा०/1/1171/1/जिल्द-П—राष्ट्रणित, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों (ो प्रतिनियक्ति पर हैं जैस कि उनके नामों के समक्ष उल्लिखित हैं) को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेष्ठ के स्तर-1 (मान २० 2500-125/2-2750)में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए धंअनुक्रम

से तथा आगामी आदेष	। पर्यन्त, सहर्ष	नियुक्त करते हैं:
क्र० अधिकारी का व सं०	ताम तारीख	जहां सेवारत हैं
सर्वश्री 1. आर० के० माथुर	03-07-86	संयुक्त सचित्र, चतुर्थ केन्द्रीय वेतन आयोग, वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, नई दिल्ली ।
2. के० सुन्दराराजन	04-07-86	निदेशक (वित्त) काफी बोर्फ, वाणिज्य मंत्रालय बंगलीर
3. संजीव मुखर्जी	28-07-86	संयुक्त सचिव एवं अपर वित्तीय सलाह- कार, रक्षा आपूर्ति विभाग, रक्षा मंत्रालय, नई विल्ली

प्रेम कुमार सबलोक 29-07-86

नियम के अधीन" उनके नामों के समक्ष दर्शायी गयी तारीखों

आर० बी० कपूर रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशा०)

विल्ली

संयुक्त सचिव एवं

अपर विश्लीय सलाह-

कार रक्षा मंद्रालय (विस्त प्रभाग) नई

रक्षा मंद्रालय भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा आर्डनेंस फैक्टरी बोर्ड

कानकत्ता-1, दिनांक 2 सितम्बर 1986

सं० 57/जी/86—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर (58 वर्ष) शी एस० रंगास्यामी, सहायक कार्यणाल प्रवन्धक (मौलिक एवं स्थायी भंडार रक्षक) दिनौंक 30-11-85 (अपराह्म) से सेवा गिवृत हुए। तदानुसार उनका नाम दिनांक 1-12-85/प्राह्म: से भारतीय आयुध निर्माणी सेवा से हटाया जाता है।

सं० 58/ती/86—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री पी० सी० मिल्ल, कर्मशाला प्रवन्धक (स्थानपन्न एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 30-9-85 (अपराह्न) में नेवा निवृत्त हुए।तदनुसार उनका नाम दिनांक 1-10-85/प्रातः से भारतीय आयुष्ट निर्माणों सेवा से हटाया जाता है ।

दिनांक 3 सितम्बर 1986

सं० 59/जी/86---श्री वी० वेनकाटेशण, मौलिक सहायक कार्यशाला प्रबन्धक (स्थानापम्न एवं स्थायी फोरमैन/टेक) दिनांक 21-5-86 (अपराह्म) से स्वेच्छापूर्वक भेवा से निवृत हुए ।

सं० 60/जी/86-- श्री एस० लक्ष्मीनारायण, उप महाप्रबन्धक (स्थानापन्न एव स्थायी कर्मशाला प्रबन्धक) दिनांक 9-10-85 (अपराह्म) से स्वेच्छापूर्वक सेवा से निवृत हुए।

> एम० ए० अलहन संयुक्त निदेशक/जी

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त 1986 आयात श्रीर निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/908/70-प्रशासन (राज०)/4327-संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, मद्रास में छी० कृष्णन, नियंत्रक, आयात-निर्यात, सेवा निवृत्ति की आयु होने पर 31 जुलाई, 1986 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 6/515/58-प्रशा० (राज०)-4334-संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियति के कार्यालय, मद्रास में श्री वी० रामा-भून्द्रन, सहायक मुख्य नियन्नक, आयात-निर्यात सेवा निविश्त की श्रीयु होने पर 31 जुलाई 1986 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 1 सितम्बर 1986

सं० 6/1471/84/प्रणासन/ (राज् ०)/4449 - संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में श्री अमर नाथ मुखर्जी, नियंत्रक, आयात-निर्यात, सेवा निवृत्ति की आयु होने पर 31 मार्च, 86 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 6/800/69-प्रणा० (राज०)4465--राष्ट्रपति, मूल नियमों के नियम 56 खण्ड (-) के अधीन संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियित के कार्यालय बम्बर्ड के शी एल० राजा-गीपाल, सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-नियति की 3-3-86 के (पूर्विह्न) से सरकारी सेवा में सेवा-निवृत्त करते हैं।

दिनांक 2 सितम्बर 1986

सं । 6/1567/85-प्रशा० (राज०) 4474---इस कार्यालय में श्री एम० के० लहरी, नियंत्रक आयात-निर्मत मेवा निवृत्ति की आयु पूरी कर सुने पर 31 अगस्त, 1986 के अपराह्म से धरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> र्याकर चन्द उप मुख्य नियंत्रक, आवात एव नियति कृते मुख्य नियंत्रक, आयात एवं नियति

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग--6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 22 अगस्त 1986

सं० ए~-17011/73/74/प्र-6---उत्तरी निरीक्षक मंडल के अधीन (वस्त्र), लुधियाना के कार्यालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के पद पर कार्य कर रहे श्री राजेन्द्र सिह का सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के पद पर प्रस्यावर्तन होने पर उन्होंने दिनांक 31 जुलाई, 1986, के अपराह्म से निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

श्री राजेन्द्र सिंह ने उसी कार्यालय में दिनांक 1 अगस्त, 1986 के पूर्वाह्म से सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

सं॰ ए-31014/1/85/प्र-6--- निम्नलिखित संशोधन को एतद्दारा दिनांक 19-6-1986 की अधिसुचना सं॰--31014/1/85/प्र-6 में शामिल किया जाता है।

करु सं 8 पर दिए गएं नाम को श्री ए० एन० वरना के स्थान पर श्री ए० एन० संगमेश्वरन् पढ़ा जाए ।

> आर० पी० **शाही** उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात फ्रांर खान मंद्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैशानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 29 अगस्त 1986-

सं० 5963बी/ए-19012 (3-पी० टी०)/85-19बी--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, श्री प्रदीप विवेदी
को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में
नियमानुसार 650-30-740-35-810-प० रो०-35880-40-000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान
के वेतन पर, अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक,
22-5-19:6 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

विनांक 1 सितम्बर 1986

सं० € 024वी/ए-19012 (3-आर० डी० गे०)/80-19वी--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ श्री रामधन बैरवा ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 25-2-1986 (अपराक्ष) से कार्यभार सौंप दिया है ताकि वे लघु उद्योग विकास संगठन, नई दिल्ली में कार्यभार ग्रहण कर सकें।

सं० 6034 बी/ए-32013 (3-एता० य०/84-19 बी-राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक तर्वेक्षणम के रसायनज्ञ (किनिष्ठ) श्री आर० एम० अग्रवाल को रसायनज्ञ (विरिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 1100-1600 र० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन क्षमता में आगामी आदेश होने तक, 16-6-86 के पूर्वाह्न में पदोन्नति पर नियक्त कर रहे हैं।

सं० 6048 बी/ए-32013 (3-रसा० व०)/84-19 बी-राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के रसानयज्ञ (किनिष्ठ) श्री एस० एन० सिंह को रसायनज्ञ (विरिष्ठ) के स्प्प में उसी विभाग में नियमानुसार 1100-1600 ६० के वैतनमान के वेतन पर, स्थानापन क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 11-6-86 के पूर्वाह्म से पदोक्षति पर नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 2 सितम्बर 1986

सं० 6086बी/ए-32013 (प्र० अ०)/85-19ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भवैज्ञानिक
सर्वेक्षण के अधीक्षक, श्री बी० एन० भट्टाचार्जी को प्रशासनिक
अधिकारी के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 650-30740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०40-1200 र० के वेतनमान के वेतन पर, अस्थायी क्षमता में
आगामी आदेश होने तक, 18-7-86 (पूर्वाह्म) से पदोन्नति
पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 6098 बी/ए-32013 (2-जी० एस०)/83-19 बी--राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूभौतिकी विद (किनिष्ठ) श्री एस० सी० पुरंदरे को भूभौतिकी विद (विर्ष्ठ) के पद पर उसी विभाग में नियमानुसार 1100-50-1600 रु० के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में आगामी आवेश होने तक 17-12-85 के पूर्वाह्म से प्रवोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 6075बी/32014 (2-ए० जी०)/79/19बी-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक
सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभंतिकी), श्री राम
प्रताप सिंह को हिमालय भूविज्ञान के वाड़िया संस्थान में प्रतिनियुत्ति पर, सहायक भूभौतिकी विद के पद पर उसी विभाग में,
650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40100(-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमाल में दूसरे निम्न
नियम के अन्तर्गत आगामो बादेश होने तक देनांक 30-1285 के पूर्वाक्ष से प्रोफार्मा पदोश्नित स्वीकृत कर रहे हैं।

अमित कुगारी निःशक (कामिक)

भारतीय खान व्यूरो नागपुर, दिनांक 2 सितम्बर '986

सं० ए-19011 (58)/75-स्था० ए०--विभागीय पदोक्षति समिति की सिफारिश परश्री एस० एन० चटोपाध्यायः भधीक्षक अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) की भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन रूप में मुख्य अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर दिनांक 28-7-1986 के पूर्वाह्म से पदोक्षति की गई ।

सं० ए-19011 (240)/78-स्था० ए०--- विभागीय परोन्नति समिति की सिफारिश पर, राष्ट्रपति, श्री एम० के० मनाफ, स्थामी सहायक खान नियंत्रक के भागतीय खान ब्यरो में नियमित रूप से उप खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 4 ग्रागस्त 1986 के पूर्वीह्न से आगामी आदेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19011 (239) 78 - स्था० ए० -- विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर, राष्ट्रपति श्री अलोक बासू, स्थानापन्न सहायक खान नियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरों में नियमित रूप से उप खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 6 ग्रागस्त 1986 के पूर्वाह्न से ग्रागामी आदेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19011 (178)81-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिण पर राष्ट्रपति श्री बी० बी० राव, स्थायी सहायक खान नियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरो में नियमित रूप से उप खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 31 जुलाई 1986 के पूर्वाह्म से आगामी आदेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

जी० सी० शर्मा सहायक प्रशासन अधिकारी कृते महानियंक्रक

ग्राकाणवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 1 सिसम्बर 1986

सं० 1/2/86-एस०-II--श्री डी० वी० भक्कू, प्रशासिनिक अधिकारी, आकाशयाणी, नागपुर निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर 31 अगस्त 1986 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

मोहन फ्रांसिस प्रशासनिक उपनिदेशक कृते महानिदेशक

क्वि भ्रांत ग्रामीण विकास मंद्रालय वतत्पति रक्षां, संगरोध भ्रीर संग्रह निदेगालय (कृषि एवम् सहकारिता विभाग) फरीदाबाद, दिनांक 3 सिठम्बर 1986

सं० 7-12/86-प्रशासन-प्रथम-I--इस िदेणालय के श्री जयदेव शर्मा की एतद्द्वारा सामान्य प्रतिनियुक्ति। के श्राधार पर तीन वर्ष की अवधि के लिए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में 6-अगस्त, 1986 (पूर्वाह्म) में प्रशासनिक अधिकारी (द्वितीय श्रेणी) के रूप में नियुक्त किया जाता है श्रीर उन्हें वनस्पति रक्षा संगरोध एवं संग्रह निदेशालय एन०

एच०-4, फरीदाबाद (हरियाणा) के अधीन क्षेत्रीय कीटनाशी परीक्षण प्रयोगशाला, कानपुर में तैनात किया जाता है ।

सं० 7-13/86 प्रणासन-प्रथम-I--इस निदेशालय के श्री प्रीतमदास को एतद्द्वारा सामान्य प्रतिनियुक्ति के आधार पर तीन वर्ष की अवधि के लिए 650-30-740-35-810- द० रो०-35-880-40-1000-५० रो०-40-1200 रपए के वेतनमान में अगस्त-8, 1986 (पूर्वाक्ष) से प्रशासनिक अधिकारी (द्वतीय श्रेणी ग्रप 'बी' के रूप में नियुक्त किया जाता है भौर उन्हें वनस्पति रक्षा संगरोध एवं संग्रह निवेशालय एन० एच०-4, फरीदाबाद (हरियाणा) के अधीन क्षेत्रीय कीट-नाशी परीक्षण प्रयोगशालय, हैदराबाद में तैनात किया जाता है ।

रतन लाल रजक भारत सरकार के वनस्पति रक्षा सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंघात केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई $-400\,085$, विनांक 1 सितम्बर 1986 सं० वी०-1/स्था० II/3547--श्री अच्युत मृकृंद वैद्य ने लेखा अधिकारी $-I^I$ पद का पद भार 30-6-1986 अपराह्न को अधिवर्षिता होने पर छोड़ दिया ।

के॰ वेकटकृष्णन उपस्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग क्रय ग्रौर भंडार निदेणालय

बम्बई-400 085, दिनांक 25 अगस्त 1986

सं० क० भं नि०/41/4/85-प्रशा०/4049-परमाणु ऊर्जा विभाग, कय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी वरिष्ठ आमुलिपिक, श्री टी० नारायणन् नायर को इसी निदेशालय में दिनांक 2-6-1986 (पूर्वाह्म) से 4-8-1986 (अपराह्म) तक 650-30-740-35-880-द० रो०-40--960 रुपए के वेतनमान में सहायक कामिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप मे नियुक्त किया है।

बी० जी० कुलकर्णी प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद--500 762, दिनांक 1 सितम्बर 1986

सं० ना० ई० स०/का प्र० भ०/0704/1651---नाभिकीय इंधन सम्मिश्र के प्रशासन एवं लेखा के उप मुख्य कार्यपालक जी सहायक लेखाकार श्री ए० पापाचन की रु० 650-30-74035-880-द० रो०- 40-960 के वेतन मान में र० 650/- प्रित माह के प्रारम्भिक वेतन पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में दिनांक 30-8-1986 से 29-9-1986 पर्यंत अथवा आगामी आदेशों पर्यंत इनमें से जो भी पूर्व घटित हो, नियुक्त करते हैं।

गोपाल सिंह प्रवन्धक, कामिक व प्रशासन

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500 016, दिनांक 28 अगस्त 1986

सं० प० छ० प्र०-2/1715/65-प्रशासन—निर्देशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्वारा प०
ऊ० वि० के स्थामी भंडारी और ग० छ० प्र० के स्थानापन्न
लेखापाल, श्री परमानन्द, जो वर्तमान में एकाधिपस्य निर्वधनकारी व्यापार, प्रथा आयोग, मई दिल्ली में अनुभाग अधिकारी
के रूप में प्रतिनियुक्ति पर हैं, को 30-4-1986 (पूर्वाह्न)
से अंगले आदेश होने तुइः। नियम 30(1)(अर्थात आमें
कानियम) के ब्रितीय परन्तुक के अधीन स्थापन्न रूप में सहायक
लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं। श्री परमानन्द, सहायक लेखा
अधिकारी के रूप में ६० 650-30-740-35-880द० रो०-40-960 के वेतनमान में ६० 960/- प्राप्त करेंगे।

एस० पदमनाभन वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

अम्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंघान संगठन

अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

ष्रहमदाबाद-380053, विसांक 25 अगस्त 1986

सं० ग्रं० उ० के०/स्था०/3/14/निदेशक--ने निम्निसिसिस पदाधिकारियों को अन्तरिक्ष विभाग के अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र, अहमदाबाद में प्रत्येक के नाम के अगे दिए गए पद पर तथा दी गई तारीख से पूर्वाकु से अगले आदेश तक स्थानापन /अस्थायी रूप से नियुक्त किया है .--

सं० क० नाम दिनांक पद जिस पर नियुक्त किए				केए गए
1 2	3	4		
 सर्वेश्री				·
1. के० एस० परीख	री ख 4-2-86	वैज्ञानिक/इंजीनियर		
			•	बी ॰"
2. एस० एम० शाह	28-2-86	11	n	"
3. के० एस० कवानी	21-4-86	11	"	"
4. ए० बी० पाठक	30-4-86	"	11	11
5 वी० वी ० लिमए	1-7-86	"	**	73
6० के ०एच ० पंचाल	11-7-86	"	'n	"
7. ए च० ए स० भासोड	7 21-7-86	2)	"	2)

1 2	3			4	
सर्वेश्री		वैज्ञा	निक/इं	जीनियः	— र
8. डीइस्टी० भट्ट	25-7-86			बी ०"	
9. ए० आर० यादी	25-7-86	"	"	"	
10. ए० एस० पद्रेल	28-7-86	11	11	2*	

के० एस० कुष्णन् प्रशासन अधिकारी-II (स्था०)

केन्द्रीय उत्पादन श्रौर सीमा शुल्क समाहतालय वडोदरा, दिनांक 1 अगस्त 1986

सं० 23/1986—श्री बी० के० अयाचित, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन श्रीरसीमा शुरुक, मण्डल-1, वडोदरा सपकारी सेवा से स्थेच्छा सेदिनांक 11-8-86 के पूर्वाह्न में सेवा निवृत्त हो गए हैं।

श्रीमती बी० राजमाणिकसम समाहती

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 1 सिक्षम्बर 1986

सं० ए--19012/1185/86--स्थापना-पांच--अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री जे० जेम्स सिगायो, पर्यवेक्षक को अति रिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिश) के ग्रेंड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/-क० के वेतनमान में 22-7-86 की पूर्वाह्म ने एक वर्ष की अविध के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हों, पूर्ण अस्थायी तथा तथाँ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

डी० कृष्णा अवर सचिव केन्द्रीय जल आयोग

शहरी विकास मंद्रालय निर्माण महानिवेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त 1986

सं० 32/3/85-ई० सी० 2-शी जी० एस० राव, निर्माण महानिदेशक केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, जो केन्द्रीय इंजीनियरिंग सेवा, समूह-ए से सम्बन्धित है निवर्तन की आयु (58) वर्ष ोने पर सरकारी सेवा में दिनांक 31-8-86 की अपराह्न से मेवानिवृत्त किए जाते हैं।

> ए० के० नारंग अवर सचिव

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी रिष्पस्त्री का कायौलय

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर मेसर्स ग्राफिक इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नीकल सर्विसेज जा० लि० के विषय में:

नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर 1986

सं० 13470-21930-- कम्पनी अधिनियम 1956 की घारा 560 की उपधारा 3 के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस कारीख़ से तीन मास के अवसान पर मेसर्स ग्राफिक इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नीकल सर्विसेज प्रा० लि० का नाम उसके प्रतिकूल कारण दाखिल न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा भौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> श० ला० सिकैल सहायक कम्पनी रिजस्ट्रार विस्ली एवं हरियाणा नई दिस्ली

कम्पनी अधिनियम 1956 भौर मैसर्स बिग गेंम हण्टरस् प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कानपुर, दिनांक सितम्बर 1986

सं० एल० सी०/3597/560-कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुपारण में एठद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर बिग गेंम हुण्टरस् प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष कारण दिणत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा भीर उक्त कम्पनी विघटिस कर दी जावेगी।

सस्य प्रकाश नायल कम्पनियों का रिषस्ट्रार, उत्तर प्रदेश कानपुर कोचिन आयकर का कार्यालय एरणाकुलम सौच

को चिन-682016, दिनांक 18 अगस्त 1986

आधेश

विषय :--स्थापना -आयकर अधिकारी ग्रप 'ख' के रूप में पदोझति ।

सी० सं० 2/प्रशा०/कोण/86-87-श्री एन० एम० रामन-कुट्टी, आयकर निरीक्षक के द० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में आयकर अधिकारी, ग्रुप 'ख' के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए उनके द्वारा कार्यभार संभाल लेने की तारीख से तथा अगले आदेश पर्यंत, पदोक्षत किया जाता है। 2 वह दो वर्ष की अविध तक परिवीक्षाधीन होगा।

3 उपर्युक्त पदोक्षति अनन्तिम तथा किसी सूचना के बिना समाप्त करने लायक है। यह पदोक्षति पदोक्षत अधिकारी को पदोक्षत ग्रेड में अपनी बरीयका अधवा उस पद में जारी रखने का कोई अधिकार नहीं प्रदान करती है।

> एम० जें० मासन कोचिन भ्रायकर आयुक्त

प्रकृष कार्च हो पुर प्राप्त

आवक्ष विभिनियम ; 1961 (1961 का 43) की गारा 269-म (1) के वर्धीय कुम्बा नारत बडकार

न्यवीत्रव, सहायक भागकर नायुक्त (निरक्षिण) अर्जन ऐंज, बेंगलूर

बेंगलूर, शिनांक 14 अगस्त 1986

मिदेश सं० आ५०-1944/37-ईई/85-86---असः मुर्झे, आर० भारद्वाज,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्रिकत बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 153 है, तथा जो बीलर रोड़, काक्स टाउन, बेंगलूर में स्थित है (धीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिनयम, 1908 के कार्यालय, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-12-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है जीर कृष्णे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचित दश्योच से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है क्षा गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उच्च जिथिनियभ के अभीत कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी जाव या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) जा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति (ती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की बन्तरण कों, को उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निक्निवित व्यक्तियों, वर्षात् प्र⊷ं 1 श्री डी० सैयद यूनुस, नं० 1, स्पेन्सर रोड़, सिविल स्टेशन, बेंगलूर-560005।

(अन्तरक)

2 मेसर्स ममता एंटरप्राईसेज, नं० 3, क्वीन्स रोड़, बेंगलुर-560 001।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसता सन्पत्ति की मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपत स्वादर सम्पत्ति में दिश-क्षृत्र किसी सन्य क्यक्ति इसरा नभोहरताक्षरी के सात जिल्हा में किए सारसकें ने।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी जक्ते जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज सं० आर०-1944 ता० 2-12-85) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 153, वीलर रोड़, काक्स टौन, बेंगलूर।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 14-8-198G

प्रकृत नाह^र्टी<u>. ए</u>न्<u>. एस</u>् हत्तर क्राप्त-स्टब्स

नावकार गींभगियभा, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के नभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण). अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 अगस्त 1986

निदेश सं० 37-जी०/534/85-86--- अतः मुक्षे,, श्रंजनी कुमार,

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात कितास अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि संभापनीकत सम्पत्ति का निषत नावार भूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिन्नकी सं० फायनल प्लाट नं० 148 व 149 सी०टी० सर्वे नं० 28, 148, 28/149, तुंगराषी, ता०-भावल, जिला-पुणे हैं तथा जो पूना में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक, ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज/अब-रिजस्ट्रार में, रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख दिसम्बर, 1983

का पूर्वोंकत सम्पतित को जिल्ल बाजार मूनय से कम के स्थमान इतिफल के सिए जन्तरित की गृह है जोड़ मुख्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपत्ति का जीवत बाजार जून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंवरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तम पामा क्या प्रति-फ्य, निम्नविविद्य उद्देश्य से उस्त् क्यान्त्र विविद्य में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के स्थित्य में कभी करने ना उक्को क्यूने के स्थित्य: वे दिवा अग्रि/सा
- (क) क्षेति किसी आव ना किसी धन ना बन्त जास्तियों की, चिन्ही भारतीय वायकर नामितिननन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अप वायमित्रम, 1957 (1957 का 27) के नवायमार्थ नन्धीरती द्वारा प्रकट नहीं किमा नवा भा निका वामा चाहिए ना, किमाने में बृहिन्दा के लिए;

अतः। असं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण की, की अस्त निधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निध्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1 श्रीमती मीनू एम० जान्टिया, श्रीमती मनी मिनू जान्टिया, 93 विजय चेंबर्स, क्रिभुवन रोड़, मुंबई-4।

(अन्तरक)

2 मेसर्स इबियस इन्बेस्टमेंट कं० प्रा० लि०, 419, कालबा देवी रोड़, मुंबई।

(अन्तरितो)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपर्ति के वर्षन के सिए कार्ववाहियां करता हो।

दक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाहोप हन-

- (क) इस स्वना के प्रवपन में प्रकारन की राष्ट्रीय है 45 दिन की नवींच या तत्वास्त्रस्थी स्वित्तवरें दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यक्यीकरणः — हमने प्रवृक्त कन्द्रों बीर पत्नों का, को जनक सर्थिनियम के अध्वाद 20-के में परिभाषिक हैं, बही मर्च होगा, को उस अध्याद में दिवा क्या हैंड

अनुस्ची

जैसा कि रिज्य्ट्रियान सं० 37-जी०/534/85-86 जो दिसम्बर्भ 85 के तत्र-रिजस्ट्रार, तस्बई के आफिस में लिखा गया है।

> श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 27-8-1986

त्रकत् वार्ष्**्रहो<u>ः पुत्रकृत्यः -----</u>-**

ज्ञावक्र विधिनवन, 1961 (1961 का 43) ज़ी भारा 269-ज़ (1) ये अभीन बुचना

भारत चंद्रकार

कार्याभव, सहायक आयुक्त आयुक्त (किंद्रीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, धिनांक 11 अगस्त 1986

निदेश सं० 37-ईई/5669/85-86-अत:, मुझे अंजनी कुमार,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं॰ गाफ नम्बर्स 4 से 8 भीर बाजू से गोडाजन नंबर 3 भीर 4, 555 नारायन पेठ, पूना-30 हैं
तथा जो पूना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
गौर पूर्ण रूप से वणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,
/सब रिजस्ट्रार में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1985

को पूर्विक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्विक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, इसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जंतरण से हुद्दं किसी जाय की बाबत, उचत अधिनियम के जधीन कर बोने के अंतरक के धायित्व में कमी करने वा उससे बलाने में सुिधा के लिए; वीड/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में बुविधा के खिल्हा

मतः मः, उस्त जीभीनयम की भारा 269-ग के जन्तरण में, में, स्वर जीभीनयम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीतः— 1 मैं वोशी प्रमोटर्स (नारायण दास देवल दास एभ० यू० एफ०); कर्ता पी० एन० दोशी, 555 नारायण पे, पूना-30।

(अन्तर्क)

2 भेसर्स जी० बी० पुणतांबेकर एन्ड सम्स, सिक्द्रा ीविन्द पूणतांबेकर ;473 बृधवार पे; पूना-2। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृति को बर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाहा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए या सकेंगे।

स्प्रकाशित्यमः प्रमुक्त कान्यों और पदों वा, जो उक्त नियम, के अध्याय 20-क में युक्त परिभावित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रोकृत न ० 37-ईई ०/5669/85-86 जो माह दिसम्बर, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्थन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> भ्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पूना

सारीख: 11-8-1986

मञ्जूल बाहु है है हुन हुन कानवान प्रमाणकार

नामकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) में नभीन स्थना

HIZO MZGUB

कार्याचन त्रहायक नायकर नायका ([नर्गाम्क]

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 अगस्त 1986

निवेश सं० सी०ए० 128/86-87/नं० 1235/ प्राई ए० सी०/एयूक० आर०-1/कल०—अतः, मुक्ते, शेख नईमुहीन, बायकर अभिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कि स्थावर संपत्ति जिसका उक्ति बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 71 है, तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (भौर इसमे उपाबज अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी (आई ए० सी०/एक्यू० आर०-1, कल०) में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-12-1985

को पूर्वोक्त स्म्मिश के उचित बाबार मृत्यू से कम के अध्यमान प्रतिक्रम के लिए अस्तरित की पर्द है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि वचापुर्वोक्त सम्मिश का उचित बाबार अस्य, असके स्वयमान प्रतिक्रल से, एसे स्वयमान प्रतिक्रल का निष्कु प्रतिचय से अधिक है बीद्ध जन्तरक (जन्तरका) की अ बंदरिती (जंदरितियाँ) के बीच् एसे जंदरण के लिए तम बाया अधिक्य, विश्वतिचय स्वरंदित से स्वतः जन्तरण विविद्ध में बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आग या किसी अन या अन्य आगिस्तर्गों का, जिन्ही आरतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविभा के लिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के उपधारा (1) के नभीन, निम्नितियत व्यक्तियों, नभीत्:--- 1 भेसर्स चित्रकृट प्रोपर्टीज लिमिटेड।

(अन्तरक)

2 मेसर्स गणपति एक्सपोर्टस लिमिटेंख।

(अन्तरिती)

कर यह सुधना पाड़ी कड़के पूर्वोक्त सम्पत्ति से वर्षान के लिए कार्यवाहियां बुड़्त करता हुई की

उनत बन्गीत के बर्चन के इंब्रंथ में कोई भी बाक्षेप 🖦

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकासन की तारीं कु के 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाराह
- (क) इत अवना के स्वपन में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वास अभोइस्ताक्षरी के पास निकित में किस् जा सकेंगे।

रम्बर्डकरम् : इसमें प्रयम्त सन्दां सौर पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

71 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित मनान का 3 तल्ल में व्येसनं० 3-ए०, क्ष्या दो कार पाणि स्पेस जो सक्षम प्राणिकारी (महायक आयकर आयक्त िरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता के पास सिरियल नं० सी० ए० 128 के अनुसार 13-12-1985 तारीका में रिजस्ट्रे हुआ।

शेंख ाईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िनरीक्षण) अर्जन रेंज-1; कलव ता-16

तारीख: 14-8-1986

माहर 🙄

भक्ष वार्त्याही . इन <u>. एक</u> हुन्यान्यान्य

बावकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सूचका

भारत बरकार

कार्बाधयः, तहायक नायकर वायुक्त (निरीक्ष्ण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 अगस्त 1986 निदेश सं० सी० ए० 135/86-87/नं० 1236/आई सी० ए०/एक्यू० आर०-1/कल०-अतः, मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्तं अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के मधीन सक्षा प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित साधार मूल्य

1,00,000/-राः से विभाव **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० 71 है, तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलक ता में स्थित है (श्रीर दससे उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से याणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय; सक्षम प्राधिकारी (श्राई ए० सी० एक्बि॰ आर०-1, कल०) में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-12-1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए क्रन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उमके दर्यमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती [बन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिचित उद्देषय से उक्त अन्तरण [लिचित में बास्तिक कप से कथित महीं किया गया हैं है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त श्रीचिनियम के बचीन कर दोने के बीतरक के दाक्तिय को कमी करने वा सबसे वक्तने में स्वित्ता को लिए; अस्र/वा
- (क) एसी फिसी जाय या किसी वन या जन्म जास्तिनों को, चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वाना हाहिए था, फिन्ने में बृतिया है सिए;

अत. ाब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में ता कें, डास्ट विधिषयम की धारा 269-व की उनभारा (1) के नधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों , वर्धीत् ८—-

- 1 मैं० बि० भि० एम० एस्टट्स प्राईवेट लिमिटेड ! (अन्तरक)
- 2 मैं अस्माट शिर्षिग को० (प्रा०) लिमिटेड । (अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के जिए कार्यवाहियां चुक करता हो।

क्यक सन्पत्ति को अर्जुन की ग्रंबीय में काहे भी बाजोप ८---

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूच्या की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य विकत व्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास सिवित में किए का सकतेंगे।

स्वच्हींकरण: इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, को उक्त बीधिनयम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस बध्याय में दिया वसा है।

शन्स्यी

71 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित मकान का 4था तल्ला में स्पेस नं० 4-सी० जो सक्षम प्राधिकारी सहायक आयवर आयवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 कलकत्ता के पास सिरियन नं० श्र० ए० 135 के अनुसार 6-12-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

भेख ,नईमदीन भक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरिक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारी**ख:** 24-8-1986

प्रकार बाह्ये हो. एक, एवं व्यास्था

बायकर क्रींपनियत, 1961 (1961 का 43) की नाडा 269-व (1) के नधीन स्वना

गाउत चतुःचाड

कार्याचय , प्रहासक मानभर मानुवत (निडिक्सिक)

अर्जन रॅज, कलकसा

कलकत्ता, दिगांक 14 अगस्त 1986

निदेश सं० सी० ए० 120/86-87/नं० 1237/माई सी० ए० सी०/एम्यू० आर०-1/कल०--अतः, मुझें, शेंख नईमुद्दीन; बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (किन इसने इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विसका उचित बाबार मून्न 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 71 है, तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विज्ञत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी (भाई ए० सी० एक्यू० आर०-1, कलकत्ता) में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-12-1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1, मैं बिं भिं एमं एस्टेट्स प्राईवेट लिमिटेड। (अन्तरक)

2 मै० ए० एव० बिलिमोरिया एन्ड कम्पनी । (अन्हरिती)

भी कह स्वना भारी करके प्रॉक्स सम्पत्ति के नर्पन के लिए कार्यवाहियां सरू करता हुं ॥

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 विन की अविधि या तत्त्रस्थन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण: -- इसमें प्रजुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

71, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित मकान का चौथा तत्त्वा में स्पेस नं० 4-एफ जो सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 कलकत्ता के पास सीरियल नं० सी० ए० 120 के अनुसार 6-12-85 भारीख में रिजस्ट्री हुआ।

> शेंख नईमहीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अवृत्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीखा: 14∼8−1986

प्रस्य बाहै है दी ह एन ह एक ह सम्पर्यन व्यवस्था

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत दरकार

जार्यस्य, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्क)

अर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 14 अगस्त 1986

निदेश सं० टी० आर०-221/86-87/नं० 1238/ प्राई०ए० सी०/एक्यू० आर०-1/कल०-अत:, मुझें, शेंख मईमृहीन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेंपरचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाबार सूच्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

मं रिणत है (प्रांर इससे उपाव अन लेन्ड 'लेस, कलक सा में स्थित है (प्रांर इससे उपाव अनसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए०, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ निया गला प्रतिफल, पिमनिविष्त स्ववंदय से उक्त बन्तरण विश्वत में बादतीबक स्थ से कथित गढ़ी किया गया है के

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की सबत, स्वता अधि-नियम के अधीन कर दोने की अंतरक के शायित्व में कभी करने या उससे सचने में सुविभा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी नाय या किसी भन या अन्य नास्तियाँ को जिन्हाँ भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

चरुः अव, अक्त जीभीनयमं की भारा 269-ग के अनुतरण कों, मीं, उभक् जीभीनयमं की भारा 269-च की उपभादा (1). के जभीत्र जिस्सीम्बिक्त व्यक्तियों अभीत् डे— 1. श्री अतिल कुमार साउ।

(अन्तरक)

2: मैं० मेशोन वक्स (इन्टरनेशनल) लिमिटेड। (अन्तरिती)

को ग्रह त्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्थन के किए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्मत्ति के वर्षन की संबंध में कोई बार्बाय हु---

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पह स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि; जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियस, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसुची

1, अकलैन्ड प्लेस, कलकत्ता में अवस्थित सम्पत्ति का 1/4 था हिस्सा छो रजिस्ट्रार सब एशुरेन्सेस, कलकत्ता के पास डीड नं० 1-17662/85 के अनुसार दिसम्बर 1985 में रजिष्ट्र हुआ।

शेंख नईमुहीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (बिरीक्षण) अर्जन रेंज-1; कलकसा-16

तारीख: 14-8-9मैं 6

(५हर:

इक्टू बाहें, हो । दुन_े दुर्ह_{ी स्थाप}

बायकड़ विभिनिवस्ता 196% (1061 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यांनय, सहायक जावकर वायुक्त (रिश्रांक्रण)

ग्रर्जीन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनकि 18 अगस्त 1986

निदेश सं० टी० म्रार०-220/86-87/नं० 1239/माई ए०सी०/एक्यू०मार-1कलकता--म्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन, नायकर की भीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे रसर्वे इसके परणात 'उक्त की भीनयम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से मिक्क हैं भीर जिसकी सं० 9 है तथा जो श्रकलैंड प्लेस, कलकत्ता में स्थित है शौर इमसे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णकप से यणित है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 की 16) के श्रधीन दिनांक दियस्वर 1985

का प्वांक्त संपत्ति के उचित बाचार मृत्य से कव के जानाभ प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का धन्त्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देध से उसत अन्तरण निम्नलिखत अद्देध से उसत अन्तरण निम्नलिखत अद्देध से उसते अन्तरण

- (क) बन्तरन से इन्हें कि बी बाव की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिया; बार्ड/बा
- िष्) एसी किसी नाय या किसी पन या अन्य नास्तियों को, विन्हें भारतीय नायकर निर्मित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा खे तिष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—— 3—256GI/86 (1) विमल कुमार साहू।

(ग्रन्सरक)

(2) मशीन वर्कम (इटन्रनेशनल) लिमिटेख। (ग्रन्तरिती)

को वह शूचना बारी करने दुनोंनत सन्यत्ति में अर्थन के शिष् कार्यनाहियां शूक करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कीए भी बासीप ह---

- (क) इस स्वर, ते राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वादा;
- (क) इस नुवना के राजपत्र में त्रकावन की तार्रीय वें 45 विन के भीतर स्वतः स्थावः पंपति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित्त में किए वा संक्रिने ∐

स्वक्रीकरणः—इसमें प्रवच्य अवश् और पर्वो का, जो उपक विभिनियम क अध्याय 20-क में परिधारिक हैं, वहीं वर्ध होगा को उत्त लध्याय में विका नक्षा है।

अनुसूची

9, अक्लैंड प्लेस, कलकत्ता में श्रवस्थित सम्पत्ति का 1/4 हिस्सा जो रिजस्ट्रार सब एश्यूरेन्स, कलकत्ता के पास डीड नं० 1-17661/85 के अनुसार दिसम्बर 85 में रिजिब्ट्र हुआ।

णेख न**ईसुदी**न सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंक-1, कलकत्ता,

तारीख: 18-8-1986

मोहर

प्रकप मार्ड हो. एन एस :----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकार जानुक्त (निर्दाक्षण)

भर्जन रेंज-I, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 14 श्रगस्त 1986
निर्देस सं० सी०ए० 151/86-87/एस०एस० 1240
भ्रााई०ए०सी० एकपू०श्रार०-I/एल०-अतः मुझे, गेख नईमुद्दीन
बायकर किंगिनिस्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 5 है तथा जो केमाक स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित है। श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर, पूर्णाध्य से वर्णा है, रिजस्ट्री कत्ती श्रीधकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी (श्राई अप्-असे अप्याप्ट में, कल अमें, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक 10-1-1986।

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान इतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चढ़ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) संधरण से हुई किसी आय की वायत, सकत अधिनियम के अधीन कोई दीने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे जचने में मृतिका क्ष लिए, अधि/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन या कन्य आस्तिए।" की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंदरिदी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा औ सित;

वतः वज, उक्त अधितियम की धारा 269-ग की अनसरण वी, मी, उक्त व्यक्षितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) वी घीत, निम्तिशिक्षण व्यक्तिों, व्यक्ति केच्च (1) श्री योगेम्द्र साह।

(भ्रन्तरक)

(2) मे कलियड रासेल (इंडिया) लिमिटेड। (अन्तरिती)

की यह सुबना जारी करके पूर्वन्ति सम्मिति के नर्जन के जिए कार्यनाहियां गुरू करता हुई 1

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच तं 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन सची

5 के नांक स्ट्रीट, कल कता में अवस्थित मकान सरस्वती निकृत का प्लाट नं० स /6 जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयक्त आयुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 कलकत्ता के पास मिरियल नं० नी०ए० 151 के अनुसार 10-1-86 तारीख में रिमस्ट्रिहुश्रा।

> शेख न**ईमुद्दीन** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-1, कलक**त्ता**

तारीख: 14-8-1986

प्ररूप आर्ड .टी . एन . एस . ------

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंग, कलकत्ता कलकत्ता दिनांक 14 श्रगस्त 1986

ग्रीर जिसकी सं० 296 है तथा जो ग्राचार्य जगदिश चन्द्र बोप रोड, कलक्सा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अतुसूची में ग्रीर पूर्णक्ष से विणित है।) रिक्ट्रिक्सी श्रीधारी के जायीलय सक्षम प्राधितारी (धाई०ए०सी० श्रार-1 कल०) में रिजस्ट्रीकरणश्रिधिनयम, 1908(1908 का 16) के श्रधीर दिनांक 5-12-1985।

को पूर्व क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरमान प्रतिफल है लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का का एण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरमान प्रतिफल से, ऐसे रूरमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिव एसे अन्तरण स्वरूप सिकार से अस्ति कर से अस्ति अन्तरण सिकार से अस्तिक से अस्ति अन्तरण सिकार से अस्तिक से अस्ति अस्ति से अस्तिव से अस्ति अस्ति अ

- (का) अंतरण से हुन्हें किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः । । । अत्रतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें , भें : उक्त कथिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीगः निम्नसिचित व्यक्तियों रू वर्धात् द्र—

- (1) (3) ग्रासरार ग्रालि गांराजी एवं ग्रव्याध्य । (ख) चरासेस्ट कतस्ट्रवस्तन प्राइवेट लिमिटेड । (ग्रन्सरक)
- (2) दि सास जयरामपुर कोलियारी को०प्रा० लिमि-टेड ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यत्राहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र ं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा अकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्स्ची

296 प्राचार्य जगदीश चन्द्र बोस ंड, कलबत्ता—19 2900 वर्षे फिट अगयसन का हवा त्ला में युनिट "डी" तथा जमीन का हिस्सा जो सक्षम प्राधिकारी (महारक आयहर आयुक्त निरीक्षण) प्रजन रेंज-1, कलबत्ता के पास सिरियल नंश सी०ए० 118 के अनुसार 5-12--85 नारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> शेख नईमुद्दीन नक्षय प्राधिकारी सहायक आयक्तर श्रायुक्त (निर्रक्षण) श्रर्जन रेंज I, कलकत्ता

नारी**ख: 14--8-1**986

मोहर 🖫

THE LAND STREET

प्रस्य बाह्यं हो . एव . एक . -----

आपकार अभिनित्रम्, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के स्पीत् सुपना

सहब बहुकाड

कार्यक्र, बहायक जावकाड बायुक्त (निर्देशका)

श्रजीन रेंज-I, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांच 14 श्रगस्त 1986 निदेण सं∘सी०मी०ए०-131/86-87/एस० एल०/1242 कल०--श्रत: मुझे, णेख नईमुउद्दीन,

नायकर निधिन्यम, 1961 (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्व

1,00,000/- रत. से अभिक **है** स्रीर जिनकी मं० 162 वी है तथा को स्राचार्य जगदीण चन्द्र भोग रोड, जनहत्ता में स्थित है। श्रीर इससे उपाबढ़ प्रनुसची में ग्रीर, पूर्ण रुप ने वर्णित है। रिजिस्ट्रीयक्ती ग्रिध-कारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी (भ्राई ०ए० सी०, कलकत्ता) में, रजिप्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-12-485 । को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के अस्वमान अधिपक्ष के लिए बन्धरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापुनांक्त सम्पत्ति को उचित नामार मुख्य, उसको द्यमान प्रतिफल से, एसे द्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आर्रें वंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एंसे वंतरण के लिए तय पाया बबा प्रतिफल, निम्नसिवित उत्देश्य से उत्त अन्तरण बिविष हों बास्तविक रूप में कथिय नहीं किया नवा है ह---

- (का) बन्दरण वं हुई किसी अनव की वासता, उक्त अधिविक्त के अधिन कल दोने और बंदाहक को दावित्य में कभी करने या उद्यंत व्यक्त में सुविधा के निए; नौर∕या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन य अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आवकर निधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त राधीनयम, या अव-कृष्ट नाधीनयम, 1957 (1947 का 27) के प्रयोजनार्थ नत्तिरती द्वारा प्रकट हीं किया गया वा किया जाना चाहिए था, छिप ने में सुविधा ने जिए;

सकः ाव, दक्त सीधीनयम की भारा 269-ा के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ वी उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अधीत्:— (1) मेशर्स राम गोपाल साव एस्टेटस (प्रा०) लिमि— टेड ।

(ग्रन्तरक्र)

(2) श्रो विश्वनाथ मुखर्जी तथा श्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

का वह क्षत्रका काड़ी कारके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्थन के किए कार्यवादियां कुक करता हो।

उन्हें सम्मित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वालेंग र----

- (क) इस त्यमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बत्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी कविध रूप में समान्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाक;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- कुश किसी क्वित व्वारा, वभोहस्ताकरी के पास जिल्ला में किए का सकेंगे।

स्वाद्धीकरण ?—इसमें प्रयूक्त सम्बाँ भीर पदाँ का, वा उल्ल्ड विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं कर्ष होगा, यो उस अध्याय के दिया गया है !

अनुसुची

162 मो श्राचार्य जगदीण चन्द्र बीम रोड, कलकत्ता में प्रव स्थित मभ्पत्ति जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 कलकत्ता के पास मिरियल नं० मी०ए० 131 के श्रानुसार 20-12-85 तारीख में रिजस्ट्री हुआ।

> शेख नईमुउद्दीन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर शाय्कत (ारिकण) ग्रर्थन रेज-I, कलकत्ता

तारीख: 14-8-1986

श्ररूप् आहूर.टी.एन.एस.-----

गायकर आर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसब, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 अगस्त 1986

निदेश सं० मी० ए०-130/ए०सी०क्यू आर०-1 कलकत्ता— 86-87/एस० एल० 1243—अनः मुझे, शेख नईमउद्दीन, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० 24ए, 24बी, 24सी, है तथा जो रिबन्द सरिण, 36ए हरिणबार लेन, 22/1ए टेरिट्टि बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है। श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर, पूर्णरेप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राथिकारी (1ए०सी० एक्यू० आर-1, कल) में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-12-1985

को पृशेकिश संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रशिकत के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिकत सं, एसे दरयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उत्वरिय सं उक्त अन्तरण विवित में भास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की धाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मे कभी करने या उससे अचने में सृत्रिधा के लिए; आर्/या
- (क) ऐसी किसी आध या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

बातः वय, उक्त अधिनियम की धारा 26९-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) जन जाफरी मदन।

(अन्तरक)

(2) दी लाकुरका कोल कम्पनी लिमिटेंड। (अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त कम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध के कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर अवत स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सटोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषिक है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

श्रृत्सूची

280; 28बी०, 28सी, 26 रिवन्द्र सरणि, 36ए रिण-हिरिणबारि लेन, 22/1ए टेरिट्रि बाजार स्ट्रीट कलकत्ता में अब स्थित सम्पत्ति जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निर्शक्षण) अर्जन रेंज-1 कलकत्ता के पास सिरियल नं० सी०-5 130 के अनुसार 20-12-85 तारीख में रिजिस्ट्री हुं। 1

शेख ः ईमुउद्दीन, सक्षम ॥धिकारी सहायक आयकर आयुक्त (नरीक्षण) अर्जन रेंज 1 कलकभा 54, रफीअहमद किंद्र गई रोड, कलक्ता~16

तारीख: 14…8—1986

मरूप बार्ड_ा टी. युग**् पुरा**ः कार्यकार प्रकार

(1) श्रीमती इन्द्रानी सेन ।

(अन्तरक)

(2) बैटडबाटि **इनडस्**ट्रीज प्रा० लि**०**।

(अन्तरिती)

हावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 अगस्त 1986

निदेश सं० ए०सी०--9/ए०सी०नयू० आर-- 4 /कल०/86--87----अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वकं पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मरित, जिसका उचित वाजार मूक्य 1,00,000/- रुपये से अभिक हैं

र्मार जिसकी सं० 5 है, जो (ट्रनिंच ग्राउन्ड रोड, श्रीराम-पुर, हैंगली में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-12-1985

ही पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितकाल के सिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित साजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरिविदों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम गाग ज्या प्रतिकल, निम्नलिखित उद्रेप से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है :~~

- (क) बस्तरक सं हुई किसी आयु की बावत, उस्क कश्विनयम के अधीन कर दोने के अस्तरक की पाजिस्य में मधी करने या उक्करों क्वल में सर्विधा के लिए; और/या
- क) ऐती किसी बाय या किसी भन ा बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रयद्भ नहीं किया गया वा या किया बाना चाहिए था कियाने में सुविभा के अध्र;

की मह स्थान जारी करके पूर्वांक्त सम्योत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के श्वपत्र में प्रकासन की तारीय से 45 दिन की जविधि या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों दर स्वना की ताजीन से 30 दिन की जविध, को और जविध दांद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ख ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की दारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्कित में किए जा महोंगे।

रचक्किरण:-इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को सक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगर वो उस सध्याय में विया गया है।

जन्सू जु

जनीन--2.21 एकड़ जमीन का साथ मकान, पता--5, द्रेनिक ग्राउन्ड रोड, थाना--श्रीरामपुर, जिला--हमलो, दिलील सं० 1985 का 16613।

> श्री नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त ्तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की जन्हरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

नारीख: 6-8-1986

प्रकृष कार्याः द्वी_ल एत_{ाः} एत_{ाः सनस्य}

भायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को नभीन सुक्रता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज—I, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 6 अगस्त 1986

निदेश सं० ए०सी०-10 ए०सी०क्यू०आए-4/कल/86-87 --अत: मुझे, शेख नईमृहीन,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उपत अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० — है, जो दार्जिलिंग में स्थित है (श्राँर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-12-

को पूर्वोका सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिकत, निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया वना है है——

- (क) बन्धरण से हुई किसी शाय की वावत्, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक वी दायित्व में कभी करने वा उत्तसे अवने में सुविधा के तिए; और/या
- (क्: एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- नार्थ संतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था शा किया जाना चाहिए था खिपाने में सृविधा के सिए;

(1) डा० टी० वयाइ पेचा।

(अम्त रकः)

(2) लारनेन और टबर लि०

(अम्तरिती)

का बह सूचना कारी करके पूजोंक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ि

क्षकत सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बार्सप ह—

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबय्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्ष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त धव्यों और पदों का, वो उक्त जिथिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्थ होगा वो उस जभ्याय में दिया गवा है।

अनुस्घी

जमीन-50.0 पोलम गमीन का साथ मकान, पता---''वयेषु हारेन", याना तथा जिला : वार्जिलिंग, दलिल सं० 1985 का 20614-पी।

> ग्रेख नईमुष्टीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−4, कलकभा

अतः अधः, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित्त व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीखा: 6-8-1986

प्रस्प बार्ड, डी. एन, पुसः,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1986

निदेश सं० ए०सी०/रेंज |कस|1986-87--2355 ए० सी० एक्यू श्रार-4 कलकत्ता-अत: मुझे, शेख नईमुहीन,

बायकर बरिपनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी कीं, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 42ए हैं तथा जो बलिगज पारकुमार रोड, काकात्त में स्थित हैं। श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं। रिजल्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सं० र० ए० कलकत्ता में, रिजल्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय सं० र० ए० कलकत्ता में, रिजल्ट्रीकरण अधिकारम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-12-1985 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थामान वितिष्ण के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वीक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिष्ण से एसे इश्यमान प्रतिष्ण का पन्त्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्णत, निम्नलिवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित महीं किया एया है:--

- (क) अप्तरण से हुव किसी जाम की बानत, उक्त वॉ॰ रिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जन, स्थलः अधिनियम की धारा 269-न के ननुसरक को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) फालोभति बार।

(अन्तरक)

(2) अरभित्र ईनमेटमेटस लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के सिह्न कार्यवाहिणों करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप ह—-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी अयिक्तमों पर स्वना की तामील से 30 विन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त कृष्यों और पदों का, को उस्त किंपिनसम्, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या हैं।

अनुसूची

प्रेमिसेस नम्बर-42ए, बिलगन्न सारकुलार रोड, कलकत्ता (अभि-6 कट्टा 1 छटाक एवं 19 वर्गफुट, 42 बी, बिलगण सारकुलर रोड, कलकत्ता (जमीन-7 काठा 5 खटाक एवं 32 वर्गफुट) स० र० पु० कलकत्ता के पास 10-12-85, नारीख में रिज्स्ट्रीकरणहुआ, दिलल मंख्या-1 17017।

शेख नईमुहीन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज कलकत्ता 54, रफी अहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 13-8-1986

प्ररूप आर्च्याः हम . एस . -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-च (1) के अधीन सुचना

भारह सरकार

कार्यालय, सहायक अधकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 13 अगस्त 1986

निदेश सं० ए० सी क्यू/पा/कल/86-87/2356--अत: मुझे, शेख नईमुहोन,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 100 है तथा जो अरिबन्द सरिन०, कलकत्ता-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णारूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय-५० र० ए कलकत्ता में, रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 13-12-85

को पूर्वोक्स संस्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के करमान अतिफस के जिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार सृक्य, उसके करमान प्रतिफल से, एोसे करमान प्रतिफल का वृत्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे बन्तरक के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण है लिए से कार्यक में बास्तिक रूप से क्षिण नहीं किया गया है डून

- (क) जंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने वा उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंकी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्यरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में क्षिया के जिए।

भतः जम, उक्त मधिनियम की भारा 269-ग के जन्मरण में, में, स्वत अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् 2—:
4—256GI/86

(1) श्रीमती रेबा रानी घोष।

(अन्तरक)

(2) श्री महादेश पाल एवं अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आधी करके पूर्वोक्त इंचित के अर्जन के जिल्ह कर्स्वाहियां कट्टता हूं।

अक्त सम्मित्त के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सी 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नात में सेमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीच कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी कें वास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनु सूची

जमीन-12 काठा, 13 छटक-1 प्रेमिसेस नम्बर-100; अरिबन्द सरिन, कलकत्ता, स०र०ए कलकत्ता के पास 13-12-85 तारीख में रिजस्ट्रीकरणहुआ, दिलल संख्या--1/17319।

> शेख नईमुद्दीन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज कलकत्ता 54, रफी अहमद किदबाई रोड, कलकत्ता-16

कारीख: 13-8-1986

प्र**चन् सार्थ । हो । इस । युद्ध ।** १०००००

ब्रायकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन स्वभा

नास्त्र धरकार

कार्याचय , सहायक बायकर भागूका (मिन्सिक्न)

प्रजीन रेंज-JII कलकसा दिनांक 13 अंगस्त 1986

निर्देश सं०एस०ए० सी०/रेज-III/कल०/1986-87अतः मुझें, शख नई मुद्दीन आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियस' कहा गया हैं), की भारा

2169-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का क्कारच्य है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार म्ल्य 1,00,000∕-रु. से अधिक हैं

अच्च के किया न**ड**िंकिया नवा **ड**िं∠—

गीर जिसकी सं 2/7 है तथा जो सरन बोस रोड, कलकत्ता स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णस्थ से वर्णित है) राज्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय स०र०ए० कलकत्ता में, रिज़्स्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय स०र०ए० कलकत्ता में, रिज़्स्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय स०र०ए० कलकत्ता में, रिज़्स्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीक, धिनांक दिसम्बर 1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य ने कम के दश्यमान इतिकास के लिए जन्तरित की गई है और मुम्में वह विश्वास करने का कारण है कि बंधा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है बौर जंतरक (जंतरका) और जंतरिकी (जंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के निए तथ पाया नया प्रतिकल, मिम्मिसिश्चत उयुव्हेश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तीवक

- (क्क) जन्तरण संहुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अध्यारक के बामित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

स्काः वयः, रुक्त विधिनियम की भारा 269-ग से सन्तरण की, की उदरा विधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (त) इ.सथीन. निक्नीसांवात व्यक्तियों, ऋर्वात् हु—

- (1) भसूषारा प्रापरिटज प्राईवेट लिमिटेर । (अन्तरक)
- (2) भारनिया जानपिय।

(अन्तरिती)

को यह कुपना प्राप्ती सक्तके पूर्वोच्छ कर्मारित को सर्वन की किस कार्यवाहियों करता हुँ।

बक्त श्रेपॉल के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेत्र दन्न

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिंद में समाप्त हमेती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इताए;
- (क) इस सूचमा के राजपण में प्रकाशन की तारीचा क 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितवज़र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाक किचित में किस् का सकेंगे।

मध्यीकरण: इसमें प्रयुक्त सभ्यों जीर पदों का, को उपल विभिनियम, के बध्याय 20-के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पदा है।

नगुसूची

आफिस क्षेत्र 'ए', 10 तल्ला, प्रेमिसेस नम्बर -72/71; सरन बोस रोड, कलकत्ता-20, स०र०ए० कलकत्ता के पास 12/85 तारीखामें रिजस्ट्रीकरण हुआ, दिललत संख्या-1/21079।

शेख नईमुहीन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकरा। 54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकरा।—16

तारी**य**: 13-8-1986

मोहरः

प्रारूप आइ. टी. एन. एस्. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अभीन सुचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायूक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, III कलकशा

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1986

निदेश सं० ए०सी०नय०/रेज-III/कल/1986-87/2355 --अतःमुझे, शेख नईमुद्दीन,

नायकर स्थिनियन, 1961 (1961 का 43) हैं जिसे इतमें इसके वरवात् 'स्थल अधिवियय' स्कूल ध्या ही), की भाग 269-क् के स्थीन स्वाम प्रतिभक्तरी को यह विकास करने का स्थान है कि स्थानर सम्मरित, विक्ता समित सामाद मृत्य 1,00,000/- उ. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० 27 ए है तथा जो रोलाड रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प मे विणत है) रिष्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, रिष्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-12-1985

को प्वेवित संपत्ति के उपित वाकार क्ष्य से कम के ध्यमन्त्र वित्यस के वित्य संतरित की नहीं हैं और जुओं मह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्यों का संस्थित का जिया प्राचित का कारण है कि स्थाप्यों का संस्थित का जिया प्रतिकल के विद्यास प्रतिकल को वन्त्रह प्रतिकत से विभिन्न हैं और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक जे लिए तम् पाया गया प्रतिकल, निस्तिविद्य उद्देश्य से उस्स सन्तर्ज जिल्हा में बाल्तिक रूप से क्षित वहाँ जिया व्या है कि

- (क) निष्ठुण से हुई जिसी बाय की वावत, उक्स विश्वित्वय में अभीत कहा क्षेत्र में अभारक में वादित्व में कभी करने या उससे व्यन में सुविधा के किए; बीए/का
- (भ) क्सी किसी बाव वा किसी भन वा बच्च वास्तिवाँ का, जिन्हों भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा प्रयोजनार्थ बंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा भी किस;

(1) श्री शसुधनकान्त आचार्य।

(अन्सरकः)

(2) मिचदीप उद्योग।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इव स्वमा के राजपण में प्रकाशन की दार्जीय वें
 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
 क्षणवा की दायील के 30 विन की क्षणीय, की की
 क्षणीय कार में स्वाप्त होती हो, के और प्रविधा
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कृतात;
- (च) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अंधोहस्ताक्षरी के पाक निवित में किए जा सकेंगे।

स्कृटिकित्यः --इसमें प्रयुवत सन्दों और पवाँ का, काँ उन्त निपनिवन, के बन्धाय 20-क वें परिभावित हो, बहुरै वर्ष होगा को उस बन्धाय में विवा गमा है।

बन्स्ची

133861 काठा, प्रमिसेस नम्बर 27ए, रोलान्ड रोड, कलकत्ता सथम प्राधिकारी के पास 5-12-85 तारीख में रिकस्ट्रीकरण हुआ।

> शिख नईमुद्दीन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त ्निरीक्षण) अर्जन रेंड, III कलकत्ता 54, रफी अहमद, किरवाई रोड, करभाना-16

जत: अभ, अभा अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण पं मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्:—

तारीखा: 13-8-1986

मोहर १

प्रकृष बाइ⁸.; टी. एत_ी एत _{व्य}न्तनात

नायकर नीभॉनवस 1961 (1961 का 43) की बादा 269-व (1) वे वृथीन क्वता

STEEL SERVICE

कार्याख्यन वश्यक बायकर बायूक्त (हिन्द्विक्र)

अर्जन रेंज-III कलकता

कलकत्ताः विनांक 13 अगस्त 1986

निदेश सं० ए०सी०/रेज-^II^I/कल/1986-87---12359 अ**तःमुक्षे, शेख नर्द्**मुहीन,

बावकर मंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विके इसमें धर्मके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गा है), की भारा 269-म के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 196 है तथा जो सरन बोस रोड, कल-कत्ता में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय स०र० ए, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-12-1985

को प्यंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के सिए जंतरित की गई है और मुन्ने यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य कृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिकृत से अधिक है और जंतरक (वंतरकार) और (जन्तरिक्य) के बीच एसे अन्तरण के जिए तब नामा वशा प्रतिफल, तिम्नीसिक्त उद्योग से उच्छ कृत्य कृत्य विद्या विद्या विद्या कि सिक्त कर से कथित नहीं किया गया है ८——

- (क) नम्प्रत्य से हुई किली भाष की बावत्, सम्ब नियम के अभीन कर देने के बम्प्रत्य के खिराय में कमी करने या उससे नमने में सुनिधा के लिए; ब्रीट/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सूरिवधा के लिए;

नतः सव, उन्त सभिमियम की भाषा 269-ग के ननुसरण को, बी, बनत सभितियम की भाषा 269-व की स्थानातः (1) के सभीतः निम्निविश्वित न्यानिवर्गीः स्थाति हः--- (1) के० पी० चाटर्जी।

(अन्तरक)

(2) हरमित सिंह कालरा।

(अन्तरिती)

को वह क्षता चाड़ी करके वृत्तींका सम्मृतिस क्षेत्र कर्तन की जिए कार्वनाहियाँ सुरू कड़ता हुई [a]

उन्त सम्पृतिक के न्यंत के तंत्रभू में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामीस से 30 दिन की बनिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष क्यूष किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताभारी के पास निवित्त में किए का स्थोवी

क्यक्यक्रिक्तन्तः—हसमें श्रमुक्त क्यां और पदों का, हो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, बही वर्ष होया को उस अध्याय में दिवा पत्रा हैं।

वनुषुची

जमीन 7 काठा 2 घटाक एवं 20 वर्गफुट प्रेमिसेस नम्बर 190, सरन बोस रोष्ठ कलकत्ता, संव नंव ए, कल-कत्ता को पास 6-12-85 तारीख से रजिस्ट्रीकरण हुआ। क्ष्तील संव 1/16844।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज; कलकसा 54, रफी अहमव किदवाई रोड; कलकसा—16

तारी**ख**: 13-8-1986

माहर 🖫

प्रकृत वार्ष्_{ति} ठाँ_ठ एव_{.ठ} एव_{.ठ} सन्तर-व्यन्त

बारकार विधितियतः, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्वता

राज्य नुप्रमूज

कार्यांतव , सहायक बायकर बायका (निर्णालक) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1986

निदेश सं० 2360/एक्वी० आर-III/कल०/86-87---यतः मुझे, शेंख नईभुद्दीन,

नायकर मिथिनियम, 1961 (196) का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उन्ते निर्मानयम' कहा पता ही, की भाख 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का काल्य है कि स्थायर कम्पिता, चित्रका स्थाप मृस्य 1,00,000/- क. से अधिक है

भोर जिसकी सं० 50 है तथा जो चिंडनला लेन, कलकत्ता में स्थित (है ध्रोर इससे उपाबद्ध अनुसुची में भौर पूर्णस्प से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, का० र०ए०, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-12-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्यमान प्रतिफस को लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से विध्क है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिचित उद्योध्य से उच्त अन्तरण निचित्त को बास्सविक रूप से अधित नहीं किया गया है क्ष्री

- (क्ष) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिल्लाम के सभीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के जिए; जरि/या
- (थ) ऐसी किसी आयु या धन वा वन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर सिधानियम, 1922 (1922 का 11) वा उनक अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा कि वा धाना चाहिए था, किया वे सुनिया के दिल्हा;

- (1) कें ० सी ० मिश्र कन्स्लर्टेशम प्रा० लिमिटेंड (अन्तरक)
- (2) ए० आई० ई इमुल एण्ड क्रोमानि लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टितः के अर्जन के निष्
कार्यवाहियां करता हां।

उनत संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप हुन्न

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारींच शें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पृष्ठ सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के धीत्र पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुकारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित्बव्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के वाच विचित में किए वा सकोंचे ।।

स्वलाकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनवन, के बच्चाव 20-क में परिभाषित हैं, मही वर्ष होगा, वो उस बच्चाय में दिया क्या है।

अनुसूची

7 प्लाट एरिया 8800 वर्ग फुट, प्रेमिसेस नम्बर-50, विजित्ता लेगः कलकत्ता-40

सं० र०ए० कलक्ता स०र० के पास 6-12-85 हारीख में रिजर्स्ट्रीकरण हुआ । दलिल संख्या-1 16879 ।

शेंख न**६मृहीन** सक्षम शाधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त ('नेरीक्षण), अर्जंग रेंज-III 54, रफी अहमद किःवई रोड; कलकस्ता—16

बतः थयः, अवत अधिनियमं की भारा 269-म वी सनुसरम भें से, सकत अधिनियमं की भारा 269-म की उपभाग (1) वी स्थीन् निम्नुजिल्लिक स्थितस्थील स्थादि क्रास्ट

दिनांक : 13-8-1986

मोहुर १

प्रकल कार्य<u>ः टौ. प्र</u>वा<u>त प्रवा</u>त

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

प्रारत प्रदुष्टार

कार्यायकः प्रश्नापक नागकः जागुगतः (निर्द्रीकार)

अर्जन रेंज-, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1986

निदेश सं० 2361/एक्बी० आर-III/कलकत्ता/86-87--यक: मुर्झे, शेख नईमुहीन,

वावकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) (विशे इसवें इसकें वरवात् (वक्त व्यापिनियम' कहा भवा ही,, की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, विवका उचित वावार मृत्य 1,00,000/- रु. ते अधिक है

भीर जिसकी सं० 2/7 है तथा जो सरन बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (सार इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिकस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, स० र० ए०, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक

को पूर्वोक्त सम्मत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्कोंक्त संपत्ति का उचित साजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से ऐसे स्थमान प्रतिफल के समुद्ध प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (बुन्तरक) और अन्तरिती (जन्तरितयाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम गया प्रतिफल, विम्नतिवित उच्चेष्य से सम्बद्ध अन्तर्भ विद्या गया प्रतिफल, विम्नतिवित उच्चेष्य से सम्बद्ध अन्तर्भ विद्या गया विद्या कर्या है क्ष्या अन्तर्भ विद्या गया है स्थान

- (का) संबद्ध वे हुई किसी बाब की बावज्; उपस वीधिनयन के मधीन कर योगे के बन्तरक से दानिश्य में कभी भारने या उच्चते शहने में सुविधाः के लिए; मोर/या
- (व) देशी किती बाय या किसी धन ा बच्य बास्तियों की मिन्हें बारखीय वावकल विधितियम्। 1922 (1922 का 11) या उनत विधितियम्, या धन-कर विधिनियम्, 1957 (1957 का 27) वे प्रवोक्तार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया बाना वाहिए वा, क्रियाने में सुविधा वे बिक्टा

कक्षः संबंधः स्वयः विभिनियमं की भारा 269-व से बजुबर्ध्य हो, मीं, उपना समिनियमं की भारा 269-व भी उपभारा (1) हे सभीतः, विकासिकिक व्यक्तिकोतः व्यक्ति क्रान्त

(1) मसूधारा प्रापर्टीज प्रा० लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) साहू जैन ट्रस्ट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह क्षेत्रा कारी करकी पूर्वोत्रत सम्मृतित में वर्णन को जिल् कार्यवाहियां करता हो।

उन्ह इंप्लिस में नवीन ही इंजीप में कोडी मी माहोप 🦫

- [का] इस सुधना के राजपण में प्रकाशन की शारीय के 45 दिन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की व्यक्ति, को भी सूचि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवादा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकातन की तारींव के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेक हिनवव्य किसी अन्य व्यक्ति वृंगरा अभोहस्ताक्री के पास सिवित में किए वा सकने।

स्पृथ्यीकरणः व-इसमें प्रयुक्त कथ्यों बीर पदी का, भी उच्छ विधित्रयम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होपा वो उस वश्याय में दिया क्या हैं.।

वर्ष्यी

आफिस नम्बर—बी, 10 तल्ला, प्रेमिसेश नम्बर, 2/7, सरन बोस रोड, कलक्सा—20 जमीन 3325 वर्ग फुट। स० र०ए० कलक्सा के पास 9—12—85 तारीख में रिजस्ट्रीकरण दुआ। दिलल संख्या—आई—20070

> र्षोख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-III 54, रफी अहमद किव्वई रोड; कलकसा-16

दिनांक : 13-8-1986

मोहर 🖫

४६५ नारं हों, एन<u>ः इसक्तान्सक</u>

आवक्टर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की शास्त्र 269-व (1) के नवीन सूचना

भारत सरकात

कार्यालय, सहायक भागकर जायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1986

निदेश सं० ए० सी०/रेज-III/कल०/2363/86-87 -यतः

मुझें, शेख नईमुहीन,

कायकर विधित्यमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा वया हैं)., की बारा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाकार कृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 16, है तथा जो बालिगंज सरकुलर रोड, कलकत्ता में स्थित (है और इससे उपावस अनुसुधी में भीर पूर्णक्रप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय - स० २०ए०, कलकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक

को पूर्वेक्ति सम्पणि के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने, का कारण है कि यभ्गपूर्वेक्त सम्मत्ति क उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिभात से अधिक है और अंतरित (अंतरका) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देषयों से उच्त बन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उसत अधिनियम के बंधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन प्रशासनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, अस्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अस्ति :--- (1) इन्दास सारमिसेस लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश चन्द्र कालवार एवं अन्य ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वी श्रा सम्परित के वर्त्तन के सिए कार्यवाहियां करता हुं (१)

बनद बन्दरिय के मुनंत के बन्दर्भ में कर्दर श्री बाबर ---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकारन की तारीय से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस त्याना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किये का सकेंगे

वन्स्यरे

प्लाट नम्बर 49, तिम्नतस्ला, 1800 वर्ग पुट, प्रेमिसेस नम्बर 1सी, बालिगंज सरकुलर रोड, कलकत्ता-1 स० र० ए० कलकत्ता के पास 13-12-85 तारीख में रिजस्ट्रीकरण हुआ। । दलील संख्या--। 20753 ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी, सज्ज्ञायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-III 54, रफी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता--12

दिनोक : 13-8-1986

মুক্ত বাহতি হতি হুক্ত হুক্ত -নাল্ডাল

जारकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन स्थान

आरंब बरकार

कार्यांतर, तहारक नारकर भार्यक्त (निरोक्तन)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 अगस्त 1986

निदेश सं० अई-4/37-ईई/23920/85-86--अतः मुझे, लक्ष्मण दास्

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की जारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित् बाजार मूल्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि जो, स्ट्रक्चर्स के साथ, विलेज षहिसर, तलूका बोरिवली, जिसका सर्वे सं० 289, एच० सं० 1 से 3, सर्वे सं० 314, एच० सं० 15 (श्रंश) श्रीर सर्वे सं० 290, एच० सं० 18 (श्रंश), सी०टी० एस० सं० 118/118/1 से 67, वस्बई में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कछ के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 2-12-1985.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बश्यकान झूर्तिकान के निए जन्तरित की गई है बाँर यूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यणापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार क्ष्य, उत्तके बश्यमान प्रतिकान से, एसे बश्यमान प्रतिक्षण का क्ष्यह प्रतिकात से अधिक है बाँर जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तथ पथा बया प्रतिकास, निम्नसिविद स्कूर्णेय से उन्त बन्तका किस्तिक्ष में बास्तविक रूप से क्षिण्य गहाँ किया गया है प्रस्त

- (क) जन्तरण से हुड़े किसी जाय की बाबत, उपत जीध-वियत के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कभी करने या उद्यम बचने में स्विध्य के रिस्ट्; कींग्र/या
- (क) इसी जिसी बाप या किसी भन या जन्म जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थ बंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, डिज्याने में सृविधा के किए;

सतः सन्, उन्त जीभीनयमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, इन्त जीभीनयमं की भारा 269-च की उनधारा (1) के कभीन,, निम्मितिक्य व्यक्तियों त वर्षात् च—

- (1) श्रीमती रंभाबाई एल० भावसार ग्रीर अन्य। (अन्तरक)
- (2) मेसर्स माडेल कन्स्ट्रक्शन्स । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन वाँ किया कार्यवाहियां शुरू करता हुं।।

बन्त सम्मत्ति के अर्चन के संबंध में कोई बाखेंप :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिथ, को धी बदिथ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोचत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिचित में ते किए वा सकोंगे।

स्वक्षिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क भी परिभाक्ति ही, वहीं अर्थ होना को उस अध्याक में द्वांका बया है।

सन्ध्ची

कृषि भूमि जो, स्ट्रक्चसं के साथ, विलेज वहिसर, तालुक बोरिवली, जिसका सर्वे सं० 289, एच० सं० 1, और 3, 314, एच० सं० 15 (ग्रंग) और 290, एच० सं० 18 (ग्रंग) ,सी० टी० एस० सं० 118/118/1 से 67, वहिसर, बम्बई में स्थित है ।

अनुसुची जैसा कि कि । सं० अई-4/37-ईई/23920/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण); अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 14-8-1986

मोहर ।

मुख्य नार्'्रहो<u>्य्य १</u>प्र_{वि}न्तरस्थानस्थ

ज्ञावकर सिथानियस ह 1961 (1961 का 43) करी भारा 269-स (1) के अभीन सुचया

BIST ESTE

फार्बक्रिक्_ओ सङ्ख्यक बायकर नायुक्त (निर्किक) अर्जन रेंज-4, धम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अगस्त 1986

निवेश सं० अई-4/37-ईई/24150/85-86--अतः मुझें, लक्ष्मण' दासः,

जायकर शिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पर्यात् त्यस जीभिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-व के नभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारज है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मुख्य

1,00,000/- रु. से **अधिक है**

भीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे सं० 198, एघ० नं० 4, सी० टी० एस० सं० 2257, विलेज दहिसर (पूर्व), सम्बद्ध में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में भीर पूर्ण-रूप से विणित हैं), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 2-12-1985

को पृथा कर सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम को स्वयमान अतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास् करने क्य कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित याजार पृस्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का गंधह प्रतिस्त से विश्वास् है और वंतरक (वंतरकों) जोर वंतरितों (वंतरितियों) को बीच एसे वंतरक वंतरक किए तय पाया अया प्रतिफल, निम्मीतिस्त संबंदरक से उस्त वन्तरण निम्मित में बास्तिक रूप से कवित कर से स्थित नहीं किया क्या है है—

- [का] मध्यरण वं हुई किवी वाव की वावस्ता, उनस् क्षिपियम के व्योग कर दोने के मन्त्राक के वायरण में कभी करने वा उससे मुखने में सुविधा के सिन्ध; कर्षा
- (य) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया प्रवाधा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की सिए;

श्रक्तः अभ , उन्त नौभनियमं की भारा 269-न के नन्धरक हों , अन्त अभिनियमं की भारा 269-न की उपभारा (1) थे अभीन . निम्मलिसिल व्यक्तियों , वर्भात् :---

- (1) श्री कबीर अहमद हबीब अहमद ग्रीर अन्य । (अन्तरक)
- (2) मेसर्स वर्षा इटरश्रायजेस।

(अन्तरिती)

क्रो यह स्वना पारों करके पूर्वोक्त संपरित कें अर्थन कें सिधु कार्यवाहियां कड़ता हों।।

उपत शब्दात्त के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- कि प्रवासना में राज्यम के प्रकारन की तार्रीय से 45 दिन की अवृद्धि वा तत्त्रकानकी व्यक्तिकों पूर भूगा की तामीन से 30 दिन की सविध, को औं सविध वाद में समाध्य होती हो, से भीत्र पूर्वोक्स व्यक्तिकों में से दिन्दी व्यक्तित हुवाराह
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी सन्य व्यक्ति ह्वाय सभोहस्ताकश् के पास निश्चित में निग्र जा सकींगे।

स्पक्रीकरण:—इसमें प्रगुवत सन्दों बार वहां का जो उनका अधिपनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं। बही अर्थ होंगा, को उस अध्याय में विया नका

अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे सं० 198, एच० नं० 4, सी०टी० एस० सं० 2257, विलेस दहिसर (पूर्वे), बम्बई में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/24150/85--86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-12--1985 को रिजस्टड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंफ-4, बम्बई

दिनाक: 14-8-1986

प्रकृत वार्ष्य हो हर्ग हर्ग व्यवस्थान

आवकर वर्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउत 269-म (1) के वचीन प्यान

WEST THEFT

काशीकन्, तहावक नायकर नागुन्त (विरीक्षन)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

थम्बई, दिनांक 14 अगस्त 1986

निदेश सं० अई-4/37-ईई/24203/85-86---अतः मुर्झे, लक्ष्मण वास,

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विस्थास करने का कारज है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं जिसकी लं जमीन का हिस्सा, जिसका सी टी एस क्सं 2259 भीर 2268, जो, दिहसर, बम्बई में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में भीर पूर्ण रूप से बिजित है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है, दिनांक 2-12-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति ते स्वित वाचार मृज्य वे काम के दस्त्रवान शितफा के जिल्ल कन्तिका की नद्दी ही और कुछ यह निक्लास

करने का कारण है कि नपाय्नेंनत सम्मीत का खेंचत नावार भूग्य, उसके अवसान प्रतिकान से, एोडे अवसान प्रतिकास स्व बन्दह प्रतिक्षत से निधक है और नंतरक (जंतरकों) और अंतरिकों (जन्दरिक्षियों) के नीच एंसे बन्दरण के खिए तब बाबा बना प्रतिकास, निम्नतिक्ति उद्दोस्य ते उन्त सन्तरण जिल्लित में अस्तिका क्य से कीचल नहीं विकास का है है—

- (क) बन्दरन से हुई किसी बाय को बायस समय अपन-निवस के अभीन कर दोने के नन्दरक के शामित्य के कमी करने या स्वस्ते बच्चने के सुविधा के जिए सरि/शा
- (क) देशी किसी जाव या किसी धन या जन्य आस्तियों कार्य, जिन्हों भारतीय जावकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत जिभिनियम या धन कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ जन्तिहिती धुनारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपान में सुरिश्धा के लिख:

जनः जनः जनतं जिथिनियमं की धारा 269-गं के अन्सरणं में, में, उत्तर अधिनियमं की धारा 269-णं की उत्तथारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तितयों, अर्थात् क्रिक्त

- (1) श्री कबीर अहमद हबीब अहमद श्रीर अन्य। (अन्तरक)
- (2) मेसर्स वर्षा इंटरप्रायजैंस।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यकाही अरुता होई।

करत बुम्मीत्व में नहीन में सम्बन्ध में काहि भी नासीय रू---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की नवींच का तत्त्वकाली व्यक्तियों पर स्वका की तारील से 30 दिन की नविष, जो भी वर्षीय वाद के स्वान्त होती हो, के भीत्त्र पूर्वीका व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकारण की सारीय कें
 45 दिन के भीतप्र अपन स्थापर संपत्ति में दिसक्ष्म किसी सम्ब व्यक्ति स्थापर क्षोइस्ताकारी कें
 पात सिविधा में किए या सकेंगे।

राज्यीकरण्ड--र्क्षणं प्रमुख्य कर्मा बीर पूर्व कर, की क्या श्रीवृद्धिक्षणं के सम्बद्ध 20-क में परिभागिक हूँ, बहुत सूर्य हुरेगा हो कह सम्बद्ध में विका मुंदा हुँ कि

अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जिसका सी० टी० एस० सं० 2259 भौर 2268, जो, बहिसर, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-4/37—ईई/24203/85—86 थ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-12—1985 को र्जिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 14-8-1986

प्रकृष नाष्ट्र<u>ी पुन पुन पुन कार्या</u>

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

नारत चरकार

कार्यानय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 14 अगस्त 1986

निदेश सं० अई-4/37-ईई/23957/85-86--अतः मुझे, लक्ष्मण थास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट सं० सी-207, जो, दूसरी मंजिल, शांता अपार्टमेंट, प्लाट सं० 369-सी, एस० वि०, रोड, कांदिवलो (प), बम्बई-67 में स्थित हैं (भौर उसते उपाबद्ध अनुसुची में भौर पूर्ण का से बिणा है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 2-12-1985,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के अचित बाजार भूल्य संकम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वेक्ति सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान इतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिठ उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तिय में गस्तिवक रूप से कथित महीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बानता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क सामित्व में कमी करने या उससे ब्लाने में सुनिधा के निष्कृ और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मेसर्स सम्बाट बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रो आर० वि० भुपतानी फ्रौर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीकां से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मो परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

फ्लैंट सं० मी-207, जो, दूबरी मंजित, शांस अवार्टमेंट, प्लाट सं० 369-सी, एम०वि० रोड, कोदिवली (प), बम्बई--67 में स्थित हैं ।

अतुमुची जैता कि ऋ० सं० अई-3/4/37-ईई/23957/ 85-86फ्रीरजो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वाराविशंक 2-12-1985 को रिजस्टिङ किया गया है ।

> लक्ष्मण दास मञ्जम प्राधिकारी, सहायक आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेजिन4, बम्बई

दिनांक : 14--8~1986

प्ररूप आहु".टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की धारा 269-च (1) के अधीन स्चान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अगस्त 1986

निदेश सं० अई-4/37-ईई/24279/85-86-अत: मुझें, लक्ष्मण दास,

विषय कि पिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्ष्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि, जिसका सबें सं० 5, एघ०, सं० 1, सी० टी० एस० सं० 21-ई, बिलेज नवाघर, मंडपेश्वर रोड, तालुका बोरिवली, दिहसर (प), बम्बई में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 2-12-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में जास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूक्षा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ा के अनुसरण मों, औं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन,, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्— (1) मेसर्सं एस. डी० बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) हेमाली जिल्डर्स श्रीर कन्स्ट्रक्क्टर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हिन्स

- (क) इस सुभा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुभा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत ख्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्स अभिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि, जिसका सर्वे सं० 5, एच०सं० 10, सी० टी०एस० सं० 21ई, विलेज नवाघर, वहिसर (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/2427 3/85-86 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-1985 को रिष्टिंड किया गया है।

> लक्ष्मण दास नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निनीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 14-8-1986

मोष्ठर 🕾

अक्षा आहें हा हों, हम _{से} प्रस्तानननननन

श्रावक्तर श्रीपनिवन; 1961 (1961 का 43) की पाछा 269≗ष (1) में श्रुपीन बुखना

श्राम्थियः बहारक भारकात नामुक्त (विक्रांशिका)

अर्जन रें ज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 अगस्त 1986

निर्देण सं० अई-4/37-ईई/24036/85-86---अत: मुझें, लक्ष्मण दास.

आयुक्त अधिनिय्न, 1961 (1961 का 43) (जिले रचने इसके प्रवाद (जन्य अधिनियन) कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सकाम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति जिसका उचित नावार मुख्य 1,00000/-स. से अधिक है

ष्ठार जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जो, स्ट्रुक्चर्स के साथ, पोईसर, जिसका सर्वे सं० 115, एच० सं० 1, सी० टी० एस० सं० 22, विलेज कांधिवली, तालूका बोरिवली, बम्बई में स्थित हैं (श्रांर इससे उपाबद अनुसुची में श्रांर पूर्णस्प से विणत है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 2-12-1985,

को पूर्वेक्स संपरित को चित्रत बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई

है और मुझे मह निद्दास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त स्रम्मत्ति का उचित शाणार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से दृश्ये दृश्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिसत से स्थिक है और बंध-रक (बंतरका) और अंतरिती (बंतरितिया) से श्रीम एसे कंस-हुण से दृसए तथ गया गया प्रतिकस, निम्नसिसित उद्देश्य से स्रम्म बंतरण निव्यत में वास्त्रिक क्य से स्थित नहीं स्थिता स्था से दिल्ल

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त अधिनिक्स के अधीन कर दोने के कन्तरक के दावित्य में कमी करने वा उससे व्यने में सुविधा से किए; बीर/का
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाया आहिए था, जियाने के सुविधा में खिए।

चतः वतः उत्तर विधितियमं की भारा 269-ा वौ वन्यसूच मों, मों, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (१) वौ अधीर्य, निष्निविधार व्यक्तियों हु अधीर्य डिल्ल (1) श्री नटबरलाल एच० अग्रवाल !

(अन्सरक)

(2) एन० डी० इण्टरप्रायजेंस ।

(अन्तरिती)

- (3) श्री कसारीनाथ मिश्रा भ्रौर 28 अन्य (भाड़ूत) (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री जिल्लू जिहारी यादव भीर अन्य।
 (वह व्यक्ति, जिसके जारे में अधी-हस्ताक्षरी जानाता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना बारी करके पूजीक्त धरमिता के वर्णन के किए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त तस्परित के वर्षन के तस्परभ में कीई भी वाक्षेत्र है

- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीश थे. 45 दिन की जबकि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थीकतयों में से किसी स्थिता इवाह्य;
- (अ) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीं व के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए वा सकेंचे ।

स्थळीं करणः — इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पदाँ का, जो सबके वरिभीत्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्भ होगा जो उस वध्याय में दिया गया हाँशे

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जो, स्ट्रश्चर्स के साथ, जिसका गर्वे सं० 115, एचं० संः 1, सी० टी० एस० सं० 22, विलेज का दिवली, तालुका बोरिवर्ला, बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-4/37-ईई/24036/ 85-86 और जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-1985 की रिक्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-4 बस्बर्ध

दिनांक : 14-8-1986

शका बाहु^{*}त हों_{से} हुन्_य प्**र**श्चमत्रकारकार

नायकर जीभीनवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 2**69-**न्र (1) ने क्षीन बृष्ता

कार्याचय , सहावक भायकर बाव्यत (निराक्षक) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अगस्त 1986 निदेश सं० अई-4/37-ईई/24082/85-86---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

व्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इचर्में इक्के पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की भाषा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिन्नका उचित बाजार मूज्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जिसका सी० टी० एस० सं० 267, पोईसर विलेज, श्री बाला सिनोर को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, एस० वि० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-12-

क्रां पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कन के क्समान प्रतिकान के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास कारने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रममान प्रतिकास से, ऐसे क्समान प्रतिकास का मृत्य, उसके क्रममान प्रतिकास से, ऐसे क्समान प्रतिकास का मृत्य, प्रतिकात से जिथक है और जन्तरक (जंतरकाँ) नहिर जन्तरिती (अंतरितियों) से बीच ऐसे अ्न्तुरूच के किए तब पावा द्वा प्रति-क्षम विक्यितिकात क्षम्योच से क्षमा वृद्धा के किए तब पावा देश प्रतिकार क्षम वे कवित्य कृति क्षमा क्षमा है क्षमा

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाब की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या सससे बचने में स्विभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिनाने में सुविधा के सिए;

वर्त नव, उक्त निर्मानयम की भारा 269-ल की ननुसरण में, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधास (1) वे सभीत निम्मसिक्ति स्पित्र में

- (1) श्री पंकज रमणलाल रावल श्रीर अन्य। (अन्तरक)
- (2) श्री नारायणदास जें० गांधी भ्रौर अन्य । (अन्तरिसी)

च वह क्षवा कार्ड करके क्योंकर तृत्यांकर के दर्गत के पिड़ कार्यवाहियां करता हुं।

उन्द राम्हित् में मुर्जन के प्रथमित में कोई भी नामेंच् ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विष् के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पन्दिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के वश्याय 20-क में परिभाविष ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रमृत्यी

जमीन का हिस्सा, जिसका सी० टी० एस० सं० 267, पोईसरिवलंज, श्रीबालासिनोर को०-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, एस० वि० रोड, कांदिवली (प), अम्बई-67 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/24082/85-86 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-12- 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-४; बम्बई

दिनांक : 14-8-1986

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के अभीन स्त्राना

भारत करकार

कार्यांसय, सहायक नायकर नायुक्त (निज्ञीकण)

अर्जन रेंज-4; बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अगस्त 1986

निदेश सं० अई- 4/37-ईई/24016/85-86---अतः मुर्से; लक्ष्मण वास,

बायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त जिधनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूच्य 1,06,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं जिमीन का हिस्सा, जो, एक्सार विलेज, आय क्सी कोलनी, जिसका सी कटी कएस के 971 श्रीर 971/1, तालुका बोरिवली, बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क.ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 2-12-1985

को न्योंकत बंज्येति के शिवत नाथार मूल्य से का के स्वयमान अविकास के किन कर्कारत की नहीं है और मून्ते वह विश्वास अपने का कारण है कि क्यापूर्णेकत सम्मतित का उपित बासार मूल्य, उपार्थ स्वयमान प्रतिकास ते, हो बे स्वयमान प्रतिपक्ष का पंक्र प्रतिकाल से अभिका ही बोर अंगरक (बंगरकों) और अंगरितों (अग्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकाल, निम्नानिकत स्वयम्य से स्वया क्यारण किश्वित में बास्तविक रूप से स्वया नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से धुद्दं किसी बाय ली बाबत सकत अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक को समित्व में कमी करने या उत्तते बावने के सुविक्या के सिए; जीर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी बन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना बाहिए था, डिपाने में सुविष्ट के निष्ट;

क्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक धै, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) व् के अधीन, निम्निसित स्मृतिकर्यों, अर्थात 🚛 (1) श्री मार्कस अवराव ।

(अन्तरक)

(2) कोरेआ बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

भी वह बहुया आही सहर्य पृष्टिया सम्बद्धिय ने वर्णन से तिव कार्यवाहियां करता हूं।

स्वतु तुमारित के अर्थन के सम्बन्ध में कार्य भी वास्त्रप्रः--

- कि) इस भूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की जनभि या तत्संत्रंभी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा
- (क) इब सूचना के राज्ञपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी वृष्य व्यक्ति दुवारा वृथाहस्ताक्षरी के पाव निवित्त में किए जा सुर्वेष (8)

रम्ब्योकरम्: व्यक्तं प्रकृतः स्वयं बीद उद्यं का वा उक्तः विधिनियम के वध्याय 20-क से परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस वध्याय में दिया नदा हैं (है)

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जो, एक्सार विलेज, आय० सो० कालनी; तालुका बोरिवली, जिसका सी० टी० एस० सं० 971 भौर 971/1, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/24016/ 85-86 ग्रीरजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> क्ष्मण स**क्षम प्रा**धिक ा स**हायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-4, **बम्बई**

दिनांक : 14-8-1986

प्ररूप बार्च हो । एन . एस ------

बायक्ड विधितिवयः, 196 । (1961 का 43) की धारा 269-व ((1) हो नेभीत सुवतः

HIST UKENS

कार्यक्रव हा तहावक वायकपु आवृत्त (विद्धीवन)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 अंगस्त 1986

निवेश सं० अई--4/37--ईई/24297/85-86---अत: मुझे, जन्मण वास,

जायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की जारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का श्वारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिनका प्रित्रत वाजार मूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे सं० 154, सी० टी० एस० सं० 2592, सर्वे सं० 139, सी० टी० एस० सं० 2590, 2591, एच० सं० 17 श्रौर 18,, दिहमर विलेज, तासुका बोरिवली, बम्बई में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 2-12-1985

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास अरने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से एसे ध्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रिक क्प में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जलारण से हुइ किसी आप को बाबत उक्त जीभ-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिका में दायित्व में कभी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एंदी किसी नाय या किसी भग या अन्य नास्तियाँ को जिन्हें भारतीय नाय-कर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) अ अधीर्वनार्थ अन्तरिती बुवास प्रकट महीं किया पवा था विक्रमा आगा जाहिए का, कियाने में सुविक्रम के हिस्हें

बस्त कवं उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नविधित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (2) श्री वि० बी० रामजी भोईर ग्रौर अन्य। (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स दिपक कन्स्ट्रक्शन कम्पनी । (अन्तरिक्षी)

को यह बुचना कारी कहते. पूर्वोक्त संपरित की अर्जन की जिल्ला कार्यवादियाँ, कड़ता क्ष्मी

कार हंगरित में वर्धन में होर्बप में महोर्ब में मार्थर माना

- (क) इस स्वमा के राजपण में प्रकाशन की शारीं के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की लमील से 30 दिन की स्विध, वो भी अविध नाम में समाप्त होती हो। के भीत दुर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवाहाः
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशक की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षकी के पास लिखित में किए का सकी।

स्पद्धक्रिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, को उक्त क्रायक्कर अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं मूर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया हाँ।

धन् सूची

णमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे सं० 154, सी० टी० एस० सं० 2592, सर्वे सं० 139, सी० टी० एस० सं० 2590, 2591, एच० सं० 17 भीर 18, वहिसर विलेज, तालुका बोरिव ली, बम्बई में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/24297/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, वस्बई

दिनांक : 14-8-1986

मोहर ।

वंद्रम् कार्यं की पुत्र पुत्र कार्यान

बावकार विधितिनमः 1961 (1961 का 43) की पारा 269-क (1) के ब्रुपित बुक्ता

कार्याययः, सहायक नायकर नायुक्त (विरक्षिक)

अर्जन रेंज-4, जम्ब**र्र** सम्बर्ष, दिनांक 14 अगस्त 1986

निर्देश सं॰ अई-4/37-जी/119/85-86--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्ते द्वारों इसके वश्यात 'उनते अभिनियम' कहा बना ही, की वाल 269-थ के अभीन सक्तम प्राधिकारों को वह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका स्विष्टं वाकार ब्रुक्ट 1,00,000/- रह. से अधिक है

भ्रांर जिसकी सं० भूमि के साथ स्ट्रम्बर्स, जिसका सी०टी० एस० सं० 778/1, एफ० पी० नं० 702, टी० पी० एम० 3, जो, शिम्पोली, बोरियली (प), बम्बई में स्थित है (भ्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31-12-1985, को,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम से कम स्वयमान प्रतिकल के निए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्वरेष से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक रूप से कृषिक पहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्दाहर से हुन्। विश्वती मान की बानक, जनस वीपीनक के वधीन कह को से के बनाइक के बाहित्य के कती कहते के बन्दों में बुद्धिका में (ब्र्यू: ब्रांड/बा
- एसी किसी जाय या किसी भव वा जन्म शास्तियों को, जिम्हें भारतीय नाव-कर विजित्यम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विजित्यम, वा जन-कर विजित्यम, वा जन-कर विजित्यम, वा जन-कर विजित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वंतरिती व्याधा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

श्वतः। अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण भ*, मँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) भें अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,, अर्थात् ध—— 6—256GI/86

- (ा) श्री जाम होसीयरी वर्क्स प्राइवेट लि०। (अस्तरक)
- (2) श्री शिम्पोली दर्शन को०-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड । द (अन्तरिती)
- (3) अन्तरितियों । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्जुन के कियू कार्ववाहियां करता हूं (३)

उस्त तस्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई औं नाक्षेप ह—ज

- (क) इस स्थान के रायपण में प्रकारन की बारींच से 45 दिन की जनकि या तत्संत्री व्यक्तियों पर म्यान की तामील से 30 दिन की जनकि, को भी जनकि वाद में सनाय होती हो, के भीतर प्रोक्त का किसी का विदर्भ में से किसी का विदर्भ हुनारा;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारींच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पाड दिव्यक्ष में किए ब्रा बुकेंचे।

स्वव्यक्रिकरण: - इसमें प्रयुक्त काव्यों और पदों का, को उक्त मायकार जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा हो, उस कथ्याय में दिया ग्या है।

भनुसूची

अनुसूची जैसा कि बिलेख सं० एस० 3443/85 दिनांक 3-10-85 श्रीर जो उपरजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 31-12-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 14-8-1986

मोहर 🛭

प्रक्प माइं.टी.एम.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (विद्रीक्षण्) अर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, विनांक 11 अगस्त 1986

निर्वेश सं० झई-3/37-ईई/27468/85-86--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० (जमीन का हिस्सा 1 एस० सं० 438, एच० सं० 2 श्रीर सी० टी० एस० सं० 1102, 2 एस० सं० 435 एच० सं० 1 3, एस० सं० 435 एच० सं० 2, सी० टी० एस० स० 1160, जिसकी, मालाङ ((पिण्चम) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है)/श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 2-12-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे धरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिली (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्का अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जरि/या
- (स) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिशिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स दत्तानी कन्स्ट्रक्शन ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० ह्वी० चारी श्रीर अन्य। (अन्तरिती)

कि वह सूचमा जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

सकत संपत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस कै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, की भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य ध्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विज्ञित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-षित हैं, वही अर्थ होगा प्रांडस अध्याय में षिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा 1, एस० सं० 438, एच० स० 2 और सी० टी०एस० सं० 1102, 2 एस० सं० 435एच० सं० 1, 3 एस० सं० 435एच० सं० 2, सी० टी० एस० स० 1160, चिचवली, मालाड (पश्चिम)।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-3/37-ईई/27468/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)े अर्जन रेंज-3, वस्बर्द

दिनांक : 11-8-1986

प्रकृष् नाषुं हो एन पुरु व्यक्तन

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) सर्वे भारत 269-व (1) के मधीन सूचना

श्वारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1986

निर्वेश सं० अई—3/37—ईई/27347/85—86——अत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अभित्त, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट सं० 5, विशाल नगर, मालांड माह्नें रोड, मालांड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित हैं (फ्रॉर इससे उपाबद्ध अनुसूची में फ्रॉर पूर्ण रूप से विणत हैं) स्रॉर जिसका करारनामा आयंकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकस्ट्री है, दिनांक 2-12-1985

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कभी करने या उससे बचले में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की किए;

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अनुसरण भी, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन जिम्मीलिकित व्यक्तियों क्रांकित हम्मीलिकित हम्मिलिकित हम्मीलिकित हम्मिलिकित हम्मीलिकित हम्मीलिकित हम्मीलिकित हम्मीलिकित हम्मिलिकित हम्मिलिकित हम्मीलिकित हम्मिलिकित हम्मीलिकित हम्मिलिकित हम्मीलिकित हम्मीलिकित हम्मीलिकित हम्मिलिकित हम्मिलिकित हम्मीलिकित हम्मिलिकित हम्मिल (1) मेसर्स न्यू राजस्थान बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) मेसर्स जैन चर्च बिल्डर्स ।

(अन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के लिख्न कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त संपृत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्यना की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हाश जो उस्त अध्याय में दिया गया है।

अनुस्पी

ष्ताट सं० 5, विशाल नगर, गालाड भार्ह्से रोड, माला**ड** -{पश्चिम) बस्टई—64 ।

अनुसूची मैसा कि कि न पं शह-3/37-ईई/27347/85-86 क्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई क्रारा दिनांक 2-12-1985 को रोलस्टई किया गया है ।

ए० प्रसाद भक्षम प्राधिकारी, सहायक आएकर अञ्चल (किरोक्षण), अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 11-8-1986

मोह्रः : '

THE RESERVE THE PROPERTY OF THE RESERVE THE PARTY OF THE

ब्रायकार विधितवक्त 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-क् (1) के व्यक्ति बुक्ता

. C. T. T. T.

कार्वाचया सहायक नायकर नाय्यत (विद्वासक)

अर्जन रेंज-3, धम्बई

बम्बर्ह, दिनांकः 11 अगस्त 1986

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/27345/85-86--अत: मुर्से, ए० प्रशाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राभिकारों को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उभित बाबार मूक्य 1,00,000/- रहा से अभिक हैं

भौर जिसकी सं० व्लाट सं० 4, विशाल नगर, सह्वें सं० 26, हिस्सा सं० 2, एस० सं० 46, हिस्सा सं० 1, सी० टी० एस० सं० 308/11, मालाड माह्वें रोड, मालाड (पिध्चम), में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 कछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-12-1985,

को पूर्वोक्त संस्पत्ति को उर्वित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उर्वित बाजार सृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्तर का बन्तरका प्रतिफल का बन्तरका (बन्तरका) जोड़ अन्तरित (बंतरितियों) के बीच एसे जन्तरका के निए त्य पाया वया प्रतिफल, निक्नितिबत उद्देश्य से उक्त जन्तरण सिवित के बास्तरिक स्प से कीयत नहीं किया प्या है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - ं) एती किसी नाम या किसी थन या नत्म शास्त्रवीं की, जिन्हें भारतीय नाम-कड़ विधि विच्नः 1922 (1922 का 11) या उन्त नांभनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती व्वारा प्रकर नहीं किया बना था या किया जाना चाहिए था, किपानी में श्राप्तिचा जी शिक्षा

कतः। श्व- उक्त विभिन्यम् कौ भारः 269-म कौ भन्तरम् भौ, मी, उक्त विभिन्यम् कौ भारः 269-म भी उपभारः (1) भै वर्षीयः। निम्नविधिष व्यक्तियमीः वर्षात् ४-५० (1) मेसर्स न्यू राजस्थान बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स नेपचयून बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

को बह सूचना चारों कड़कें पूर्वोक्त संपृत्ति को अर्थन की सिह् कार्यवाहियां सूक करता हुई।।

सबस सम्मातित के मर्चाम् से सम्मान में कोई मी मार्काप्यन-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच तें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अधिध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिटबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किया था करों है।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रेयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के बध्याय 20-क में दरिशायिक हाँ वहीं वर्ष होगा को उस बध्याय में दिवा वदा है।

वनुसूची

्ताट नं० 4; विशाल नगर; सह्वें सं० 26, हिस्सा नं० 2; एम० न० 46, हिस्सा नं० 1,सी०टी० एस० नं० 3081 11, मालाड मार्ह्वे रोड, मालाड (पश्चिम)

अनुमुची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-3/37-ईई/27345/ 85-86 ग्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एँ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, सम्बई

विनांक: 11-8-1986

प्रकर बार् क टी.क पुर्व हुर्व हुर्व क्रां

बावकर विचित्रियम है 1961 (1961 मार्स 43) मी चारा 269-म (1) से ब्यॉन यूपना

THE RESIDENCE

क्षानंत्रम् । बहुनक भागकर नामुक्त (रिन्डीसर्ज)

श्चर्यन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 श्रगस्त 1986 निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/27346/85-86--श्रतः मुझे ए० प्रसाद,

वानकर विभिन्निया, 1961 (1961 का 43) (दिनके इतने इसके परवास् 'उनके विभिन्निया' कहा गया हैं), की भारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निवनास करने का कारल है कि स्थावर सम्मतित, विश्वका समित वाचार अस्व 1,00,000/- रा. से निधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० (प्लाट सं० 6, विशाल नगर, गार्वे रोड मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है)/ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-12-1985,

को पूर्वों क्ला सम्मरित के उचित वाधार मृस्य से काम के आवशास प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे

वह विकास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्य सम्मीता का कारण हो कि स्थाप्योंक्य सम्मीता का कायल स्थाप्य स्थाप स्य स्थाप स्य स्थाप स्य स्थाप स्य स्थाप स्य

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्क जीविनवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; जॉर्/सा
- (च) ऐसी किसी नाम या किसी भन वा अन्य नास्तियों को चिन्हों भारतीय नामकर निर्मिण्यम् । 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिन्नका वा वस-कार निर्मिणयम् , 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ नास्तिरती श्वारा प्रकट नहीं किया स्था या किया जाना जाहिए वा दिसाने वे सृतिया के किए 1

अतः खब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-थ के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपायारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:--

(1) मेससं स्यू राजस्थान विरुडर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) तवजीवन बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

का वह सूचना वा<u>री क्रार्</u>स पूर्वोक्त सम्मर्शि के वर्षन से सित् कार्यनाहियां कारता हुन्।

उक्त संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्सप ह—

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की वर्षाय वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पंक्ष स्चना की तानीस से 30 दिन की वर्षाय, जो भी वर्षाय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्याय;
- (क) इस ध्यम के रामपण के प्रकारन की तार्डीय के 45 दिन के भीतर उस्त स्थादर सम्मति में दिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविक में किए था सकते।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया पदा है।

अनुसूची

प्लाट सं० 6, विशाल नगर, मार्वे रोड, मालाड (पश्चिम) बम्बई ।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-3/37-ईई/27346/85-86 श्रौर भो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाक 2-12-1985 को एजिस्टडं किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण), श्रुजैन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 11--8-1986

मोहरः

प्रारूप आहें.टी.एन.एस.। छठाव्याकाक

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) की अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्थन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 ध्रगस्त 1986

निदेण सं श्रर्क - 3/37-ईई//27128/85-86--- ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्यक्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- के से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० यूनिष्ट सं० सी०, श्रमर श्रास कंपाउण्ड, 159 (श्रो) सी० एस० टी० रोड, कालिना, सांताश्रुझ (पूर्व) बम्बई, में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाश्रद्ध श्रसूनुची श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं)/श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 259 कला के श्रधीन बम्बई स्थित समक्ष प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 2-12-1985,

करे पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छत्रमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ वह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पर्ति का उष्कृत बाजार मृख्य, उसके क्यमान प्रति-फस से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और नंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीथ एसे नंत-रण के लिए तम पाया ग्या प्रतिपाल, निम्निनिश्चत उत्देश से उन्ते अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है क्ष--

- (क) अन्तरण चे हुई किसी नाम की बावर ह उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे स्वाने में सूत्रिया के खिए; बार/स्य
- (पा) एसी फिसी जाय वा किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अभिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विभा के बिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ वी उपधारा (1), के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् (******

- (1) श्री रमणिकलाल सी मोठ ग्रौर अन्य । (अन्तरक)
- (2) केवलराम पी० काकवानी श्रौर श्रन्य । (अन्तरिती)
- (3) श्ररिहंत मेटल्स ग्रौर श्रलाइज प्राइवेट सिमिटेड । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पर्देश की वर्षन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हो ।

बन्द मुख्युरित के वर्षन् के स्करण्य में कोई भी बाक्षेप ऽ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कृष्य व्यक्ति स्वारा न्याहरूताक्री के पाद निवित में किए वा सर्वोषे ॥

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ हुएंगा जो उस अध्याय में विमा

मनुस्ची

थानट सं० सी०, ग्रमर बास कंपाउंड, 159 (घो) सी० एस० बी०, रोड, कालिना, सांताक्रुज (पूर्व), बम्बई ग्रनुमुची जैसा कि क्र० सं० ग्राई—3/37-ईई/27128/ 85-86 ग्रीर जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 2-12-1985 को रि।स्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 11-8-1986 मोहर :

REM RIE O ELS EASTERNAME

भावकर वीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-क (1) में स्पीत देखता

भारत स्ट्रांस

क्षाचांचन, सहायक नायचाड आयुव्य (विज्ञीतान)

म्रजॉन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 श्रगस्त 1986

निदेश सं० अई-3/37-ईई/27111/85-86--श्रतः ए० प्रसाद,

शावकर वीधीनवन, 1961 (1961 का 43) विके इसमें इसके परपात् 'उकत वीधीनवन' कहा नवा है, की धारा 269-क को अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, वितका उचित् वाषाद नृत्य 1,00,000/-क. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट रां० 32, स्ट्रकचर के साथ, रुरस बाग, को०-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी, देवनार, बग्बई-88 में स्थित हैं (और इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूणं रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 हवा के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-12-1985,

कि मधापनो कत संपरित का उणित नाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिदृश्य अधिक हैं को नुवावत सम्पत्ति के उपमान निकास मृत्य से कम के दृश्यमान की एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिस्ति में सास्तिमक रूप से अधिक नहीं विश्वा गया हैं हैं

- (क) जन्मरण वे हुई किसी जाम की वावक, अवस निविध्य के नधीन कर दोने की जन्मरक को दारित्ल में अभी करने वा उससे जयने को मृतिधा के लिए; कों?/या
- (क) दोती किसी नाम ना किसी धन ना नम्य मास्तिकों की, विस्तें भारतीय भाग-कर जीविनयम, 1922 में 1922 की 11) ना उनत अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अनोजनार्थ अन्तिरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया बाना चाहिए था. कियाने में स्विधा में विस्तः

बतः। अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीत्, निर्मातिस्ता व्यक्तियों, सर्वात म—

- (1) श्रीमती कुसुमबेन वसंत शहा । (अन्तरक)
- (2) डा० म्रार० सी० खोकानी भीर म्रन्य। (म्रन्तरिती)

की वह बुजना जारी कुरुने पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिस्र कार्यवाहिकों कुरुवा हुई।।

उथकु बंपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आबोद ध-

- (७) इस भूषणा में प्राथम में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविभिया तरसम्बन्धी स्वावितयों वस सूचना की तामील से 30 दिन की नविभ, को भी सन्धि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर प्रविद्य स्ववितयों में से किसी स्ववित् स्वायः;
- (क) इस सूचना के रावपण में भकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर रुम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वजीकरणः — इसमें प्रवृत्त कच्यों और वर्षों का, जो जवक अधिनियम, को अध्यायः 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ झेना, जो उच्च स्थाम में विका वका

अन्स्भी

प्लाट नं० 32, स्ट्रेक्चर के साथ, सरस बाग को ध्रापरेटिष हार्जीसग सोसायटी, देवनगर, बम्बई-88 ।

श्रनुसुची जैसा कि कि सं श्रई-3/37-ईई/27111/85-86 भीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ग्रारा दिनांक 2-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रुषं ७९३,क्रम्ब-न रें,

विमोक : 5-8-1986

प्रकृत कार्यु की एक प्रकृतकारण

नामकर विधितियम, 1961 (1961 ना 43) न्हीं भाष 269-त (1) में सभीन सूत्रता

THE STATE

कार्यांसय, सङ्गयक बावकड बाव्यत (विड्रीक्य)

श्रर्जन रेंज---?, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 प्रगस्त 1986

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/27129/85-86--भ्रन: मुझे ए० प्रसाद,

वानकर विभिन्निया, 1961 (1961 का 43) (किये इसमें इसके कावत् विका विभिन्निया कहा एक ही, की पाय 269-य के विभीन स्थान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्मण्डि, विश्वका विश्वित वाकार मूल्य 1,00,000/- ए. ये विभिक्ष है

म्रोर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जिसका एस० सं० 26, हिस्सा सं० 1, (पी) सी० टी० एस० सं० 336, विसेज वसनई, तालुका बोरियली, रामचद्र लेन,मासाड (पिष्ट्रिम), बम्बई में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), भीर जिसका करारनामा अध्यकर अधिनयम 1961 की धारा 269 कहा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 2-12-1985,

- हैं भी अध्यक्त के द्वार्ट कियाँ बान की नानवान क्रम अधिरियम के बारीन कह वार्ट में मानदाक की शावित्व के कती बहुने ना क्याचे कहा में मूर्टिया के सिद्दा बीर/मा
- (व) दोसी निक्ती नाम का निक्की क्य का काम आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नामकड़ विभिन्निया, 1922 (1922 का 11) या उनत निभिन्निया, या भनकर विभिन्निया, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगवार्थ बन्तरिकी द्वांच प्रकट नहीं किया गया था वा किया नाम आहिए था, जिनाने में कृषिणा के सिन्दु;

শক্ষর কথা, তথ্য সমিলিবন্ কাঁ থাবা 269-ন কাঁ নপ্তৰে কাঁ, $\pi^{\prime}_{(i)}$ ভব্য সমিলিবন কাঁ বাবা 269-ন কাঁ তথ্যবা (1) ক নথাকু নিকালিবিত ক্ষাধ্যকাঁ,, ক্ষাৰ্থ চ γ^{\prime}

(1) श्री तारसीशिश्वस रेमण्ड डिलिमा ।

(अन्सरक)

(2) श्री सतिम जे० दत्तानी ।

(अन्तरिती)

को वह क्षता बारी करके दुवेंक्ट सम्मरित के वर्षत के विद् कार्यवाहियां सुक करवा हुई श्री

क्या क्रमित में वर्षन में संसंध में आहे ही वाली ह—

- (क) इस सूचना को संसपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की नविष मा तत्सम्बच्धी व्यक्तियों पद सूचन की तामीस से 30 दिन की संविष, को भी नविष साद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से दिस्ती व्यक्ति स्वास्त;
- (क) इस बुक्ता में अक्ष्य में प्रकावन की सारीय वे 45 दिव के शीसर उनके स्थावर सम्मत्ति में दिस-बुक्त किसी मन्य स्मित्त स्थारा, मुभोहेस्साकरी में शब सिहिक में किए वा स्केन।

स्थळकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त क्षितियम, के बच्चाव 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होना को उस बच्चाव में दिका पक्ष हैं।

मन्पूची ।

जमीन हिस्सा जिसका एस० सं० 26, हिस्सा सं० 1 (पी), सी० टी० एस० सं० 336, विलेज वलनई, तालुका बोरिवली, रामचन्द्र लेन, मालाङ (पश्चिम) बम्बई ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3,37-ईई/27129/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी,बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 11-8-1986

प्रकप बार्ष ु टी. एन. एक. ॥=---

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की अपन २६९-च (1) के मधीन सुचना

भारत तरकार

कार्याज्य, सहायक जानकर बाब्क्स (निर्द्राज्ञक)

श्रर्जन रेज-3, बम्बई -

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त 1986

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/27323/85-86---- श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० जमीन का हिस्सा, जिसका सी० टी० एस० क्षमांक 5290, 5320 है, श्रीर जो देरासर लेन, महास्मा गांधी रोड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 2-12-1985,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त सम्मत्ति का उचित नाकार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से स्थिक है और संतरक (संतरका) और संतरिती (बन्तरितियाँ) के भीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति- कस निम्मीसिचत उद्दोश्य से उन्त संतरण सिचित में वास्तिनक कम से किया नहीं किया बना है है—

- (क) जन्तरण में हुइ किसी आय की बाबत, उक्त जिस्तियम के खधीन कर दोने के जन्तरक के द्रायित्व में कभी करने या उसमें बचने में मुनिधा के लिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य कास्तिय। का, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विश्विमम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छियाने में स्विधा का लिए,

अतः नव, उक्त विभिनियम की भाषा 269-म के निवृत्तप्रण वें, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के विभीतः, निम्मिलिवित व्यक्तियों, वर्षात् हिल्ल 7—256GI/86 (1) श्री एम० एल० भक्त ग्रीर श्रन्य ट्रस्टी श्राफ बाई क्वीबर्ग्द ग्रीर एच० एम० चैरिटी ट्रस्ट।

(भ्रन्नरक)

- (2) समस जरुमीन बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड। (ग्रस्तिरिती)
- (3) श्री डी० हिंगवाला श्रीर ।। श्रन्य । (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थना थारी करको प्रवेक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ६ 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को औ नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में ने किसी स्वक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बार्ट निवित में किए वा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, थो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषिष्ठ हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विया भवा है।

अनुसूची

जमीन हिस्सा जिसका सी० टी० एम० क्रमांक 5290 श्रीर 5320 जो देशासन लेत, महामा गांधी रोड, घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है।

यन्सूची जैसा कि कि० म० यह 3/37-ईई/27323/85-86 ग्रीर जो मक्षम प्राधिकरी, बम्बई हारादिनांक 2-12-1985 को रिक्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकरी सहायक प्रायक्त प्रयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन र्रेज-3, बम्बई

दिनोक : 5-8-1986

प्रका बार्ड : र्डी : एक् व्यक्ष व्यक्तानामा

शायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) की वंगीन सुवता

नारत बर्कार

कार्यासय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 श्रगस्त 1986

निवेण सं० श्रई-3/37-ईई/27240/85-86--- अत: मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर निर्मित्यम्, 1961 (1961 का 43) चित्ते इसमें इसके परचात् 'उक्त निर्मित्यम', क्ष्म गया है, की भारा 269-श के सभीन सभाम प्राधिकारी का, यह विस्थात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से निर्मिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट म० बर्झीरंग मी० टी० एस० सं० 396, 396/1 से 396/59, कांजुर बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इसम उपाबद श्रीतुमुकी में श्रीर पूर्ण रूप संवर्धणा है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीधनियम 1961 की बारा 269 कक्ष के श्रिवीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी वे कार्याल में रिजिस्टर्ड है, दिनांक 2-12-1985,

का प्रांक्त सम्मति के अधिक बाबार मृख्य से कम के स्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के न्एि तय पाया गया प्रतिफल, विम्निसिश्त उद्देश्य से उच्छ बन्तरण विश्वत में गास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और∕वा
- (क) घेती किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 ई1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अर्तारती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा की किया

बत: बन, उनत निभिनियम की भारा 269-ग को जन्मरण को, में उवत निभिनियम की भारा 269-व को उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) श्री जयदेव निंग नारायण सिंग ग्रीर श्रन्य । (ग्रन्तरक)
- (2) गनमोहन वालिया। (ग्रन्यरिती)

को वह बुचना जारी करके पूर्वोक्त कम्पीत के वर्षन के दि कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इंड सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच थे 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि नाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इड सूचना के हाचरत में प्रकाशन को तादीय वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-वस्थ किसी जन्म स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकाश्य :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषिक हाँ,। वहीं वर्ष होना उस न्ध्याय में दिका गया हो।

अनुसूची

प्लाट बग्नरिंग सी० टी० एस० सं० 396, 396/1 से 396/59 सक, कांज्र, बम्बई ।

श्रन्भुची जैमा कि क्ष० सं० श्रई 3/37—ईई/27240/85— 86 की रजिस्टर्ड किया गया है श्रीर जी मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-85 की जिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसा**द** सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायूक्त (निरी**क्षण),** श्रजीन रेंज -3, **बम्बई**

दिनांक: 5-8-1986

प्रक्य नार्द्, टी. एन. एत 🚊 ------

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आधुक्त (निरीक्रण)

श्चर्णन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 श्रगस्त 1986

निदेश सं० श्रई-3/37- ईई/27421/85-86--श्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबाउ मुख्य (,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर गिसकी सं० बंगला सं० 29, स्रतुर पार्क, एस० टी० रोड, चेंबूर, बब्बई, 400 071 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद स्रमूमची में स्रोरपूर्ण एप से बणित है), श्रीर गिस का करारनामा स्रायकर स्रधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई देशन सक्षन प्राधि कारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, दिनांक 2-12-1985,

का पृथीं भरा सम्मित्य के उचित था था है मृत्य से कम के ध्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास कि दने का कारण है कि यथा पूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एके बन्तरम के जिल्ल उच्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कभी करने मा उससे वक्त में स्विभा में लिए; और/या
- (व) एसी किसी नाय या किसी धन या नस्य नास्तियों की, चिन्हें भारतीय नायकर मधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त निधानयम, या धनकर निधानयम, या धनकर निधानयम, या धनकर निधानयम, या धनकर निधानयम, 1957 (1957 को 27) के अवोधनार्थ निधान निधानयम् निधानयम् भाषा या किया जाना वाहिए था, छिराने में सुविधा ने विद्याः

जतः सभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित अयिकतयों, अर्थात :---

- (1) श्री शंकरलाल के० पहुजा और श्रन्य । (श्रन्तरक)
- (2) श्री वेद प्रकाश सहहोता श्रीर श्रन्य। (श्रन्मिरती)

को यह सूचना बार्टी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के सिध् कार्यवाहियां, करता हुँदू।

उनत संपर्तित के अर्चन के संबंध में कीई औं वाक्षेप:---

- (क) इब स्वयन के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की सबीध या तत्संबंधी व्यक्तिकों कर स्वान की तासील से 30 दिन की सबहैंथ, को सी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूनेंक्ज व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यद्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शक्त निश्चित में किए जा सकीं।

स्थळा अर्थः -- इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उन्तर नियम के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं वर्ध होगा को जस अध्याय में विद्याः गया है।

अमुसूची

बंगलों सं० 29, श्रतुरपार्क, एस० टी० रोड, चबूर, बम्बई--

श्रनुसुची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37-ईई/27421/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायृक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज−3, **ब**म्बई

दिनांक : 5**-8-198**6

प्ररूप आहे, टी. एन. एस. -----

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 ग्रगस्त 1986

निदेश मं० श्रई-3/37-ईई/27053/85-86--श्रतः मुझे, ए० प्रमाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संज जमीन का हिस्सा, चेंबूर, तालुका कुर्ला प्लाट संज 203, एसज संज 1030, चेंबूर, बम्बई में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भ्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 कुछ के श्रवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मैं रिजिस्ट्री है, दिनांक 2-12-1985,

को प्वेक्ति सम्पस्ति के उचित क्लार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल का नंबह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंशरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बांधरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आरे/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

जतः थयः, उत्तरं जिभिन्यमः, कौ धारा 269-ग कौ वनुसरक भें, में, उत्तरं अभिनियमं की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिसिस व्यक्तियों, अर्थास् :----

- (1) डा॰ श्रीमती कुमुदिनी एस॰ घाटे । (ग्रन्तरक)
- (2) माला एस० ग्रथ्यर

(भ्रन्तरिती)

का यह स्वना अपने करके पूर्वन्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उत्तर सम्पत्ति के वर्णन के संबंध को कोई भी बासरे हैं 🕶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा, चेंबूर तालुका कुर्सा, प्लाट सं० 203, एस० सं० 1030, चेंबूर, बम्बई ।

ग्रनुसुची जैसा कि करु संरु ग्राई-3/37–ईई/27053/85–86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2–12–1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रस**ःद** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्र**र्ज**न रेंज**–**3, **सम्बर्**ट

दिनांक : 5-8-1986

प्रकृष् **नाइ**ं, टी . **एन** . एक ुनन<u>नन नमनन</u>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक बायकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त 1986

निदेश सं० अई--3/37-ईई/27210/85-86---अत: मुझे, ए॰ प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुक्स 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० एस० सं० 6, (पी) विलेज, गोरे-गांव, बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 2-12-1985

फो प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च देय से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तः एवं से हुन्दै जिल्ली जाय की बाबत उपन जिल्ला नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एंसी किसी आय का किसी धन या जन्य वास्तियाँ को जिन्हों भारतीय जायकर जीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः नव, उन्त जीभनियम की भारा 269-ण के, अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) कं अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री रमेश शान्तिलाल पटेल श्रीर अन्य। (अन्तरक)
- (2) श्री सतीश जमनादास दत्तन श्रीर अन्य । (अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन के सिए कार्यवाहियां बुक्त करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में काहर भी आख्रेष :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाद्वा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्ता स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

प्लाट सं० सी० नं० 6, (पी) विलेज, गोरेगांव, बम्बई । अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/27210/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 5-8-1986

अवसः अस्ति हा की हा पूर्व तु पूर्व हर सरकार

नावकर विभिन्नम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-त (1) में वर्षीन श्रुक्ता साम्ब्र क्यूकर

कार्यक्रम, तहासक नामकर बायुक्त (विरोधक)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अगस्त 1986

निवेश सं० अई--3/37--ईई/27405/85--86---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

र प्रकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं काटेज सं ७ 7-की, बीच रेझर्ट प्रिमाइसेस को०-आपरेटिव हाउमिंग सोमायटी लिमिटेड, मालाड, मार्चे रोड, इरंगल विलेज, मालाड बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबड अनुमुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कछ के अधीन बम्बई थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 2-12-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के सिए मंतरित की गई है और मुओं यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार भूस्य, उसके ध्रमंत्रान प्रतिफल से, ऐसे ध्रममान प्रतिफल के पंडह प्रतिसत्त से अधिक है और संतरक (संतरकों) और संतरिती (संतरितयों) के बीच ऐसे संतरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नितिषत उत्होंदम से उन्त संत्रण किहिन में बास्तिक स्प के किया नमा है।—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में केमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (व) इंसी किसी बाय या किसी धम या बन्य वास्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त राधिनियम, या धनकर बाँचिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अब , उक्त अधिनियम की थारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्षत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

- (1) इप्का लैकोरेटरिज प्राइबेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) एथनार लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

(3) एथनार लिमिटेड

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करने पृथींनत सम्मत्ति के वर्षन के जिस कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त संपत्ति को अर्थन को संबंध को कार्य भी बार्बंप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा व 4.5 विन की मंबीच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों के सूचना की तामील से 30 विन की जबधि, को भी मंबीच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिश स्तारा;
- (व) इव स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उनका स्थानर सम्पत्ति में हितनव्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाव मिवित में किए वा सकेने।

स्यव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अभिनियम, के अभ्याय 20-के में परिभाषिर है, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिय पदा है।

धनुसूची

काटेज सं० 7-बी, बीच रेझर्ट प्रिमायसेस को०-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, मालाड, मार्चे रोड, इरंगल विलेज, मालाड बम्बई-64 ।

अनुसुची जैमा कि क० सं० अई-3/37-ईई/27405/85-86 फ्रीर जो मक्सम प्राधिकारी; बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज⊶3, बम्बई

दिनांक : 12-8-1986

प्रारूप आईं, टी. एन. एस्. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त 1986

निदेश सं० अई-3/37-ईई/26897/85-86--अन: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रांर जिसकी सं श्रिमाइसेस सं 1, पहली माला, नन्दआणिष, प्लाट सं 177, /179, टी०पी० एस० 3, आप० बी० सेहता मार्ग, घाटकोपर (पूर्व), घम्बई-400077 में स्थित हैं (श्रांर इससे उपावड अनुसूची मंश्रोर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रांर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिक्ट्री हैं, दिनांक 2-12-1985,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाष्ट्रिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) दि एवरेस्ट बिल्डर्स ।

(अन्तरकः)

(2) सूखतागर क्लामेम ।

(अन्वरिती)

को नह स्वना आरी करके प्रॉक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सारीख से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिमित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

प्रिमाइसेस सं० 1, पहला माला, नन्दआणिष, प्लाट सं० 177/179, टी०पी० ए.स० 3, आए० वी० मेहना मार्ग, घाट कोपर (पूर्व), बम्बई-400077 ।

अनुमुची जैमा कि कि० सं० अई-3/37-ईई/26897/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंड-3, बम्बई

दिनांक : 5-8-1986

मोहरः

प्रकल काही, टी. एत. एस. 🗸 - 🧸

नावकर निभ्नियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म(1) के नभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 अगस्त 1986

निवेण सं० अई-3/37-ईई/27399/85-86--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन तक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्नौर जिसकी सं० भाप सं० 17, 18 स्नौर 19, आचार्य कमियल स्नौर शापिंग सेंटर, डा० सी० जी० रोड, निअर बसंत मिनेमा, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित हैं (स्नौर इसमे उपाबद्ध अनुमुखी में स्नौर पूर्ण रूप से विणित हैं) स्नौर जिसका करारनामा आणकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई रिथत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 2-12-1985,

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के स्वयंभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखिस उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप कम से कथित नहीं किया नवा है —

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत उपत जिमिनवज्ञ के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मा सृष्टिका के लिल्. जीर/या
- (ण) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना धाहिए था क्रिपान में स्विभा के सिए;

शतः भव, उस्त विभिनियम की भारा 269-ग के अव्यवस्य के, डें, उस्त विभिनियम की भारा 269-भ की जवभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स लाम्बा पंजाबी रेस्टारेंट।

(अन्त रक)

(2) श्री सफिया अब्दुल रहेमान शेख ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धीं व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए था सकोंगे।

स्थध्दीकरण :--इसमं प्रयाक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय या दिस्स भवा है औ

अनुसूची

शाप सं० 17, 18, श्रीर 19, आचार्य कमियल स्रोर शापिंग सेंटर, डा०सी० जी० रोड, निअर बसत सिनेमा, चेंबूर, बम्बर्ध-400074

अनमुची जैसा कि कि के सं० अई-3/37-ईई/27399/85-86 फ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 2-12-1985 की रजिस्टई किया गया हैं।

ए० प्रशाद गक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज-3, वस्बई

दिनांक : 5-8-1986

प्रकार आहे .टॉं. एन . एस

भागकर अभिनियम् । 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, तहायक वायकर वायकत (निर्देशक)

अर्जन रेंज-3, धम्मई धम्बई, दिनांक 5 अगस्त 1986

निदेश सं० अई-3/37-ईई/27313/85-86--अतः मुर्झे, ए० प्रसाद.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० अफिस सं० 1, तिलकण्ड कमिशियल काम्पलेक्स, केबूर-गोबंधी रोड, चेंबूर, बम्बई-400 071 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसुनी में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं) भीर जिसका करारनामा अधकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कछ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिट्टी हैं, दिनांक 2-12-1985,

की प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार जूल्य से कम के क्यामान मितिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह जिस्तास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यामान प्रतिकत से, एसे क्यामान प्रतिकत का वन्त्रह प्रतिवात से अभिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिकत निम्नोंनिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा औं खिय;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ६— 8—256 GI/86

- (() जी ब्रिटिकामथ इन्वेस्टमेंट श्रीर टूर्स । (अन्तरक)
- (2) बिलावर एसोसिएशन । (अन्तरिसी)

की यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की वर्धन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

ड बच् संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आस्रोप ः----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की हारिक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी क्यि साथ में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में जनायन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वहुंभ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पेक करण्ड- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्य होगा को उस कथ्याय में दिया बंगा है है

अनुसूची

आफिस सं० 1; निलकण्ठ कर्माशयल काम्पलिक्स, चेंबूर गोवडी रोड, चेंबूर, धम्बई-400 071 ।

अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/27313/85-86 औरजो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 2-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 5-8-1986

प्रस्त बाह्ये, ही, पुन**् एव**ं संस्त

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-भ (1) के अधीन स्वना

नारत तरका

कार्यासय, सहायक नामकर नायकत (निरोधन) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 अगस्त 1986 निदेश संब्धई०-3/37-ईई/27320/85-86--अतः मुझै, ए॰ प्रसाय,

क्रम्थक र कॅपिशिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इंग्रेक पर्वाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को. यह पित्रवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित शाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जभीन का हिस्सा जिमका सी०टी० एस० अमांक, 759-ए, भौर बी, शौर 704बी, एस० सं० 68, हिस्सा सं० 4, 5 शौर 9, औफ विलेज, मुलुंड (पूर्व), तालुका कुली, बम्बई में स्थित हैं (भौर इसमे लपाबद्ध अनुसूची में शौर पूर्ण-रूप से विणित हैं), शौर जिमका करारतामा आयकर अधितियम 1961 की धारा 269 कख के अधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्री है, दिनांक 2-12-1985, को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का बारण है कि गथाप्योंक्द सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उधके स्थयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का चंक्ह प्रतिकात से अधिक है और धंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे कन्दरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिय अप में कथिस नहीं किया गया है किया स्था है

- (क) बलारण हं हुड़ किसी नाव की बाबता, अक्त मिथितियम के जभीत कर दोने के अन्तारक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम दो धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था वा किया जाना चाहिए था स्थिपने में सुविधा के लिए:

अतः । । जन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिस्सिलिखत व्यक्तियों, वर्धात् :---

(1) श्री दत्तात्रय आर० पंडित ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्से विकम बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

की यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त स्व्युक्ति के अर्थन के किस कार्यवाहियां करता हो।

सकत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोड़ी भी आओप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत है 45 दिन की अंबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा सी० टी० एस० ऋमांक 759-ए; बी० श्रीर 704वी, एस० नं० 68, हिस्सा नं० 4; 5 ग्रीर 9, ग्रीफ विलेज, मुलुंड (पूर्व), तालुक कुर्ला, बम्बई।

अनुसूची जैसा कि कर सं० अई-3/37-ईई/27320/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, **बम्बई**

दिनांक : 5-8-1986

मुक्त बाह्र¹ं दी : पुत्र : पुत्र :------

भायकर मिश्रीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के मंथीन बुक्ता

भारत परकाई

कार्यीलय सहाय म आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज~3, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 अगस्त 1986 निर्देश सं० अई--3/37—ईई/27216/85--86—-यतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हु"), की बाहा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हाँ

श्रीर जिसकी संज बंगली नंज 1 2की/2, माँडेल टाउन, मुलुंड (पश्चिम) बम्बई-400 080 में स्थित है (श्रीर इसी उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजित है) श्रीर जिल्ला करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायेलिय में रिजस्ट्री है, दिनांक 2-12-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यान प्रतिफल. के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के स्पित्य पामा प्या प्रतिफल, निम्नचिवित उप्होस से उच्त अन्तरण कि विवत के बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (था) कलाइक से हुई कि की बाद की बादसा है उनक सीय-दियस के अभीत कर दोने के बलाएक थीं सामितक में कमी करने या उससे सकते में सुविभा के लिए; सौर/या
- (क) ऐसी किली बाय या किसी भग या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा वा किया जाना जाहिए था, किया स्विधा के विका

बत:, बब, उक्त दिभिनियम की भारा 269-त के अनुसरक रें., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र- (1) नेशनल मार्केटिंग कारपोरेशन ।

(अन्तरक)

- (2) श्रीचन्द हरिसाम करास श्रीर अन्य । (अन्तरिती)
- (3) नेणनल मार्केटिंग कौरपोरेणन । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां सूक करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क), इस सूचना के स्थापण में प्रकासन की तारीस कें 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तायील से 30 दिन की सद्धि, को भी स्वधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्त क्ष्मित्यों में से किसी क्षमित इवाये;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकावन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा वधोहस्ताक्षरी के बाब विद्वित में कियु जा सक्तेंगे।

स्पाकीक रूज् हु— इसमें प्रजूबत शब्दों और पदों का, वो खब्स विधिनियम, के मध्याय 20-क में पहिसाजित हैं, बही वर्ध होगा को उस मध्याय में दिया ववा है।

अनुस्ची

बंगलो नं० 1 2-बी/2, माँहेल टाउन, मुलुंड (पश्चिम) बम्बई-400080 ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/27216/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई क्रारादिनांक 2-12-1985, को रिकस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम भाधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 5-8-1986

मोह'र :

प्रकम बाद् ु टीः युक्ट पह्न स्टब्स्ट

ब्रायकर वरिश्वितवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के स्थान त्यना

नाइत संस्कृत

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 14 अगस्त 1986 निर्देशक सं० [III/398/अर्जन/86-87-यतः मुझे, दुर्गा प्रसाव,

कावकर निभिनियम 1961 (1961 का 43) (चित्ते इवके इसके पश्चारत 'उक्त निभिनियम' कहा पदा है), की पार्च 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संव तीजी नंव 5233 थाना नंव 23, खाता संव 22 खसरा नंव 499 हैं तथा जो भीजा सगूना, धाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजम्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-4-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाधार मूल्य से कम के दश्यमान मितिफल को लिए मंतरित की गई है और मूओ यह निरुक्त करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाधार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एसे दश्यमान प्रतिकास का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (बन्तिरियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब फला नया हिस्कन, निर्माकिष्य उन्दर्श्य से उस्त बनाइय हिस्कित में नास्तिक कर से कवित नहीं किया एवा है है

- (क) बंदरण से हुई किसी जान की बाबब, अक्ट वृषिदिन्त्र के वृषीय कुछ योगे को बंदहक थे वायित्य में कमी करने या अससे अवने में सुविधा के सिक्; क्रीट√या
- (च) ऐसी किसी नाम या किसी थून था सन्य नास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय नायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न निधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतिरती दुनारा प्रकट नहीं किया गया वा दा किया जाना जाहिए था, क्याने में सुविधा के लिखा।

बतः शव, दल्ल वाधिनियम की धारा 2:9-ग के अनुसरक थे, वे', उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वीं वर्षान निम्न्सिक्त व्यक्तियों, वर्षान् ा— (!) मो० द्वलियास द्वारा मुख्स्यार उदय कुमार सिह्ना; पे०स्व०भवानी सहाय, मा०—नासरीगंज, दानापुर, जिला—पटना ।

(अन्तरक)

(2) विजय बिहार सहकारी गृह निर्माण समिति लि०; द्वारा सचिव, कुमार विरेन्द्र प्रताप मिह, सा०-कुर्जी; बालूपर, थाना—दीपा, डा० सदाकत आश्रम, पटना ।

(अन्तरिती)

चो वह ब्यंता बारी कर्ले पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्तन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

जबत सम्पत्ति के वर्षक को सम्बन्ध में कोई भी बाधीय :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में द्वित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में दिये जा सकतें।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त धन्यों शौर पर्यों का, जो उच्च निधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं शर्भ द्वांगा, जो उस अध्याय में जिया द्वा है।

अनुसूची

जमीन जिसका रक्तबा 4 4कट्ठा है जो मंजा सगूना, दानापुर, जिला-पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण हा से विसका सं० 3144 देनांक 30-4-86 में विणित है तथा जिसका निवंधन जिला अबर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुगो प्रसाद सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी) सहायक आयकर आयुक्त, श्रजेंग परिक्षेत्र, बिहार, पटना

विनांक: 14-8-86

प्रकन आहुं ु दी ु पुन् पुर्व व व व

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बिहार, पटना पटना, दिनांक 14 अगस्त 1986

निदेण सं० III 399/ग्रर्जन/86-87 ---अत: मझे, दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदवस करने का कारण है कि स्थावर सम्परिस, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी नं व तौजी नं 11/802 सी थामा सं 21, खाता नं 776, खपरा सं 994 है तथा जो मीजा दानापुर-मोहजादपुर थाना दानापुर, जिला-पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ये विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 16) के अधीन दिनांक 1-4-1986,

का पृथींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का भन्नह प्रतिख्य से अधिक है और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरल के लिए तम पाया गया प्रति- फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अल्लाहण से हुन्द किसी काम की बानस उपक वर्षिक निवास के जभीत कांद्र वोते के अल्लाएक के समित्य में कृमी कुटने वा उससे बजने में स्विभा के लिए; अक्रि/का
- (व) एंसी किसी नाव या किसी धन वा बन्य नास्तियों की, विन्ही भारतीय वायकर निधिनयन, 1922 (1922 का 11) वा व्यक्त मृश्विष्यन्त्र, वा चूंबं कर निधिनयम, 1957 (1947 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया वा वा किया प्राप्ता अधिय वा, विनान में युन्यं। में सिए:

वता वयः, क्यतः जीवनियम की वाडा 26:)-म वी वयुक्तम् भौतः, भौतः, जयतः अधिनियम् की भारा 269-म की उपभाद्धा (1) सु अधीनः, निम्नुनिविद्यं स्थानितयों, अर्थातः ४--- 1) श्री अजय कुमार सिह्ना पे०-श्री राजेश्वर प्रसाद सिह्ना सा०-गोला रोड, दानापुर, थाना-दानापुर, पटना ।

(अन्तरक)

(2) विजय बिहार सहकारी गृह निर्माण समिति लि० द्वारा सचिव कुमार विरेन्द्र प्रताप सिह ना०--कुर्जी, बालू पर, थाना दीचा, डा०-मदाकक्ष अश्रम, पटना ।

(अन्तरिती)

को नह सुचना चारी कारके प्वोंक्छ यज्याँका के वर्वन के जिल्ला कार्यनाहियां करता हुंगू।

उन्त बन्धित के धर्मन के उपनम्भ के कोई थी बाक्षेप्र---

- (क) इस ब्रुवना के रावधन में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की नवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 बिन की जवधि, जो भी बन्धि वाद में समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वों कर ज्वितयों में से किसी अधित व्यारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जम्म क्यक्ति इनाय, अभोहस्ताकारी के नाद्ध जिल्लास में किए का सकते।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

जमीन जिसका रक्षा 43 डैशीमल है जो मों जा दानापुर-शहजादपुर, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से विमना सं० 2415 दिनांक 1-4-8 में विशित हैतथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षी) सहायक आयंगर आयुक्त, अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

दिनांक : 14**-**8-86

मोहर 🖫

एक्ट कार्च क्षेत्र एक _अन्न-न्यानस्थन

वावकर नॉथिएवन, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के नवीन स्वना

शास्त्र प्राप्त

व्यवनित्र, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 14 अगस्त 1986

निर्देश सं० 111/--400/श्रर्जन/86--87---यतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

सायकर आंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनयम' कहा गया हु"), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहविष्यास करने का कारण हुँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हुँ

अर्गर जिसकी संव तांजी संव 11/802, थाना संव 21, खाता नं 776, छसरा नंव 499 हैं तथा जो मौजा दानापुर शहजादपुर, थाना-दानापुर, जिला-पटना में स्थित है (ध्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजर्म्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) वे अधीन, दिनांक 28-4-86,

को वृत्तिंगत सम्मिति के उचित वावार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफ न के लिए अन्तिरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का वृत्त्व प्रतिकृति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब वावा नया प्रतिफल, मिम्निशिवित छव्व देय से सकत अम्बर्ध सिवित में वास्तिवक कम के कथित नहीं किया नया है —

- (क) अन्तर्भ ने हुए फिली शाव की वावत, वक्त विध-विकास में वधीन करा दोने में अन्तरक के वाजित्य में अभी अनुत्वे वा अन्तर्भ वजने में सुविधा के फिए; मॉर्ट्/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उन्ता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया बना का, वा किया बाना वाहिए था, किया विश्वा के विश्वा के विश्वा की विश्वा

क्षतः। श्रव्यः विकास विकित्तवन की धारा 209-व की वव्यवद्यव में, में उक्त कश्चिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ः--- (1) श्री विनोद कुमार सिन्हा पे०-श्री राजेश्वर प्र० सिन्हा सा-गोता रोड, दानापुर, थाना-दानापुर, जि०--पटना ।

(अन्तरकः)

(2) विजय बिहार सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, द्वारा सिचन, कुमार विरेन्द्र प्रताप मिह, सा०— कुर्जी बालूपर, थाता दीघा, डा० नदाकत आश्रम, जिला—पटना ।

(अन्तरिती)

को यह स्थान पारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति **सै अर्थ**न के सिष् कार्यनाहियां कारता हुं।

बच्च बन्दरित के बर्धन के बस्तुन्थ में कोई भी बाधोपा-

- (क) इत सूचना के ताजपत्र में प्रकासन की तारीच है 45 दिन की जनिभ या तत्सन्तर्भी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सन्धि, जो भी संबंधि नाय में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यांत्रितयों में से किसी क्यांक्स क्यांत्रित हैं वार्य
- (व) इस सूचना क राजपण में प्रकाबन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्मत्ति में द्वित-बहुच किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहत्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंने।

स्वच्यीकरण्य-वसमें प्रयुक्त सब्बों और पदी का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं नर्भ होना को उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

जमीन जिसका रकबा 42 डेसीमल है जो मीज दानापुर-शहजादपुरत्व थाना-दानापुर, जिला-पटना में स्थित है एवं पूर्ण रूप में मिसका सं० 3019 विनोक 28-4-8) में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षी) सहायक अच्चर अध्कृत अर्जन परिक्षेत्न, बिहार, पटना

दिनांक : 14-8-86

मोहर 🖫

प्रकृष बाह्रों .. टी .. एत .. एत . ४----

नायकर अधिनियम, 1964 (1961 का 43) की भाग्र 269-म (1) ने अधीन सुमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्षक)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 14 अगस्त 1986

निवेशः सं० $I_{II}/1401/$ अर्जन/86-87—यतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्भात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० तौजी स० 5233 थाना सं० 23, खाता सं० 22, खसरा सं० 499 है, तथा जो मौजा सगुना, थाना दानापुर, जिला—पटना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबक्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2~5~1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के करवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तिरित्वों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निज्निविद्य उद्देश्य से उच्त बन्तरण सिक्टित में वासाविक रूप में कथित नहीं किया गया है रू—

- (क) बन्तारक सं हुई किसी भाष की वाबस, सबस अधिनियम में अधीन कह दोने के अन्तरक औ दायित्य में कर्जी कहने वा समुखे क्याने के सुनिधा को निए; अरि/या
- (ख) ए'से किसी आब या किसी धन या बन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायक र लिधिनयस, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा । सिए्

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) व अ≻ोन, निस्तिवित अधिकार्योश वर्षांत के (1) श्री मो० इलियास पे० अब्दुल गफ्फार सा०-हरदी लेन, थाना--धानापुर, जिला---पटना ।

(अन्तर्क)

(2) श्री विजय बिहार सहकारी गृह निर्माण समिति थि॰, द्वारा मचित्र, कुमार विरेन्द्र प्रताप मिह, सा०-कुर्जी, बालू पर थाना-दीघा, डा० सवाकत आश्रम; जिला-पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्मिति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचेना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर धूचवा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो शी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर अच्चा स्थावर सम्पत्ति में हित- वृष्ण किसी व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाव सिवित के किस का सकेंगे।

स्पष्डीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों आहेर पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा क्षेत्र

नन्स् ची

जमीन जिसका रकबा 3 कट्टा है जो मौजा सगूना, धामा दानापुर, जिला—पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप मे वसिका सं०-3208 दिनांक 2-5-85 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पटना के क्षारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी) सहायक श्रायकर आयुक्त, अर्जन परिक्षेत्र, विद्वार, पटना

दिनांक : 14-8-1986

मुझे,

प्ररूप जार्या हो एम् एस प्राप्त

नायकर नियमिय्स : 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बचीन स्वात

मारत सरकार

कार्यानय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन परिर्क्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 14 अगस्त 1986 निदेश सं० Ⅲ/402/अर्जन/86--87---यतः

दुर्गा प्रसाद,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारो को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धीर जिसकी सं० तीजी सं० 11/802, थाना सं० 21, खाता सं० 776, खमरा सं० 994 हैं, तथा जो पटना में स्थित हैं (फ्रोर इससे उपाक्ध अनुसूची में फ्रोर पूर्ण रूप से वाणत हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारों के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-4-86 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत्त के सिए अन्तरित की गई है जौर मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्केंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल के तिए अन्तरित की गई है जौर मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्केंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल के तिए अन्तरित को अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे वंतरण के लिए तय पाया गया विषक विम्लीकीक्त समुद्रिक्त में अक्त वंतरण कि लिए तय पाया गया विषक विम्लीकीक्त सम्बद्रिक से अक्त वंतरण कि लिए तय पाया गया विषक विम्लीकीक्त सम्बद्रिक से अक्त वंतरण कि लिए तय पाया गया विषक विम्लीकीक्त स्वास्तिक स्वासिक स्वासि

- (क) जन्तरक से हुई जिल्ली आप की बाबस , जनत महिन्दिक के स्पीत जात को में मन्तरक के वाजित्व में कभी करने वा उसते अजने में स्विधा की सिए; महि/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, कियाने में स्वाधा के लिए;

वर्षः सर्व, उनत निविनयन की भारा 269-न न ने ननुसरम में, में, उनक अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अधीत् :- (1) श्रीमती लगमनी देवी जीजे श्री रजेश्वर प्र० सिह्ना, सा०-दानापुर शीला रोड, थाना—दानापुर, जिला--पटना ।

(अस्तरक)

(2) श्री विजय बिहार सहकारी गुह निर्माण समिति लि० द्वारा सचित्र, कुमार विरेन्द्र प्रताप सिंह, का० कुर्जी, बालू पर, थाना--दिघा, छा० सद्याकत, श्रीश्रम. जिला--पटना ।

(अस्तरिती)

का वह सूचना बारी करके प्वोंकत संवत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नासीप 5

- (क) इस स्थान के राज्यक मो प्रकाशन की तारीय धं 45 दिन की अविध का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर श्वान की ताबील से 30 दिन की अविध, को भी अध्यि कर में सभाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना में राजपण में प्रकाशन की तारीक स् 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्मत्ति में हिस्तब्रुध किसी बन्न व्यक्ति द्वारा जभोहत्ताक्षरी के पाव शिक्ति में किए का सुकारी।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्ष्यां वीर वर्ष का, को उक्त श्रीभीनयम के सभ्याय 20-क में परिभावित क्री कर्षा होता, क्री उस सभ्याय में दिय व्या हैं।

अनुसूची

जमीन जिसका त्कबा 34 डिशमल है जो मीजा दानापुर-शह गदपुर, याना-दानापुर, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से विसका सं० 2848 दिनांक 19-4-86 में विणित है तथा जिसका निजन्धन जिला अवर निवन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्रःधिकारी, (तिरीक्षी) सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनोंक: 14-8-86

धक्य वर्त्युः, दौ <u>. पुन . पुत</u>्र_{ः व}---------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन

भारत सरकार

कार्यासम् , सहायक् सायकर जान्तः (निर्द्रीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 14 श्रगस्त 1986

निर्देण सं॰ ।।।/1403/म्रर्जन/86-87--श्रतः, मुझे; दुर्गा प्रसाद

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने प्यक्ते पश्चात् 'उनत विधिनयम' कहा पदा हैं), की धारा 269-व के वधीन सकान प्राधिकारी को कह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्बद्धिः, विश्वका जीवत नामार भूग्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० तौजी मं० 11/806 थाना मं० 21 जाता सं० 793 खसरा सं० 1671 है तथा जो मौजा दानापुर -णहजादपुर थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है (भौर इससे उपबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिज स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-4-86

को पूर्वे क्ल सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के दश्यमान शिक स के लिए बन्दरित की गर्य है बौर मृक्षे यह विद्याध करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपत्ति का उचित बाबार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सिंपनियम के अधीय कर दोने के समारक के दाविक के कभी करने वा उससे बचने में स्विधा के बिए: श्रीकृष्ण
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन वा कर्य शास्तियाँ की जिन्हें भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियान में सविधा वे किए।

भतः इष, उक्त विधिनियम की भारा 269-न वै वनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभाख (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री द्वारिता राय (2) जदूराय (3) रघुराय पेसरान स्व० जनू राय सा० गोर्घा नगर थाना दानापुर डा०-दीघा, पटना ।

(ग्रन्तरक)

(2) विजय बिहार सहनारी गृह निर्माण समिति लि० हारा सिचय, कुमार विरेन्द्र प्रताप सिंह सा०- कुर्जी बालू पर थाना दीघा डा०-सदाकत आश्रम पटना ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्न सम्मीत के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी बासेच ह---

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की जनकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पुरु स्थान की तामीन से 30 दिन की जनकि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वता के एकपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबह्ध किसी जन्म स्थित ह्वारा जथाहस्ताक्षरी के पाछ सिथित में किए का सकेंगे ।

स्वक्योंकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के बच्चाय 20-क में परिभाषिष हैं, वहीं वर्ध होंगा को उस अध्याय में विका वदा हैं।

अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 56 डीशमल है जो मौजा दानापुर-शहजादपुर, थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है एवं पूण रूप से वसिका सं० 3035 दिनांक 28-4-86 में विणत है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्राय्कत, (निर्िर्क्ष प्र) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक: 14-8-86

मोहर:

9--256GI/86

प्रस्य बार्च्य देवै । एतः एतः,-----

कायकर विभिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के नधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) भ्रजीन परिक्षेत्र बिहार पटना पटना दिनांक 14 अगस्त 1986

निदेश सं॰ ।।।/1404/अर्जन/86-87---श्रतः मृझे इर्गा प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं तीजी नं 11/802 थान सं 21 खाता सं -776 प्लाट . सं 994 है तथा जो मीज दाना-पुर थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है (मीर इससे उपलब्ध प्रतुसूची सें भीर पूर्ण रूप ने विणत है) रिजस्ट्री कर्रा प्रिश्र रो के कार्यात्र पटना में रिजस्ट्री कर्र प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिन क 29-4-86

के दे पर्याक्त अर्थान के अधिन बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई कि झी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दर्भ के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा जतने वचने में सुविधा के निए; बीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, शिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्यारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चे शिष्;
- बतः वाब, उनत अधिनियम की धारा 269-म के बन्तरम में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रो प्ररुण कृशार मिह्ना पे० राजेण्यर प्र० सिह्ना सा० — गोला रोड दानापुर थाना दानापुर जिला-पटना ।

(म्र तरक)

2) विजय बिहार सहकारी गृह निर्माण समिति लि० द्वार कुमार विरेद्ध प्रताप सिंह सक्-मुजा बालूभर डा० दीघा डा० —सदा कस श्राश्रम पटन!।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्णन के किए कार्यवाहियां करता हुई।

उनत संपत्ति को वर्णन को संबंध में कोई भी वाक्षेप ः---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्यारा अभाहस्ताक्षारी के पास किसी जन्य क्यांकित द्यारा अभाहस्ताक्षारी के पास किसी किए जा सकीं।

स्पथ्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को उक्त आयकर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा यथा है।

अनुस्ची

जमीन जिसका रक्तवा 64 हसीमल है जो मौजा दानापुर शहआदपुर थाना दानापुर जिला-पटना में स्थित है एवं पूर्णरूप से वसिका सं० 3055 दिनौंक 29-1-86 में विणित है तथा जिसाल निवन्ध जिला श्रवर निवन्धक पटना के द्वारा सम्पनन हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) स्रज़ेन परिक्षेत्र बिहार पटना

दिनौंक : 14-8-86

मेहर :

प्रकृत वाह् . दो . पुर . पुर . वरवानानाना

नायकर नांभनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

नाइत चडकाड

कार्यालयः, सहायक भायकर भावनतः (निर्देशक)

श्चर्जन परिक्षेत्र बिहार पटना पटना दिनाक 14 ग्रगस्त 1986

निर्देश स॰ ।।।/1405/ग्रर्जन/86-87--ग्रत मुझे दुर्गा प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उम्रित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० तौजी स० 11,802 थाना नं० 21 खाता सं० 776 खोसरा नं० 994 है तथा जो भीजा बानापु - शहरात-पुर थाना - दानापुर शिला-पटना में स्थित है (स्रोर इसरे उपलब्ध अनुसूचो में स्रार पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रा उत्ती स्र धारारों के नार्यालय पटना में रिजस्ट्री उरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनाँक 19-4-85

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरिं। की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पत्यह शितक्षत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकः) अतेर अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सम पाया पया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में जन्तिक रूप से कि शित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की धायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजूने में सुविधा के लिए; और/या
- िए सि किसी अाथ या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्न भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में दिन्या व सिंग्या अस्ति सिंग्या

(1) श्री राजे स्वर प्रसाद सिंह पे० स्व० राज नारायण सिंह, सा०-गोला रोड दानापुर, थाना दानापुर, जिला-पटना

(भ्रन्तरक)

(2) विजय बिहार सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, द्वारा सचिव, कुमार विरेन्द्र प्रताप सिंह, स०— खर्जी बालूपर, यान विधा, 31—सदाकत, प्राथम, जिला—पटना ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के जिस् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 33 डींगमल है जो मीजा दानापुर-गहजाटपुर, थाना-दानापुर, जिला-पटना में स्थित है एवं जो पूर्णस्य से बिनाा सं० 2849 दिनाँक 19-4-86 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबाधक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दर्ग प्रसाद सक्षम ग्राधिकारी निरोक्षी सहायक द्यायकर आयुक्स श्रुर्जन परिक्षेत्र, बिहार, परना ।

दिनौंक : 14-8-86

महिर:

अति: अब, उद्धत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उद्धत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीम, निम्निक्षित व्यक्तियः, अर्थात् :---

प्रकष बाह्युं ही . एवं . एस . -------

भाषकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के विभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना
पटना, दिनाँक 14 प्रगस्त 1986

निर्देश सं० $III_{j} 140.6 \mu$ प्रजीन/86-87-2प्रतः मुझे, दर्गा प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यहविश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- सः से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव नौजी संव 809 सी थाना संव 37, खाता नंव 57 प्लाट संव 335 है, नथा जी मीजा कीथवाँ, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थत हैं (ग्रीर इससे उपबद्ध ग्रनसुधी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिवस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनौक 15-5-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित को वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी नाम की वानके, उक्त अभिनियम के अधीन कर कोने के त्रकारक के खक्तिच्या के क्यी करने मा अखबे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- ाह) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधि नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ाधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सविधा की लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन,, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रोमती सोनाफूल देवी जोजे श्री केदार नाथ रय ना०-पानापुर पुरानी, थाना दानापुर जिला-पटना (स्रन्तरक)
- (2) पाधुनिक सहकारी गृह निर्माण समिति लि० द्वारा सचिव श्री विरेन्द्र कुमार, सा०-वेली रोड, पटना ।

(श्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्श शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

जमीन जिसका रक्ष्या 101/2 डीशमल है जो मीजा कोथच दानापुर, जिला पटना में स्थित है एवं जो र्णस्प से विसक मं० -3526 दन क 15-5-86 में विधित है तथा जिसका निवाधन जिला अवर निवन्ध पटना के छा। सम्पन्न हुआ है ।

> दर्भा प्रसाद सक्षम प्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनौंक : : 4-8-**8**6

हरून बाह् .टी .एन .एस . --------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

WHEN WHEN

कार्याखय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण), अर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 14 अगस्त 1986

निदेश सं० III 1407/अर्जन/86-87/---यतः मुझे, दुर्गा प्रकाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले एसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा वया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भ्रीप जिन्नि संवतीं नेव 809 सीव, थाना नेव 37, खात नंव 57, खमणा नेव-335 है तथा जो मीजा कथन रोड, थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में भ्रीप पूर्ण रूप से बणित है), रिष्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजर्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक 15-5-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यकान प्रतिफल को लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि बधापूर्वोक्त तम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल के क्लाइ प्रतिकत सं वाभिक है गाँउ बन्तरक (बन्तरका) बौड़ अंतरिती (वतरितिया) के बीच एसे बन्तरण के निए तब पाया बया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण सिविद्ध में वास्तविक कन से कथित नहीं किया बचा है !——

- [क] मुख्य प्रमुखं हुन्दं किनी बाव की बावस । उपस्थ विधिवयम के नभीन कर दोने में जनसङ्ख्य की वाजित्य में कमी करने या उन्नते वाचने मां भृतिभार के भिन्नः महिन्दा
- (ण) एसी किसी भाग या किसी भग मा अन्य आस्तियों क्षेत्र शिनहीं भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयासनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में तृतिथा हो लिए।

भारत वाब, उक्त वाधिनियम की धारा 269-त की वानुबरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रोमती पार्वती देवी जीजे चन्द्रभान गय सा० पानापुर पुरानी, थाना—दानापुर जिला पटान— (अन्तरक)
- (2) आधुनिक सहकारी गृह समिति लिमिटेड द्वारा सचित्र, श्री विरेन्द्र कुमार, सा० वेली रोा, पटना। (अन्तरितो)

को यह सुचना चारी करके धूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्धुन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुतू।

उनका सम्परित के नर्पन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हन्त

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में सम्मप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त अपिक्तियों में से किशी व्यक्ति हुवारा;
- (ब) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की रार्रीय वें 45 दिन के भीतर तक स्थारत सम्पत्ति में हितकष्थ किमी अन्य अयोक प्रवास स्थाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए पर सर्वेग्रा

स्थव्हीकरणः — इसमें एययतं शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्विषय के वश्याय 20 क में परिभाषित हुँ वहीं वर्ष होगा को अस वश्याय में विशा क्या

1770

जमीन जिसका रक्या 10 1/2 डिसमल है जो भीजा कोशवां थारा दान पुर िला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से विसका सं० 3525 दिनांक 15-5--1986 में बणित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दूर्गा प्रसाद मक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी) सहायक आयकर आयुक्त; अर्जन परिलोझ पटना

दिनांक: 14-8-1986

प्रकृत बाह् उटी, एक, एस, रूपन

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

शारत तहकाड

कार्यासय 🛴 सद्दायक भायकर बाबुक्त (निद्वासण)

अर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 14 अगस्त 1986

निदेण सं० III/ 1408/अर्जन/8687--अनः मुझे दुर्गा प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उज्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० तीजी नं० 80, सी० थाना नं० 37, खाता नं० 57, प्लाट नं० 335 हैं, तथा जो मीजा कीथवा , थान दानापुर, जिला पटना में स्थित हैं (भीर इसमे उपलब्ध अनुसूची में भीलर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-5-86,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान भितिकत क लिए बंदरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय धाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेष्य सं उच्च अन्तरण निलित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है द

- (क) वितरण ते हुइं किसी आय की वाबत, उक्त जिमिनयम के अधीन कर दोने की अन्तरक के वायित्व में कमी करने या इससे वजने में सूविधा के लिए; और/या
- (७) ऐसी किसी आय या किसी धन ा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधि नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिकती ब्वारा प्रवःट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

श्रतः अर्था, उक्त अधिनियम की भारा 26६-न के अनुसरण् भै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) भे अभीतः, निम्नुमिणित व्यक्तियों ज्ञानित् चर्मात् चर्चा (1) श्रीमती सोनाफूल देवी जीजे श्री केंदार नाथ राय, सा०-पानापुर पुरानी, थाना-दानापुर, जिला--पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आधुनिक सङ्कारी गृह निर्माण समिति लि॰, द्वारा—मिषव श्री विरेन्द्र कुमार, सा॰—वेली रोड, पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्कृतित के वर्जन के तिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध भी कीई भी बाक्षप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 4: दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वन की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच १ 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पार लिखित मों किए जा सकोंगी।

स्पष्टिकर्णः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स अधिनियम के अध्याय 20-क में पिर्शाविक हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विश्व गया है।

अन्**स्**ची

जमोन िपका श्रक्तवा 10 है जिसमल है जो मीजा कोथवां थाना-दानापुर, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्णक्ष्प से विस्तिता पं० 3475 दिनांक 14-5-86 में विणित है तथा जिसका निवन्धन जिला अवर निबन्धक पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

्रुगी प्रसाद सक्षम आधिकारी, इंग्यक आयक्तर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेट्र, बिहार, पटना

दिनांक : 14-8-86

प्ररूप बार्ड ् टी. एम. एस.ं------

नायकर निभिनियम, 1061 (1961 का 43) की भारा 269-म के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 14 अगस्त 1986

निदेशक सं० $\Pi^{I}/409/3$ र्जन/86-87—अतः मुझें, दुर्ग प्रसाद,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के निधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी गं० तोजी नं० 809सी थाना नं० 37, खाता नं० 57 खेसरा नं० 335 हैं, तथा जो मौजा कोथवां, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित हैं (स्रोर इसमें उपलब्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप ने विणित हैं) रिज्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिज्स्ट्रीकरण स्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14-5-86,

की पूर्वे क्त सम्पत्ति के जियत काजार मृत्य से कम के दरयमान श्रीतफल के लिए बन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जियत बाजार बृज्य, उतके दरयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण में लिए तय बाया नवा श्रीतफन निम्निवित्ति दर्द्रहेश से उन्त मन्तरण श्रीवित्त में बास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी बाय की बावत , बजत नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (का) ऐसी किसी अाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को भिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया जया भा या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में स्वैत्या के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-य के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उन्धारा (1) के अधीन, निम्नसिधित स्थानित्यों, अर्थात् हु---- (1) श्रीमती पार्वती देवी जोजे श्री चन्द्रमान राय सा० पानापुर पुरानी, थाना दानापुर, जिला--पटना ।

(अन्तरक)

(2) आधुनिक सहकारी गृह निर्माण समिति लि॰ द्वारा सचिव, श्री विरेन्द्र कुमार, मा॰ वेली रोड, पटना ।

(अन्सरिती)

कीं यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के आर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक भें 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से थि,सी व्यक्ति ब्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

अमीन जिया रकवणा 101/2 डिणमल है जो मौजा कोथवां, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्णस्प में वसिका सं० 3474 दिनांक 14-5-86 में वर्णित है सथ: जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

> दुर्ग प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक: 14-8-86

मीहर:

प्रकल कार्या हो , **एस ., एस**्न-----

वायकर वरीपनिवन, 1961 (1961 का 43) की पाहर 269-प (1) से वधीन स्पना

नारव चरुकार

भागसिन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन पिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 14 अगस्त 1986

निदेशक सं० II^I/410/अर्जन/86-87---अर्तः मुझे, दुर्गः प्रसाद,

जायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात जिस्त किथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 100,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० पार्ट प्लाट स० 762 ही लिड्डम सं० 722/401, बार्ड सं० 2. सिकल सं० १ है, तथा जो एक्वीकल रोड, थाना गांधी मैदान, जिला पटना में स्थित है (प्रीर इसले उपलब्ध अनुसूची में प्रीर पूर्ण हम से वर्गित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में जिस्ट्रीकर्ण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-4-86, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वाक करने का कारण है कि सभाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचा अतिकल से बिपक है और वंतरक (वंतरकों) और वंतरित (वंतरितयों) के बीच एसे वंतरण के लिए सय पास नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त वंतरण निवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) ब्लारण वे हुई जिल्हीं बाय कर्स वाबद्धः स्थाप वीर्यानवन के वर्णीय कर्र क्षेत्रं के कलार्क वी वादित्व में क्ष्मी करने वा उन्नमें वजने में सुविधा अ स्थितः बीस्/मा
- (क) एसी किसी जाय वा किसी धम या जल्म आस्तियाँ को, विका भारतीय वाय-कार ऑक्षीनयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम. या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या जिल्ला करना प्रतिहरू था, विकान के अधिकथा वी सिए;

अतः जबः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मोंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारः (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---- (1) श्री गगन को आपरेटिय हाउस कन्स्ट्रेनशन शोसायटी लिंक, द्वारा सिविय मोक रेगाजुद्दीन खाँसाक ग्रेण्ड होटल प्रोमीसिय, फ्रेजिय रोड, थाना कोतियाली, पटना ।

(अन्तरक)

(2) मीस प्रियंका काहाबादी (माइनर)
अभिभावक एव पिठा श्री मोहन प्रसाद सा०गुलमोहर
पर्लंट सं० 34 (तीसरी मंजिल), 6-सी, मीजूलटन
स्ट्रीट, थाना --पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता -700 016
(अन्तरिती)

की वह बुचना आरी करके पूर्वोक्त संपों न के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोश भी शाओप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तासील से 30 दिन की नविध, को भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवाहाः
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान सिवित में किस् वा स्केंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अन्स्ची

गगन एपार्टमेंट्स के द्वितीय मंजिल के सम्पूर्ण फ्लैंट सं० 206 जिसका रकवा 1059 वर्ग फीट हैं जो एक्ष्मीशन रोड, थाना-गांधी मैदान, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण-रूप संविधा। सं० 2441 दिनांक 3-4-86 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुन्ना है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटन।

दिनांक : 14-8-86

प्रकार वाद् हो . एन . एव . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत संद्रकार

फार्यस्य, सहायक वायकर वायुक्त (निर्देशक)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 14 अगस्त 1986 निदेशक सं० III/411/अर्जन/86-87--अतः मुझे, बुर्गा ाद,

नायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पार्ट प्लाट सं० 762 होल्डिंग सं० 722/401, बार्ड सं० 2, मिकल सं०-6 है, तथा जो एक्जीणन रोड, थाना—गांधी मैदान, जिला—पटना में स्थित हैं (भौर इससे उपल ब्ध अनुसूची में भौर पूर्ण ख्प से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-4-86;

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित को कई है और मुख्ये यह निष्वास करने करने का कारण है कि स्थाप्याँक्य तंपरित का उचित नाजार मृत्य, उथके क्षयमान प्रतिकल से, ऐसे क्षयमान प्रतिकल का पम्बह प्रतिवात से अधिक है और अंतरण के लिए तय पावा ज्या प्रति-क्षस निम्मसिकत उप्रवेग से उचित अंतरण कि लिए तय पावा ज्या प्रति-कस निम्मसिकत उप्रवेग से उचित अंतरण कि लिए त्य पावा ज्या प्रति-कस निम्मसिकत उप्रवेग से उचित अंतरण कि लिए त्यं पावा विकास

- (क) जन्तरण ते हुन्दै किसी जान की शावस्ता, श्वनक अधिकियस के अधीव कर दोने के जन्मरक की राजित्व में कभी करने या उसके वचले में मधिका से तिस्ता, अदि/श्वा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन वा बन्य जास्तिकों की, विन्हुं भारतीय जाय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

अक्षः क्षत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरक कों, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीनः निम्नलिकिस स्पिन्सिनों, अधीनः क्ष्मा 10—256€¥/86 (1) गगन को आपरेटिव हाउस कत्स्ट्रक्शन सोसायटी लि० द्वारा मिचव रियाजुद्दीन खां, सा० ग्रेण्ड होटल प्रीमिसेज, फ्रेजर रोड, थाना—कोतवाली, जिला— पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्री क्रज किशोर जयसवाल पे० श्री वी० डी० जयसवाल मुख्यार पत्नी-श्रीमती विद्या जयसवाल, सा०— लक्ष्मी चित्रष्ठाया मन्दिर प्राइवेट लि०, बोढम बाजार, थाना सदर, हआरीबाग ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के वर्जन के शिक्ष कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के वर्षन हैं संबंध में क्रोर्ड श्री आवोध ह—-

- (क) इब ब्यान के राजपम में प्रकाशन की वारीय हैं 45 विश् की बनिष् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पृष्ट स्वान की तामील से 30 विश की अवधि, जो भी वर्षि वाच में समान्य होती हो, से भीतर पृथींक्य व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति दुवारा;
- (त) इस स्थान के राजधन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य सम्मल्सि में हित्यकुंध किसी बन्द व्यक्ति इनारा सभोहस्ताकरी के गाल किर्वत में किए या सकतें।

स्वत्वीकरणः—इसमें प्रयुक्त वन्नों और वनों का, को सकत विभिन्निया से बध्यान 20-क में वीरजाविक हो, बही नर्थ होगा, को उस अध्यान में दिना गवा हों।

अनुसूची

गगन एपार्टमेंट्स के सृतीय मंजिल के सम्पूर्ण फ्लैट सं० 306 जिसका रकवा 1059 वर्ग फीट है जो एक्वीशन रोड़, गोधी मैदान जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्णरूप से वसिका सं० 2631 दिनांक में विणित है तथा जिसका नियन्धन जिला अवर नियन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाव सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर (निरीक्षी) आयुक्स, अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटन्ट

विसांक : 14-8-86

मोहरः

प्रस्य भादी हो हो , एन , एस ू-----

बावकार वर्षिणियस्त 1961 (1961 का 43) की वास 269-व (1) के वर्षीत सूत्रका

बारत तरकार

कार्यातव, बहायक वायकर वायुक्त (निर्मातक) अजंन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 14 अगस्त 1986

निवेशक पं ाा/452/अर्जन/86-87-अतः मुझे, दुर्गा असाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के संधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विसका उषि शायार मूल्य 1,00,000/- रुपयो से अधिक है

भौर जिसकी सं० तौती सं० 5808 थाना सं०-22, खाता सं०-192, खसरा स० 164 है, तथा जो मौजा जलालपुर, धाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है (भौर इमसे उपलब्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप हो विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-4-86

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से बाब के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उगके दक्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के वल्छ प्रतिकत से सिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) से बीच एसे अन्तर्क के लिए तय पाया यया क्या निन्यितियों से बीच एसे अन्तर्क कर्मारण सिवित में बास्तिकक में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क्) जन्तरण, से हुइ किसी नाय की वाबद, उक्स जिमित्यब के जभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्न में कभी करन या उससे दचने में सुविधा के सिए; कोंट्र/या
- (क) एवे किसी नाम मा किसी धन मा अन्य कास्तियों की, विन्हें भारतीय नामकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उन्नत कांधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से सिए;

बर्दाः नथः, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वयुत्तरण मी, मी उक्त विभिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्हतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् हु----

- (1) श्री तपेश्वर प्र० सिल्ला पे० स्व० गणराज सिह सा० जलालपुर, थाना दानापुर, जिला-पटना । (अन्तरक)
- (2) श्री जवाहरलाल नेहरू सहकारी गृह निर्माण समिति लि० द्वारा सिचव जगदीप सिंह, सा० राजवंशी नगर, थाना---शास्त्री नगर, पटना ।

(अन्तरिती)

की वह सफन बार्ग करके पृथेषित सम्मरित से अर्थन के किए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

दक्त दरुपति के कर्षन के देवंच में और नी वाक्षेत्र प्र---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकावन की तारीच छे 45 विन की जबकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों धर चूचना की तामील से 30 विन की जबकि,, जो और जबकि वाल में समाच्या होती हो, के सीतार पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्मन्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के मौतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिल्बबुध् किसी जन्म स्थानत ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकाने।

स्वक्रीकरणः --इसमें प्रयुक्त सम्बागित पर्यों का, यो उक्त निध-निवम में बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होता, को उस बध्याथ में विधा गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 24 डेशीमल हैं जो मौजा जलालपुर, थाना--दानापुर, जिला-पटना में स्थित हैं एवं जो पूर्णरूप से विसका सं० 2419 धिनांक 1-4-86 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धन पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

> दुर्गा प्रसाद मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त,(निरीक्षी) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक . 14-8-86

पुरुष नार्डुं व की_य हुन्_य हुन्_य

वावकर निभिन्तियन, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-व (1) वे निभीय सूचना शासन सहस्वाह

कार्यासय, सहायक सामकर सामूच्य (निद्राक्षिक)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना, दिनांक 14 अगस्त 1986 निदेश सं० 11I/413/अर्जन/86–87—अतः **पुक्षे, दुर्गा**

नायकर निधित्यन, 1961 (1961 का 43) (चितं इतमें इतके पश्चात् 'उनत निधित्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को वह निकाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रांर जिसकी सं० तौजी सं० 5808 थाना सं०-22, खाता सं०-192, खमरा सं०-164 है, तथा जो मंज्य जलालपुर, थाना दानापुर, जिला-पटना में स्थित है (भ्रांर इसमे उपलब्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-4-1986

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाबाह मूरेव ते का के अध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कप्रण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके ध्रुयमान प्रतिफल से, एसे ध्रुयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरिक्यों) के बीच ऐसे ब्ल्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्निलिखत उद्बेशय से उसते अन्तरण जिलित के बास्तरण कि सिन्तर क्ये से कथित नहीं क्या गया है हिन्त

- (क) अन्तर्भ से हुइ किसी जान की नायक खरक जिल्लीयम के जभीन कर दोने के अन्तर्क के सीवस्थ में कभी करने या उत्तने स्थन में द्विभा के सियु; भीर/मः
- (थ) द्वेशी किन्ती बाद वर फिजी वन था अन्य अवित्यों की, जिन्तें भारतीय जायकर जिपितियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भव-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के श्वाबनायं क्रवेरिती द्वारा मुख्य गृहीं किना द्वा या वा किना थाना चाहित था, क्रियान में बृद्धिया में क्यि;

बत: जग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, सकत अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) ■ कथीन, निम्मसिणित व्यक्तियों मध्येष क्र---

- (1) श्री तपेक्वर प्रसाद सिह्ना पे० स्व० गजराज सिंह, सा०-जलालपुर, थाना-दानापुर, जिला-पटना । (अन्तरक)
- (2) जवाहरलाल नेहरू निकेतन सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, द्वारा सचिव, श्री जगवीस सिंह, सा०-राजवंशी नगर, थाना, शास्त्री मगर, पटना ।

(अन्तरिती)

नते यह सूचना चारी करके पूर्वावतः सम्परित के वर्षन के तिल्लु कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

वन्त कमरित के वर्षन के कम्ब्रुग्य भी कांग्री भी बाक्षेत्र game

- (क्क) एक सूचना को राज्यक वें प्रकारक की तार्हीं कें 45 किन की जनकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों:
- (थ) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्वच्दीकरण हु-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

जमीन जिसका रकवा 24 डेशीमल है जो मौजा जलालपुर, थाना-वानापुर, जिला-पटना में स्थित है एवं जो पूर्णस्य से बिसका संग-2411 दिनांक 1-4-86 में विणित है तथा जिसका निजन्धन जिला अवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

द्रुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 14-8-86

मोहरः

प्रकृष बाद् दी एन पुर .-----

बाब्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बभीन कुचना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्व, बिहार, पटना पटना, दिनांक 14 अगस्त 1986

निदेश सं० III/1414/अर्जन/86-87---अतः मुझे, बुर्गा प्रसाद,

बाग्कार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिले इसवें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लाक करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उपित बाजार मूक्स 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० थाना नं० 22, तीजी नं० 5170, खात नं०-4, प्लाट नं० 136 है, तथा जो मौजा जलालपुर, धाना दानापुर, जिला पटना में स्थित हैं (भीर इससे उपलब्ध अनुसूची में भीर पूर्णरूप से वणित हैं), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-4-86,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिप्रत को लिए अन्तरित की गई है और मूकों यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्स संपत्ति का उष्हित गाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रोतिपक्ष से, एसे इर्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अध्यक है बाह्य अंतर्क (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितिकाँ) के बाब एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम, निम्नितिकार क्यूबोब्स से उक्त क्यूबरण निश्चित्त में वह्य विक्रम क्या विद्यास नहीं किया गया है।—

- (क) मन्त्रपण वं हुई किसी बाब की बाबह, उक्त मिनियन के मधीय सर दोने के बन्तरक के दायित्व में किसी किकों या उत्ते बकते में सुनिधा के लिखु; मार/बा
- (च) ऐसी फिली मण का फिली मण वा अन्य वास्तिवाँ को, फिन्हें कास्तीय जाब-कर विशेषितयम, 19?? (1922 का 11) का उपस्य श्रीधनियम, का भगक्तर विश्वितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया चाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के विश्व:

जताः अवः, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण पे, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसों, अधीस :---

- (1) श्री राम खेलारी सिंह पे० स्व० रेनू सिंह, सा० जलालपुर, थाना-दानापुर, जिला-पटन। । (अन्तरिती)
- 2 श्री विसराम सहकारी गृह निर्माण समिति लि॰ ब्रारा सचित्र श्री उपेन्द्र-मंडल सा०-उत्तरी श्रीकृष्णपुरी पटना, जिला पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जनत संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच सै 45 दिन की मनिष्या तत्संबंधी व्यक्तियों पव सूचना की सामील से 30 दिन की जनिष, वो भी जनिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से विकास व्यक्ति वृत्रा का;
- (क) इक सूचना के सावषण में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर जबत स्थायर संपत्ति में दिए के किसी कच्च क्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सित्तिक में किए जा सकेंगे।

स्पृथ्विकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिम्मित्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नपुरुकी

जमीन जिसका रकवा 3 कट्टा है जो मौजा जलालपुर थाना-दानापुर जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्णस्य से वसिका संख्या 2942 दिनांक 24-4-86 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम शिधकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (नेरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 14-8-86

प्रकार वार्षः, वी. प्रव. प्रव.

बायक्त वीभीनवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से मधीन सूचना

भारत बर्जार

कार्यासय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रैज, बिहार,

पटना, दिनांक 14 श्रगस्त 1986

निदेश सं० III/415/म्रजंन/86-87--भ्रत: मुझे, दुर्गा प्रस्ताद,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भाषा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुस्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रोर जिसको सं० थाना मं० 22, तौजी सं० 5170, खाता सं०-4, प्लाट सं० 136 है, तथा जो भौजा जलालपुर, थाना-दानापुर, जिला पटना में स्थित है श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 24-4-86,

क्ये पृथंकित सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के ध्ययमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृथंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्ति उद्विष्य से उक्त अंतरण किचित में बास्तिका कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जनस्य वे हुई किसी आम की वास्त्र , स्वयं अधिनियम के अधीन कर दोने की अस्तरक की शियल को कमी करने या उत्तस बज़ने को सुविधा के किए; बॉट्र/मा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या जनकर अधिनियम, या जनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्त शर्म अन्ति द्वीरी व्वारा प्रकट नहीं किया गया या जिसा जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा और सिद्ध;

भतः भव, उक्त भौभिनयम, की भारा 269-ण की जनसरणी में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री टेका सिंह पे० स्व० रेनू सिंह ता०-जलालपुर, थाना दानापुर जिला पटना (ग्रन्तरक)
- (2) श्री विसरास सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, दारा सचिव श्री उपेन्द्र मण्डल, सा०-उत्तरी श्री कृष्णापुरी, जिला पटना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक श्रें
 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की मन्भि, को भी
 अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भारर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवचुभ किसी मन्य व्यक्ति इनारा वभोहस्ताक्षरी के पाछ निवित में किए जा सकींगे।

स्यक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त कक्षों वरि पदी का, की खबत जिथानियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ु</u>सूची

जमीन जिसका रकवा 3 कहा है जो मीजा जलालपुर, थानादानापुर जिलापटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से बसिका संख्या 2945 दिनांक 24--4--86 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिलाश्रवर निबंधक पटना के द्वारा सल्पन्न हुआ है ।

> दुगी प्रसाद सक्षम गाधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बिहार,

दिनांक : 14·**-**8-86

भोहर:

प्रस्त कर्त्युं को इन पुष्य व्यवस्था

कायक्ट अभिनियम्, 1961 (१961 का 43) की भारत 269-म (1) से वधीन सुम्रमा

alice distant

कार्यम्य, ब्ह्यस्य नायकर नायुक्त (विद्रार्थिय)

मर्जन रेंज, विहार, पटना, दिनांक 14 म्रगस्त 1986

निदेश सं॰ III/416/मर्जान/86-87---म्प्रतः मुझे, दुर्गौ प्रसाद,

वासकर निधित्तिवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परवात 'उकत निधित्तवस' कहा गया है), की भारा 269-के के निधीत सक्षम प्राप्तिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, विसका उजित नानार मृत्य 1,00,000/- रा. से निधिक है

म्नोर जिसकी सं० थाना सं० - 22, तीजी सं० 5170, खाता सं० - 4, प्लाट सं० 137 है, तथा जो मौजा जलालपुर, थाना दानापुर, जिलापटना में स्थित है (म्नोर इससे उपाबद्ध भनुसूची में म्नोर पूर्ण का स वर्णित है, राजस्ट्रीकर्ला मिश्वकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण मिश्वनियम, 1908 (1908 का 16) के मिश्वीन, दिनांक 26-4-86,

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूक्य से कम में दिस्तमान ब्रिकिफ के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार बृक्य, उसके द्रस्थान प्रतिफन्न से, एसे द्रम्याम प्रतिफस का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया थया प्रतिफल, निम्नसिन्नत उन्देश्य से उक्त अन्तरण बिह्नत में वास्तिक कम से किथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुइ किन्सी आयः की वायतः उन्हें त बहितिस्य के बनीन नद्धा दोने के बन्तरक की बुद्धित्य में क्वी कुदुने या उन्नते बुद्धने में सुविधा में बिए; सीट∕या
 - (व) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को चिन्हों भारतीय आय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में इतिया के विद्या

बतः बब, खण्त अभिनियम की भारा 269-व के बन्धरण में, मं, खक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा [1] के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्री जनार्दन प्रसाद सिंह पं० श्री गिरजा सिंह, ता०-जलालपुर, थाना दानापुर, जिला-पटना (ध्रम्तरक)
- (2) मैं विसरास सहकारी गृह निर्माण सहकारी गृह समिति लिं द्वाराश्री उपेन्द्र मण्डल, सा०-उत्तरी श्री कृष्णापुरी, पटना, जिला-पटना । (श्रन्तरिती)

का वह वृष्या बारी करके पूर्वोक्त बम्परित के वर्षन के लिख् कार्यवाहियां करता हुं।

वन्त् बन्दित्व के ब्रांप के ब्रम्पण वो कोई श्री बार्क्ष :---

- (क) इस सूचना को राज्यत्र में प्रकाशन की तारींच सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ क्ष् सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृवागः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबब्ध
 किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षर] के बाब
 सिचित में किए जा सक्टेंगे 11

स्थळीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सुम्यों और पर्यों का, जो उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हाँ, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 2 कट्ठा 15 धूर है जो मौजा जलालपुर, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से विसेका सं०-2981 दिनांक 26-4-86 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुमा है ।

> दुर्गा प्रसाव सक्षम गाधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बिहार

दिनांक : 14-8-86

मोहर 🗜

प्रस्प वाइ.टी.एग.एच.-----

नामकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जान रेंज, बिहार पटना, दिनांक 14 धगस्त 1986 निदेशक सं० III/417/ग्रर्जान/86-87--धात मुझे, दुर्गां प्रसाद,

बायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिश्रिनयम' कहा गया है'), की भाषा 269-च के मधीन सद्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का खारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० थाना सं० 22, तौजी सं० 5170, खासा सं० 4, लाट सं -137 है, तथा जो मौजा जलालपुर, थाना दानापुर, जिना उटना में स्थित है (श्रीर इससे उपलब्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 26-4-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर देने के अंतरक के बादित्व के श्री करने या उससे वचने में सुविधा के बिए; और/वा
- (थ) एरेरी किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तिकों का जिन्ही भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल जिथिनियम, या धन- कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जैतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिशा के विष्

बस्ति अब्, उक्त विधिनियम की धारा 269-न के बनुसरभ् में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री णक्तवीप सिंह पे० श्री गिरजा सिंह सा० जलालपुर, थाना वानापूर, जिला-पटना ।

(ग्रन्तरक)

(2) बिसरास महकारी गृह निर्माण समिति लि० द्वारा सचिव श्री उपेन्द्र मण्डल, ता०-उत्तरी श्री कृष्णापुरी, जिला-पटना ।

(भन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्बन के सिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींत से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना पर की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (च) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास सिचित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त क्षीध-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ATTENTO

जमीन जिसका रकवा 2 कट्टा 15 घूर है जो मीजा जलालपुर, थाना बानापुर जिला-पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से निसेका संख्या 2980 दिनांक 26-4-86 में विणित है का कि का कियान जिला प्रवर पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ। है ।

> दुर्ग प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार

दिनांक । 14-8-86 मोहर :

प्रकृष बाह्युं टी .एन .एच ..------

बावकर वर्गिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन र्रेज, बिहार, पटना, दिनांक 14 श्रगस्त 1986 निवेश सं० III/1418/श्रजीन/86-87--श्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिन्ने इसमें इसमें इसमें प्रकात 'उन्का अधिनियम' कहा गया हैं), की वारा 269-भा क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, विसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

गौर जिसकी सं० थाना सं० 22 तौजी सं० 5170, खाता सं० 4, लाट सं० 137 है, तथा जो मौजा जलालपुर, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है (ग्रौर इससे उपायस प्रनुसूची) ग्रौर पूर्ण रूप से वाजित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीक ण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 24-6-86,

को वृशेंक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयंजान वृतिकत के लिए अन्तरित की गई है जीर मुझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त कम्पत्ति का उचित बम्बार कृत्य, जन्म रह दिस्ताम प्रतिकत्त से, एसे वश्यमान प्रतिकत्त को पन्तर प्रतिकत्त को पन्तर प्रतिकत्त को प्रतिकत्त को क्षिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निष् वयं पामा गया प्रतिकत्त, निम्नित्वित उच्चेष्य से बन्त अन्तर्ज जिल्ला को सिष्

- (क) कलारण से हुई फिलों शाय की वायत करत महिन-नियम के सभीन कर दोने के संतरक के दाजित्व में कमी करने या उससे वचने में सविभा के किए; शीक्ष/या
- (क) क्षेत्री किसी वाग वा किसी वन या अन्य जास्तियों की, जिन्हीं भारतीय वासकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया वाना शाहिए था, क्रियाने में सुनिथः के सिए;

सत्तत्र शत्रान्त सम्प्रियम की धारा 269-म की बनुसर्ख को , को , स्वत्त जीभीनयम की धारा 269-म की स्पधारा (1) को अभीन , निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री गिरजा सिंह पे० स्व० सम्पत्त सिंह सा० जलालपुर, धाना दानापुर, जिला पटना ।

(भ्रन्तरक)

(2) बिनरान सहकारी गृह निर्माण समिति लि॰, द्वारा सिचिव उपेन्द्र मण्डल सा० उत्तरी श्री कृष्णापुरी, पटना ।

(अन्तरिती)

की यह त्वमा बाडी कृत्वै पूर्वोत्रत सम्बद्धि के अर्थन है हिस्यू कार्यवाहियां कडता हो।

उक्त सुम्पत्ति के वर्षमुक्ते सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप 🖫---

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जब्धि या तत्व्यन्तिथी अधितायों पर सूचन की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वास में समान्त होती हो, के बीदा पूर्वोंकर अधिक दुवाबा;
- (स) इस सुमना के रायमण में प्रकाशन की द्वारी में से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हित-स्थुल कि सी जन्म व्यक्ति दुवारा अधोहस्ता अपी के पास चिक्ति में किया जा सकते।

स्वयाकरणः—-इसमें प्रवृक्त एकों और वर्गे का, जो सक्त महिंपनियम के मध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं मर्च होगा जो उस मध्याय में किया गुना हैं स

मनुसूची

जमीन जिसका रकवा 2 कट्ठा 15 धूर है जो मौजा जनानपुर,थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वसिका संख्या 2979 दिनांक 26-4-86 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला स्रवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज बिहार

दिनांक: 14-8-86

प्ररूप आहु . टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

शारत उपनार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 14 अगस्त 1986

निदेश सं० III-1419/अर्जन/86-87--अतः, मुझे, वर्गा प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० तौजी सं० 5406, थाना सं० 21, खाता सं०-448, खसरा सं० 1624 है, तथा जो मीजा वानापुरणहजादपुर, थाना-दानापुर, जिला-पटना में स्थित है (श्रौर इससे उपलब्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम,
1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 7-4-1986, को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्माम प्रतिफक के जिए जीतरित की गई है जौर मुझे यह विज्वास करने का खारण है कि बचापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य,
उसके इश्यमान प्रतिफक से, एसे इस्मान प्रतिफक का पत्तक प्रतिफत के शिषक है और वन्तरित (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरका) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया प्रााप प्रतिफक, निम्निचितित उद्विच्यों से उचत अन्तरण जिनित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है----

- (क) जनतरम् से तृष्ट्रं किसी जाग की नत्वह, उक्क अधिनिक्य के अधीन कह दोने के समाद्रक के वरिष्य में कमी करणे मा उससे अचये में स्विधा के लिए; और/या
- (ण) होती किसी नाय या किसी भन या अस्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा के किए।

(1) श्री देवशरण महतो पे० स्व० कुरकुट महती,
(2) राज कुमार (3) राज किशोर पेसरान
श्री देवशरण महतो
सा०-नया टोला, सगूना, थाना--दानापुर,
जिला--पटना ।

(अन्तरक)

(2) जनकपुरी सहकारी गृह निर्माण समिति लि० द्वारा, सचिव, श्री तृषित नारायण झा, सा०-नारीयल घाट, थाना---दानापुर, जिला-पटना । (अन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी मार्शेप :---

- (ह) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की जबिध या तरसंबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरा के पास निकार में किए का सकेंगे।

स्थल्डीकरणः -----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा बो उस दध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 10 कट्ठा है जो मौजा दानापुर शाहजादपुर, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्णरूप से विसिका संख्या 2559 दिनांक 7-4-86 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर अयुक्त (निरीक्षण) ^{अर्ज}न परिक्षे**त बिहार, पटना**

दिनांक: 14-8-86

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जम परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 14 अगस्त 1986

निर्देश सं० III-1420/अर्जन/86-87-अत: मुझें, दुर्ग प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० तीजी सं० 5406, थाना सं० 21, खाता सं०-448, खसरा सं० 1624 है, तथा जो मौजा दानापुर गह-जादपुर, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है (श्रीर इसमें उपलब्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिन्यम 1908 (1908 का 16) के अधील दिसांक 7-4-86,

को पूर्वोत्रत सम्पत्ति के उचित साजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बीर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ण की उपधा**रा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—— (1) श्री देवभरण महती पे०-स्व० कुरबुट महती (2) राज कुमार (3) राज किसोर पेसरान श्री देवभरण महती सा०-नया टीला सगूना, डा०-व्याना दान।पुर, जिला-पटना

(अन्तरक)

(2) जनकपुरी सहकारी गृह निर्माण समिति लि०-द्वारा सिचन, तृष्ति नारायण झा, सा०-नारीचल घाट, थाना-दानापुर, जिला-पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल्ह कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों परं सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितबद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

जमीन जिल्लका रकबा 10 कहा है जो मीजा दानापुर गहजादपुर, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित हैं एवं जो पूर्णरूप से विसका सं० 2560 दिनांक 7-4-86 में विणित हैं तथा जिलका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

दिनांक : 4~8~1986

शक्त वाही वी क्षित क्षात अस्तर कार्य

भ्शयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-भ (1) के अभीन सूचना भारत वरकार

> कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना पटना, दिनांक 14 अगस्त 1986

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषये द्रायों इसके प्रशाद 'उन्तर अधिनियम' नहां नना हैं), की भाख 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को वह विजयास करने का कारण है कि स्थापर सम्मत्ति, विश्वका स्वित वाचार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं तांजी नं -5406 थाना नं 21, खाता नं 448, खमरा नं 1624, है, तथा जो में जा दानापुर प्रह-जादपुर, थान दानापुर, घिला पटना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपलब्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से दिणत हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारों के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7-4-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूम्ब वे कम के व्यवमाय प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द और

मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार
मून्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का
पन्यह प्रतिकृत से क्रिक है कीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गवा
बिक्क का, निम्नीबिक्त उद्दृष्टिय से उक्त अन्तरण विविद्य में
अस्तिविक क्ष से किथत नहीं किया गया है :----

- [क) सम्बर्ग वं हुएं किसी बाग की गावरा, अच्छ स्विधित्यव को सचीन कर दोने के सम्बर्ग की स्विच्या के कनी क्रमों वा क्रस्ये वसने के स्विधा से सिए; ब्रोप/वा
- (स) एंची किसी साम वा किसी थम वा बच्च शास्त्रिकों को, किस्ते बारदीय काल-कर विधित्तियन, 1922 (1922 का 11) जा उपय श्रीशितयन, का थव-कर विधित्तवन, 1957 (1957 का 27) की प्रमोचनार्थ जन्तिरिक्षी झूनारा प्रथम वहीं दिख्या क्या था का किसा बाता कांद्रिए जा, कियाने ने बुधिया की किन्दु;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्लित व्यक्तियों, अर्थात:— (1) श्री देवधरण महतो पे० स्व० कुरकूट महतो (2) राज कुमार (3) राज किशोर पेसरान श्री देवधरण महतो सा० नया टोला सगूना, डा०—थाना—दानापुर, पटना ।

(अन्तरकः)

(2) श्री जनकपुर सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, द्वारा-मिचव, तृष्ति नारायण झा, सा०-नारियल घाट, दानापुर, डा० दिधा, जिला-पटना । (श्वन्तरिती)

की ग्रह यूचना बारी करचे पूर्वोच्छ सम्मीश के नर्थम में विश्व कार्यमाहियां करता हूं।

क्षमध सम्मति के सर्वन के संबंध में कोई भी बाधरेत हैं 🖚

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी स से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भी सर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

अमीन ि: नका रक्षणा 10 यहा है जो मीता दानापुर शाहजादपुर, थाना दानापुर, दिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण ऋष में विस्ता सं० 2558 दिनांक 7-4-80 में निर्णित है तथा जिसका निवन्धन अवर निवन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्ग प्रसाध सक्षम प्रधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (गिरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना

दिनांक : 14-8-86

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, तहायक बायकर बायक्त (विद्रश्लिक)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 12 अगस्त 1986

निर्देण सं० III/1363/अर्जन/86--87---अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

कारकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें उपनात 'उनत विभिन्नियं' कहा नया है), की पाता 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह निकास करने का कारक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका श्रीतित बाजाड मुख्यं, 1,00,000/- राज्यों अधिक है

भीर जिसकी सं० पार्ट प्लाट नं० 762 होल्डिंग नं० 722/401, वार्क नं० 2, मिकल नं० 6 शीट नं० 31 हैं; तथा जो एकजीवीशन रोड, थाना गांधी मैदान, जिला—पटना में स्थित है (भीर इससे उपलब्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिपस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 13-3-1986.

को पूर्वेक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान बिसक से के निए संतरित की गई हैं और बुक्ते वह तित्रवास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित भाजार बुक्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एसे ध्रयमान प्रतिकास का बलाह प्रतिकात से अधिक हैं और बन्तरक (बन्तरकों) और बंदारिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंदरण के निय तय पाया प्रवा प्रतिकास निम्मितिका उच्चेक्य से स्वत बन्तरक विविद्य में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- [क] मुखारम् से हुव दिस्ती आम् कौ बान्स्, समय विश्वितस्य से बनीय कर दोने से अन्तरम से स्वित्य में क्यी करने मा उत्तर क्यों स्वित्र में स्वित्र
- (थ) एसी किसी नाव या किसी धन मा नम्य नास्तिओं की, जिन्हें भारतीय नाय-कर सिधि विश्व, 1922 (1922 को 11) ना उच्छ वांसीववर्ग, वा धनु-अप अधिनिजन, 1957 (195; का 27) के प्रकोचनार्थ अन्तरियों स्वारा प्रकृत यहीं किया नका वा विश्व वाना चाहिए वा फिनाने भें सुनिभा के लिए;

चतः अत्र उन्तः अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुमरण चै, मी, ाक्त विधिनियम् की धारा 260-व को उपधारा /1° के जधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, वर्धात् .— (1) गगन कोआपरेटिव हाउस कन्स्ट्रवणन सोसायटी लि० द्वारा सचिव, मो० रियाजुद्दीन खान, सं ग्रेण्ड होटेल प्रोमीसेज, फेजर रोड, थाना-कोनवाली, जिला--पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण गोपाल अग्रवाल पे० स्व० श्री मन्ना लाल' अग्रवाल सा० भोपालका निवास, बोरिंग कनाल रोड, थाना-बुद्धा कोलनी, जिला-पटना । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्यत सम्पत्ति के वर्षन के तत्वरूप में कोई ब्राह्मीय 💵 🖚

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वार अभोहस्ताक्षारी के पाछ लिक्ति में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नेवा हैं।

अनुसुची

गगन अपार्टमेंटस का चौथी मंजिल के सम्पूर्ण पर्लंट नं० 402 जिसका रुक्वा 997 वर्ग फीट है जो एक्जीवीशन रोड, थाना-गांधी मैदान, जिला-पटना में स्थित हैं एवं जो पूर्णरूप से विसका सं० 1931 दिनांक 13--3-86 में वर्णित हैं तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पर हुआ है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राध्यिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निष्धिण) अर्जन परिस्नेन्न, बिहार, पटना

दिनांक : 12-8-1986

प्र**रूप वार्ष**्ठ टी_ल एक. एस<u>.</u>------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 12 अगस्त 1986 निर्दोश सं० III-1364/अर्जन/86-87-अतः मुझे,

दुर्गा प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 व को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

गौर जिसकी नं थाना नं 38, तोजी 5486; खाता नं 645, प्लाट सं 109, है, तथा जो मीजा नौशा महाल प्राह्वाजपुर नौमा, थाना— फुलवारी; जिला—पटना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपलब्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्री-कर्ला अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-1-86, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विख्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाषा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया हैं .---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की भावत, उक्त निवम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उक्स बचने में स्विभा के शिए; जौर/या
- (क) ध्रेसी किसी जीय या किसी भन या उन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की खिए;
- जतः शक्तं, उसतं अधिनियमं की धारा 269 व के अनुकरण जै, मैं, उकतं अधिनियमं की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ः——

- (1) श्री राजकुमार सेन पे० श्री ऋषि सेन सा० 41, ग्रेण्ड स्क्वायर, दानापुर, केन्ट्रोनमेंट, पटना वर्तमान पता—3/57, राजेन्द्र नगर, कदम कुंआं, पटना । (अन्तरक)
- (2) नालन्दा विस्कुट कम्पनी प्राइवेट लि॰ द्वारा मूल नारायण खन्ना पे० स्व० शिव नारायण खन्ना, सा० 7/73, तिलक नगर, कानपुर । (अन्तरिती)

कं यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के रिष्ट्र कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (यं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन्स्ची

जमीन जिसका रकवा 102 डेशीमल है जो मौज नोशा-महाल शहवाबार नौगा, थाना फुलवाड़ी, जिला टना में स्थित है एवं पूर्णरूप से विभका संब 639 दिनांक 25-1-86 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधेकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (रिरीक्षण) अर्जन गरिक्षेत्र, बिहार पटना

दिनांक : 12--8-86

मक्त भारं के बौद्ध एन , एन ,

मापकर नर्रिश्चित्रम्, 1961 (1961 का 43) की शहर 269-म् (1) में समीत क्षमा

बार्च सम्बद्ध

कार्यालय, बश्चयक बायकर बायुवद (निर्द्रीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 12 अगस्त 1986

निदेशक सं॰ III-1365/अर्जन/86--87---अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० थाना सं० 21, तीजी सं० 5403, खाता सं० 459, प्लाट सं० 1584 एवं 1597 है, तथा जो मीजा दानापुर शहजादपुर, थाना—दानापुर, जिला-पटना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपलब्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकक्ती अधिकारी के कार्यालय पटना में राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-2-86,

की नृत्यंक्त सम्पत्ति के जीवत बाबार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिपत्त के निष् अध्यक्षित की वहाँ हैं और बुधे वह जिल्लाक अरने का कारण है कि वथापूर्वोंकत सम्वति का जीवत बाबार मृत्य उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का लिंक प्रतिपत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अभ्वार्च के निष् वय पामा पया वृतिकृत्य कि निष्का का कार्यांका कर से स्वयंका कार्योंका कार्योंका कर से स्वयंका कार्योंका कार्योंका कर से स्वयंका कर से स्वयंका कर से स्वयंका नहीं जिल्ला प्रवाह है है

- (क) बन्तरक वं हुई कियो शाव की बावतः अवत जीविषयम के अभीन कर की के बन्तरक के खिरूक में कनी बद्धके वा बब्रुब वधने में बृत्रिका कालए: मार/या
- (६) एची किसी आय या किसी भन या जन्य वास्तियों को, विन्हें भारतीय बायकर विभिन्नम् 1922 की 1922 की 193 किसी अविकास किसी विभन्न वा भन-भर विभिन्नम् 1957 वा 27) के भनेवान के जन्मी उती क्वारा एकट वहीं किया वृद्धा था वा किया जाना जाहिए था, क्विन में सुदिवस में निका

बताः १व, उक्त मिनियम, की भारा 269=न के बन्तर्ष , बें, उक्त मिनियम की भारा 269-म की क्रप्लारा (1) स्थीन : निम्ल्लिखित व्यक्तियों, सर्वात् क्र——

- (1) श्री योगेन्द्र प्रसाद सिंह पे० स्व० गोपीनाथ सा० सुल्तानपुर, ष्टा० थाना दानापुर, जिला-पटना (अन्तरक)
- (2) साकेत सहकारी गृह निर्माण समिति लि० द्वारा सचित्र, जंग बहादुर सिह्ना, दानापुर, जिला-पटना ।

(अन्ति रिती)

को यह सूचना चारी कारके प्रशेषक संपृत्ति के व्यंत् वे तिए कार्यनाहियां करका हो।

क्या रम्हित् में वर्षन के बुध्यन्त के बोर्ड की मार्शकान

- (क) इस सूचका के हाज्यम में भकावन की वार्रीक हैं 45 दिन की नविश् या तत्संबंधी क्षावितयों पर क्षा की वासीन के 30 दिन की वदित को धी क्षा कह में सबस्य होती हैं, से जीवूर पूर्वों का क्षा किसी के दे किसी क्षा कुराहर;
- [क] इस न्या के राजप्य में प्रकारत की वारीय से 45 दिन के बीवर उनस् स्थापर संपत्ति में हिस्पर्य कियी बन्द कान्य द्वारा, नभोहस्वाक्षरी से शक दिश्यित में किए या स्थीये।

स्वयं करण : इसमे प्रवृक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विदा गया है।

तपस्ती

जमोन जिसका रकवा 31 1/4 डेक्शमल है जो मीजा सनापुर-शहरादपुर, थाता दानापुर, जिला--पटन में स्थित स्थित है एवं जो पूर्णस्प से वसिका गं० 1448 दिनांक 24-2-86 में विणत हे तथा जिसा निबन्धन जिला अवर निबन्धण पटना के द्वारा सम्पण हुआ है।

दुर्गा प्रसाद सक्षमप्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन गरिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 12-8-86

प्रकल बाह् के टी ह एम ह एस हररररर

बायफर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक भागकर भागुक्त (विरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 12 अगस्त 1986

निदेश सं॰ III-1366/अर्जन/86-87--अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पार्ट प्लाट सं० 762, होल्डिंग सं० 722/401, वार्ड सं० 2, सिकल सं० 6 है, तथा जो एकजीधीशन रोड, थाना कोतवाली, जिला—पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपलब्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिष्ट्रिट्टीकत्त अधिकारी के कार्यालय, पटना में रिष्ट्रिट्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-3-86,

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबसा, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वामिरण में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (वा) श्रेसी किसी बाव या किसी धन का अन्य बारिसवीं करे, विक्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविध वी किया

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) गगन कोआपरेटिय हाउस कन्स्ट्रेनशन सोसायटी लि० द्वारा सचिव मो० रियाजुदीन खां, सा० ग्रेण्ड होटल प्रीमिसेज फ्रेजर रोड, थाना—कोनवाली, जिला—पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्री श्यामसुन्दर महाजन पे० श्री सरजू प्रसाद महाजन, सा० मुरारपुर, डा०-थाना---जिला---पटना।

(अन्तरक)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाष्ट्रियां करता हुं।

उन्त संपति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धांकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ वरिधनियम के वश्याम 20-क में परिभाषित वहाँ वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा ववा है।

जनसची

गगन एपार्टमेंटस का दूसरी मंजिल के सम्पूर्ण फ्लैट सं० 207 जिसका रकबा 1112 वर्गफीट है जो एक्जीबीशन रोड, थाना गांधी मैदान, जिं०-पटना में स्थित है एवं जो पूर्णक्ष्य से विसका सं० 2139 दिनांक 19-3-86 में विणित है तथा जिसका निवन्धन जिला अवर निवन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी रहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 12-8-1986

प्रकृष् नाइ . टी . एन . एस . ------

णाशकर विधितियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) व्यं स्थीत सूचना

बार्व स्ट्रकाड

कार्याचन, सङ्गयक नायकाड भागुवत (विद्वावाध)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, विनांक 12 अगस्त 1986 निदेशक सं०॥।—1367/अर्जन/86—87——अतः मुझे,

दुर्गा प्रसाद, गायकार अधिरियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), औं भाडा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य

1,00,000∕- रु. से विभिक्त हैं।

ग्रीर जिसकी सं० ताँजी सं० 5486 काता सं० 645, प्लाट सं० 109, थाना सं० 38 हैं, तथा जो मौजा नौसा महाल सबजपुरा नौसा, थाना-फुलधारी, जिला--पटना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपलब्ध अनुसुची में में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31-1-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य ते कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए मंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिकल से एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पल्कह प्रतिक्षत से अधिक है और जंतरक (बंतरकों) और अंतरितों (अस्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तस पासा नवा बतिकल, निम्नसिवित उद्विक्त से अस्त अन्तरण जिल्लित के बास्तविक क्ष्य से क्ष्मित कहीं कि बा नवा है ——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयः की शावतः, कवतः अधिनियस के वधीन कार देने के अन्तरक को सामित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधः को सिए; बहि/या
- (व) ऐसी किसी बाब वा किसी धन या बन्य बास्तियाँ को, विन्हुं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

वतः पव, उन्त वीधीनवन की धारा 269-ग के वनुसरण वी, वी, इन्त वीधीनवन की धारा 269-न की वन्धारा (1) के वधीय, निम्नलिबिक व्यक्तियों, वधीत् १--- (1) श्री राम बाबू गुन्ता पे० श्री विष्णु साव (2) गुरुचरण गुन्ता पे० राम बाबूगुता, सा० नेशवर, फुलवारी शरीफ थाना—फुलवारी, जिला—पटना

(अन्तरिक)

(2) श्री मूले नारायण खन्ना पे० स्व० शिव० नारायण खन्ना 7/73, तिलक नगर, कानपुर ।

(अन्तरिती)

को वह शूचना वाडी करके पृत्रांचल क्निलि से वर्षन से सिन् कार्यनाहियां सुक करता हो।)

बक्त संपर्ति को वर्णन को संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की बारी हुं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विन के भीतव उक्त स्थावर सम्बक्ति में हिन्न-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वादा अभीहस्ताक्षरी के बात सिक्ति में किए था सकेंगे।

स्थानकारुण ह—इसमें प्रयुक्त कार्कों और पहरें का है औं उपत अधिक्रियम में सम्याय 20-क में परिभाषित हैं। नहीं अभी होगा को अध्याय में दिया क्या हैंं।

वनुवृत्ती

जमीन जिसका रकवा 38.25 डेंगीमल है जो भीजा नौसा महाल सवज्युरा नौसा, थाना फुलवारी जिला—पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से विसका सं० 874 दिनांक 31-1-86 में विणित तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनोक: 12-8-1986

प्ररूप आइ⁵.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

नारत तरकार

कार्यास्य, सहायक नायकर नायुक्त (विराजिक)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 12 अगस्त 1986

निदेश सं० III/1368/अर्जन/86-87--अन: मुझे, दुर्गा प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ज़िसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अौर जिसकी सं० पार्ट प्लाट सं० 762 होल्डिंग सं० 722/401, वार्ड सं० 2, सिंकल सं० 6 है, तथा जो एक्जीवीणन रोड, थाना गांधी मैदान, जिला-पटना में स्थित है (अंदर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-2-1986;

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उजित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिकल के निए अस्तरित की नहीं ही जीर मुखे वह विश्वात अक्ष्म का कारण है कि मंत्रापूर्वोक्त सम्मित का स्वित बाजार अस्त्य, सस्के क्यमान प्रतिकत से, एसे क्यमान प्रतिकत अस बंद्ध प्रतिकत से अधिक ही और वंतर्क (वंतर्कों) बीट बंदिती (अन्तरितियों) के बीण एसे बन्तरण के निए तंत पाया गया प्रतिक कम् निश्निसित उप्रकेश से उन्त बंतरण स्वित से बास्तृतिक अस से अधित नहीं किया गया है है—

- (कां) कॅतरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त क्षिपिनयम को अधीन कार धीन को कन्दरात औ वावित्य में कभी काहने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/धाः
- (ग) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, चिन्हों भारतीय आयकर निर्धानयम, 1922 (1922 को 11) या उनत अधिनियम, या धनकर ठिधिन्यम, 1957 (1957 को 27) के योज्नार्थ निसीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

निता सव, उच्छ गरिंपिनियम की भारा 269-ग औं बन्सरक मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नि चित व्यक्तियों, अर्थात् ा— 12—256 GI/86 (1) गगन कोआपरेटिव हाउस कन्स्ट्रक्शन सोसायटी नि० द्वारा मचित्र मो० रियाजुद्दीन खान, सा० ग्रेड होटल प्रीमीसेज फेजर रोड, थाना—कोनवाली, जिला—पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्री वैद्यताथ खण्डेलवाल पे० स्व० श्री सस्य नारायण खण्डेलवाल, सा० मुशा लाहू बिल्डिंग, टावर चौक, दरभंगा।

(अन्तरिती)

को यह स्थान वारी करके पूर्वोद्धत सञ्पत्ति के वर्षन के सिध् कार्यवाहियां सुक करता हूं।

बच्च संपत्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवस्थि था तत्संवर्धा व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवस्थि, जो भी खबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्द्रथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के बार लिकित में किए जा सकाने।

स्पष्टिकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं सर्व द्वीगा, वो उस अध्याय में विका नवा है।

अनुसूची

गगन एपार्टमेंटस का पहली मंजिल के सम्पूर्ण फ्लैट सं० 104 जिसका रकवा 690 वर्गफीट है जो एक्जीबीणिन रोड थाना -गांधी मैदान, जिला---पटना में स्थित है एवं जो पूर्णरूप में विस्का मं० 1361 दिनांक 20-2-86 वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्राय्क्षन, (निरीक्षण) अर्जन रेंज,

पटना

दिनांक : 2-8-86

प्रारूप आर्ड्: टी एन एस _=----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यक्रय, सहायक कायकर वायुक्त (निर्देशक)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 12 अगस्त 1986

भावकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसकें इसके प्रकात 'उद्भत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन लक्ष्म पाधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० तीजी नं० 5403 थाना नं० 21, खाता नं० 459, प्नाट नं० 1597 हैं, तथा जो दानापुर, सहजादपुर, याना-दानापुर, जिला-पटना में स्थित हैं (श्रौर इसमे उपलब्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीक स्ति अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजिस्ट्रीक रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-2-86,

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का वारण हैं कि यथापूर्विक्स सम्पत्ति का स्वित बाक्तर कूख, उसके बच्चमान प्रतिक्ष है, एसे बच्चमान प्रतिक्ष को चंच्य हैं स्वत्र से अधिक है। बार संतर्भ (अंतरका) जार जंब-रिती (अंतरिता) जो बीच एसे अंतरण के निष् संय पास प्रवा ब्रिक्स, निम्मनिष्ठित उद्देश से उच्छ अंतरण विश्व में बार्सिक क्य यो किन्ति नहीं किया गया है है---

- (ंक) बन्तरण चेहुई किसी शल की नावतः छक्त बविनियद के स्थीप कर योगे के बेतरफ में प्रतिकत्व में स्था करवे या उससे बचने में सुविधा में बिए; महि/वा
- (व) ऐसी किबी जाव वा किसी भन ना वन्त जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर विधिनियम, वा धनकर वहीं किया नया था वा किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिएं।

- (1) श्री देवेन्द्र प्रसाद सिल्ला पे० स्व० गोपीनाथ सा० सुल्तानपुर, थाना दानापुर, जिला—पटना। (अन्तरक)
- (2) साकेत सहकारी गृह निर्माण समिति लि० द्वारा सचिव---जंगबहादुर, सिङ्गा, दानापुर, पटना । (अन्तरिती)

कार्य सूचका चारी कारके पूर्वोचक कुम्परित के गुर्वन के क्यू कार्यवाहियां करता हो।

उपक सम्मृतिः के अर्थम् के सम्बन्ध् में कोई भी बासीय् मन

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विव की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तारीक से 30 दिन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राप्तिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित के बहुव किसी अन्य व्यक्ति व्यास अभोहस्ताकारी के पास जिल्हा में किए जा सकें ने।

स्थानिकरणः— इसमें प्रवृक्त सन्यों और पर्यों का, यो उच्य विधिनिक्य को अध्याय 20 क में परिश्रापित हैं → बहुते वर्ष होता जो उस अध्यान में दिवा गया है ।

अनुसूची

जमीन जिसका रक्वा 7 कट्ठा है जो भी जा बानापुर-णहजाद-पुर, थाना बानापुर जिला-पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप सं से बासिका सं० 1449 दिनांक 24-2-86 में वणित हैं तथा जिसका निवन्धन जिला अवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक: 1?-8-86

मोहूर :

अतः अबः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्तः अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) **ने अधीयः, दिस्तीत्रद्वित व्यक्तियों, अभीत् ह**—- प्ररूप आहें.टी.एन.एस.,------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारः 269 च (1) के अधीन स्चना

THE BETTS

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 12 अगस्त 1986

निर्देश स० /1370/अर्जन/8७-87---अऽ मुझे, दुगः प्रसाद

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उकत अधिनियम'क हा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पाट प्लाट सं० 762 होर्ल्डिंग सं० 722/401, बार्क नं०, 2, सिकाल सं० 6, है, शथा जो एक्जी-वीशन रोड, थाना-गांधी मैदान, जिला-पटना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपलब्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिज्स्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-2-1986,

को पृष्टिक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से बाधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निवित्त भे बास्तविक कम से कियत नहीं द्रिक्त क्या है कि

- (क) शन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त श्रीधनियम के श्रीमृकर दोने के अन्तरक औ दायित्व में कमी करन मा उसस वचने में स्थिधा औं हैलए; और/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन मा बन्य आस्तियों, को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती व्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया आवा जाहिए था, कियान में सुविधा भी लिए;

बतः ववः, उक्त सीधीनवम की धारा 269-ग की बक्तरण भां, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उप्धारा (1) इं अधीन, निस्तिवित्ति व्यक्तियों, वर्षात् ः—— (1) गगन कोआपरेटिव हाउस कन्स्ट्रवशन सोसायटी लि० द्वारा-सचिव, मो० रियाजुद्दीन खां, मा० ग्रेण्ड होटल प्रीमीसंज, फोजर रोड, थाना कोतवाली, जिला-पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्री गणेश कुमार सिंह पे० श्री सीता राम सिंह सा० कदमकुआं, जिला—पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सम्मना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उभ अम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह

- (क) इस स्वाग के राजपण में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की बब्धि या तत्संबंधी क्यूक्तियों प्र स्वाप की तामील से 30 दिन की बब्धि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए जा इकोंगे!

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूर्वी

गगन एपार्टमेंटस का पहली मंजिल के सम्पूर्ण क्लैट सं० 102 जिसका रकवा 977 वर्गफीट है जो एक्जीवीशन रोड, थाना गांधी मैदान, जिला-पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से घसिका सं० 1478 दिनांक 25-2-86 में विणत है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 12--8--86

प्रकृष बाई . दी . एन . एस् . ह-----

भारा 269=भ (1) के अभीन सुकता

भारत सरकार

कायांच्य, सहायक आयकर जायुक्त (निर्दाक्षक) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 12 अगरत 1986 निदेशक सं ०।।।/1731/अर्ज न/86--867--निदेशक स० ।।।/1371/अजट्टन/86--87---अरु: मुझे, दुर्गा प्रसाद,

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिनकी सं० थाना सं० 21, तौजी सं० 5403, खाता सं० 459 लोट सं० 1584 एवं 1597 हैं, तथा जो मौजा दानापुर-णहजादपुर, थाना-धानापुर, जिला-पटना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपलब्ध अनुमुधी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-2-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान मित्रफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तद पाया गगा प्रतिफल के, निम्निसित उद्देष्य से उन्त अन्तरण सिवित में वास्त्विक कण से किथत नहीं किया गया है दि—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आज या किसी भन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था. छिपाने में सुविधा औं सुबार;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री योगेन्द्र प्रसाद सिह्ना पे० म्ब० स्व० गोपी नाथ सा० सूल्तानपुर डा०—शाना—दानापुर, जिला— (अन्तरक)
- (2) साकेत सहकारी ग्रेह निर्माण समिति लि॰ द्वारा सचिव, जंगवहादुर सिल्ला, दानापुर, जिला— पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कार्ड भी शाकींप हरू-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन की अविध या तत्संबंधी म्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविध, को भी अविध बाव में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थान्तयों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गक्त लिखित में किये जा सकी।

स्पष्टोकरणः ---इसमें प्रयुक्तः शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा क्यों उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रक्षा 31 1/4 डेंगीमल है जो मौजा दानापुर, जहजादपुर, थाना दानापुर, जिला-पटना में स्थित है एवं जो पूर्णरूप से वसिका सं० 1450 दिनांक 24-2-86 में विषत है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पटना के दारा सम्पन्न हुआ है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नि क्षिण), अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 12-8-86

धया 🐉 ः—

क्षा अर्थ है भी व स्थान प्रश्निक

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन बुजना

भारत सरकार

कार्यालय, बहायक गायकर नामृक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 12 श्रगस्त 1986

निर्वेश सं० $111/1372/\pi$ र्जन/86-87—-म्रतः मझे दुर्गा प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहां गया हैं), की भारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० तौजी सं० 5103- थाना नं० 21, खाता सं 459 प्लाट नं० 1584 है, तथा जो मौजा दानापुर-शहजाब्युर थाना दानापुर- जिला पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपलब्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पटना में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधिन दिनाक 24-2-86,

की पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई अदि मुक्ते यह गिरवास करने का कारण है कि यह यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण फे लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्विस उसुक्रेय

से उक्त अंतरण लिखित में वास्कविक रूप से कथित नहीं किया

- (क) सम्बरण वे द्वारी शिक्षी साथ भी बालका स्वय समितिसम्ब के स्वीत क्षाड रोगे के सम्बद्धक वी समित्य में क्ष्मी करने वा ब्रह्म बेला में स्विमा से सिए; बॉड/मा
- (क) एकी फिसी बाब या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय नाय-कर मुधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, वा वन-कर विधिनियम, वा वन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोषनार्थ अन्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया सवा या वा विवा जाना जाहिए था, किया से सुविधा के सिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर किनिश्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् ::-- (1) श्री सुणील कुमार सिह्ना पे० स्वर्ण गोपीनाथ सार सुल्तानपुर, डा०—पो० थाना दानाः, जिला—पटना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री साकेत सहकारी गृह निर्माण समिति लि० द्वारा मचिव श्री जंगवहार सिह्ना, दानापुर, पटना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के रिनए कार्यवाहियां करता हुं।

सम्बद्ध सम्पद्धि के बहुन के संबंध में कोई भी नाक्षेप हुन्न

- (क) इस सूचना के हाचपत्र में प्रकाशन की तारी हु है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (अ) इत् तृष्णा के राष्प्र में प्रकाशन की तारीश से 45 वित् के भीतर उनत स्थावर सुम्पक्ति में हित-क्ष्म किसी अन्य स्थावत इवारा, अभोहस्ताकारी के वास विश्वित के किए जा सकेंगे।

स्वाधिकरण्ड --- इतमें प्रयुक्त खुब्दों बाँड पूर्वों का, वो उक्क विभिन्नियम के बध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होगेर को उस अध्याय में दिवा पूर्वा हैं।

अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 5 कट्टा 15 धूर है जो मौजा दानापुर शहजादपुर थाना—दानापुर, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्णरूप से विस्का संख्या 1446 दिनांक 24-2-86 में विश्वित है तथा जिसका निबंधन जिला स्रवर निबंधिक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, हार, पटना

दिनांक : 12-8-1986

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 12, श्रगस्त 1986

निर्देश स० III/1323/ग्रर्जन/86-87--- मृतः मृङ्गे, दुर्गा प्रसाद,

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० थाना नं० 21, तौजी नं० 5403, खाता नं० 459 प्लाट नं० 1597 है, तथा जो मौजा दानापुर गह-जादपुर, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है (भीर इससे उपलब्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्षा अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 24-2-81, को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से इर्इ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए? और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजभार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए?

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्निकिषित स्विक्तयों, अधीम — (1) श्री भूपेन्द्र नाथ सिल्ला पे० स्व० गोपी नाथ सा० सुल्तानपुर, डा०——थाना—दानापुर, जिला— पटना ।

(भ्रन्तरक)

(2) साकेत सहकारी श्रृह निर्माण समिति लि० द्वारा सचिव जग बहार सिह्ना, दानापुर जिला-पटना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्लीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का जो उक्त अधिर नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

जमीन जिसका रकवा का 7 कहा है जो मोजा—दानपुर-शहजादपुर, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है एव जी पूर्णक्ष्प से विभिक्ता संख्या 1445 दिनांक 24-2-86 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला प्रवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुन्ना है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 12-8-86

प्रका बार्ड हो । एन । एस , नारानानान

श्रांक्कर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

वार्ताजन, सहस्वक जावफर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इस जो अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार बुक्व 1,00,000/-क. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० तौजी नं० 5486 खाता नं० 645, प्लाट नं० 109 है, तथा जो मीजा नौशा महाल शहबाजपुर नौशा, याना—फुलवारी, जिला पटना में स्थित है (भ्रीर इससे उपलब्ध अन्सूची में भीर पूर्ण पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 31-1-86, को पूर्णित सम्पत्ति के उचित बाबार मृष्य से कथ के स्थान नित्रक के लिए अन्तरित की गई है और मृजे यह विश्वास करने कृष्य, उसके द्वामान प्रतिफल से, एसे वश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से विधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब गया प्रतिफल, निम्मसिसित उद्योग से उकत अन्तरण किया गया है है—

- (क) बन्तरम से हुइ किसी बाब की, बाबत, उपत स्थिनियम के अभीन कर देने के जन्तरक के वायित्य में कमी करने वा उत्तते समने में तृथिया के जिए; सौद/का
- (का) इसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तिकों को चिन्हें भारतीय अगयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरही द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में तुविधा के निय;

बत: अब, उक्त जिविनियम की भारा 269-थ के जनुसरण बो, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के बधीए, निस्निजिक्त व्यक्तियों, वर्थात क— (1) श्री भ्रनान्द भुमार गृप्ता पे० राम बाबू गृप्ता सा०—डा० फुलवाड़ी जिला—पटना।

(अन्तरक)

(2) श्रो नालन्दा बिस्कुट कम्पनी प्राइवेट लि० द्वारा मूल नारायण खन्नापे० स्व०श्री शिव नारायण खन्ना

सा० 7/73 निलक नगर् कानपुर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता है।

जनत सम्बन्धि के अर्जन के सम्बन्ध में बरोब की नाबांप उ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनित बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीकर स्विक्तियों में किसी स्विक्त प्रकार;
- (व) इसल्बना के राजवन में प्रकाशन की तारीच है 45 विज के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्रबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच शिवित में किए वा सक्वीं।

स्वक्रीकरण: — इसमें प्रवृक्त खुक्तों और दर्शों का, जो उन्ने मिनियम, के मध्याय 20 के में परिश्रावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका यहा है:

अनुसूची

परती जमीन जिसका रकवा 12.75 दिशमल है जो मौजा नौणा महाल शहवाजपुर नौणा, थाना फलवाड़ी जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्णरूप से वसिका सं० 875 दिनांक 31-1-86 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला श्रवर निबन्धक पटना के बारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
मक्षम प्राधिकारी
सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण)
स्रजन परिक्षेत्र
बिहार, पटना ।

दिनांक : 12-8-1986

प्ररूप आहाँ , टी., एन., पुस :------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन सुमना

भारत सरकार

क्श्यांलया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 12 श्रगस्त 1986 निर्देण सं॰ III-1375/श्रजंन/86-87—श्रतः मृझे दुर्गा प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० तीजी सं० 558 नं० है तथा जो खाता सं० 126 सर्वे फ्लोट सं० 1115 (पी) थाना सं० 11 है तथा जो मौजा खोजेपुरा थाना गर्दनी बाग वर्तमान मास्त्रिनगर पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपालब प्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री कर्ता श्रीध कारी के कार्यालय पटना में रिजिस्ट्री करण श्रीधिनियम 1998 (1908 का 16) के ग्रधीन; दिनांक 19-12-85

को प्रोंक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिकल के लिए कम्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिकल से एसे स्रयमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिवित सब्देश्य से उक्त अन्तरण हैं लिवत में नास्तीकक रूप से कीशत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत ; उक्त नियम के जभीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए? और/वा
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अस, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण की, भी, उन्त अभिनियम की भारा 269-त की उपधारा (1) की अभोन, भिक्तार्ज्ञकत अभित्यमी, अमित् क्रिक्त

- (1) अभियन्ता गृह निर्माण सिमिति लि० द्वारा सिचव श्री विनोद सुमार मिंह सा० खाजेपुरा थाना गर्दनीक्वाग वर्तमान शास्त्री नगर जिला-पटना। (स्रन्तरक)
- (2) श्रशियाना कोश्रापरेटिव हाउसिंग सोमायटी लि० द्वारा सचिव श्री कामेश्वर प्र० सिंह फेजर रोड, थाना कोतवाली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके प्वेंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उथत सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनसर्ची

जमीन जिसका रकवा 13520 वर्गकीट अर्थात् १ कट्ठा 18 धूर 13 धूरकी हैं जो मौजा खाजेपुरा थाना गर्दनीवाग जिल्पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से विसका संल 8455 दिनांक 19-12-86 में विणित है तथा जिल्हा निबन्धन जिला अवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिल्का 12-8-1986

मीहर :

प्रकप वाहु^{*}.ट्री.एन<u>.</u>एस_{..}-------

नायकर निर्मानयक, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-क (1) के अभीन सूचना

माइत बरकार

कार्मासक, सहायक मायकर नायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन परिक्षेत्र बिहार पटना पटना, दिनांक 12 श्रगस्त 1986

निर्देश सं॰ ।।।—1376/प्रर्जन/86—87——प्रतः मुह्ने दुर्गा प्रसाद,

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार सूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० तौजी सं० 15मी थाना सं० 21 खाता सं० 776 खपरा सं० 991 है तथा जो मौजा दानगापुर-शहजादपुरी थाना दानापुर जिला-पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबन्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित में) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908

का 16) के अधीन दिनांक 7-12-85
को पृवींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के दश्यमान
प्रतिफल के शिए जन्तिरित की गई है जौर मूओं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापृवींक्त संपत्ति का लिखत बाजार
मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) बौर अंतरिती
(जन्तरितियों) के बौच ऐसे जन्तरण के सिए तम पाया गया प्रतिकस, जिम्नीसिंखत उद्देश्य से उन्तरण बन्तरण मिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण देहुई किसी जाय कीं, वाशत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के कंं∉क्क को दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, सा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के शिए;

जत: अर , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की खपधारा (1) के अधीन निम्निलियम क्यक्तियों, अर्थीत हि—
13—256G1/86

(1) श्री राजेण चन्द्र सिक्का पे० श्री रमेण चन्द्र सिक्क सा० गोला रोड दानापुर पो०—-धाना-धानापुर जिला-पटना ।

(ग्रन्तरक)

(2) विजय बिहार सहकारी गृह निर्माण समिति लि० द्वारा-सचिव कुमार घिरेन्द्र प्रताप सिंह सा० कुर्जी बालू पर थाना—दीधा छा० मदावत श्राश्रम जिला पटना ।

(अन्तरिती)

को वह ब्यान करने करने पूर्वीक्त संपृत्ति में वर्णन से जिल्ल कार्यकाहियां कुक करता हो।

इस्त संपरि के अर्थन के संबंध के सांबंधी के सरबंध अ--

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीय भी 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी स्थवित दुवारा;
- (थ) इत सूचना के राष्पण में प्रकाशन की तारीथ के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितवद्ध किसी कच्च व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वाक हिसकित में किस् जा सकोंगे।

स्यक्षीकरणः इतमें प्रमुक्त शक्यों और पर्यों का, जा स्थल क्षिपियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो सस अध्याय में दिया गया है।

जनस्यो

मीन जिसका रकवा 41 डेसीमल है जो मौका दानापुरणहजादपुर, थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है एवं पूर्ण रूप
से वसिका सं० 8155 दिनांक 7-12-85 में वर्णित है तथा
जिसेका निबंधन जिला ग्रवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

दिनांक : 12-8-1986

ग्रक्त नार्ष्ट्र की. १५० रुक्_{छ स} अ स स स स वायफ उ नीधीनवस, 1961 (1961 कर 43) की पाडा 269-व (1) के सधीन शुप्ता

भारत सरकार

कार्याक्षय, बद्दायक भावकर नायुक्त (निद्राक्षण)

श्रर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना पटना, विनांक 12 श्रगस्त 1986

निर्देश स० III-1377/ग्रर्जन/86-87--- अतः मुझे दुर्गा प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० तौजी नं 15 सी थाना नं 21 खाता नं 776 खसरा नं 988 (पार्ट) है तथा जो मौजा वानापुर- ग्रहजादपुर, थाना—दानापुर, पटना जिला स्थत है (ग्रीर इससे उपलब्ध ग्रन सुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रीध हारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम- 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 7-12-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओं यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का प्रतिफल का पंदह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरका अन्तरका और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एं डे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अ्ववेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मुधिनियम के बचीन कर दोने के बन्तरक के खिल्क में कमी करने या जलसे बचने में सुविधा के लिए; बौद्ध/या
- (का) एंसी किसी जाव वा किसी थव वा अन्य जास्तियों का, रेजन्ह भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, भा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा वै विश्वा

जतः शक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण औं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निकिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती धर्मणीला सिह्ना जीजे श्रीरमेण चन्द्र सिह्ना सा० कोलारोड दाना पुर, धाना---पो०-दानापुर, जिला पठमा

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीविजय विहार सहकारी हाउसिंग कोम्रापरेटिय लिमिटेड द्वारा सचिव कुमार विरेन्द्र प्रताप सिंह, सा० कुर्जी बालू-पर, थाना दीघा, डा० सदाकत ग्राश्रम जिला-पटना ।

(श्रन्सरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त वस्परित वह वर्षन के जिल्ल कार्यवाहियों करता हूं।

इक्त सम्पत्ति में वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप हु---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि वा तत्त्रस्वन्धी स्पन्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो और अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रॉक्ट स्पन्तियों में से किसी स्पन्ति ह्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्मत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा कभोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गका है।

अनुसूची

जभीन जिसका रकवा 30 हैसिमल है जो मौजा दानापुर-शहजादपुर, थाना दानापुर, जिला-पटना में स्थित ई एव जो पूर्ण रूप से बसिका स० 8154 दिनांक 7-12-85 में बिणत है । जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 12-8-86

मोहर

मक्ष बाह् दी पन एस उन्नानन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाख 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 12 श्रगस्त 1986

निर्देश स' । III-1378/म्पर्जन/86-87---- प्रतः मुझ, तुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी में थाना मंं 12, तीजी सं 595, खाता मं 538 (पार्ट) है, तथा जो मौजा कुम्हरार, थाना—सुल्नानगेम्ज, जिला पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपलब्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 15-2-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का यदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा केलिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्पों, अर्थात् :——

(1) श्री राम बूक्ष यादव पे० स्व० राजा भगत सा० पत्थर की मस्जिद, थाना सुल्लानगंज जिला-पटना।

(भ्रन्तरक)

(2) सेवा निकेतन सहकारी गृह निर्माण समिति लि० द्वारा सचिव श्री विरेन्द्र कुमार, पटना । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिदा गया है।

ग्यूपी

जमीन जिसका एकब 24 1/4 डेसिमल है जो मौजा कु:हरार, थारा-मुलतानगंज, जिला-पटना में स्थित है एवं जो पूणक्ष अवस्थित संव 1187 दिनांक 12-2-86 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पटना दुर्गा के द्वारा सम्पन्न हुन्ना है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम आधिकारी सहायक आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 12-8-86

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 12 श्रगस्त 1986

निर्देश मं० III-1379/श्रजंन/86~87--श्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

शायकर सिंधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाखार मृस्थ 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० थाना सं० 28, तौजी सं० 5170, खाता सं० 4, प्लाट सं० 137 है, तथा जो मौजा जलालपुर, थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है (ग्रीट इससे उपलब्ध अनुसूची में श्रीरपूर्ण कृप से विणित है), रिजिस्ट्री कित्ती श्रिधकारी के कार्यालय पटना में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 4-2-86,

को पृषेक्ति सम्मिति को अचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एग्से दृश्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया बित्फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में भास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) उत्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में स्विधा के सिए; वरि/या
- (भ) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (195: का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

सरफ । बन्न उक्त अधिनियंग की धारा 269 म के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियंग की भारा 269 व को उपधारा (1) को अधीन निस्तिवित स्वक्तिकार अधीक क्रमान

- (1) श्रो श्रशोक कुमार सिंह पे० स्व० परमा नन्द सिंह सा०-जलालपुर, थाना दानापुर, जिला-पटना । (अन्तरक)
- (2) बिसरास सहकारी गृह निर्माण समिति लि० द्वारा सचिव उपेन्द्र मण्डल पे०स्व० शिवधारी मंडल सा०-उत्तरी श्री कृष्णापुरी, पटना । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहिः करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए----

- (क) इस सूचना को राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी क्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किया क्यों कर बास किया क्यों किया क्यों के पास सिंखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५६ शहर, को उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

जमीन िसका रकवा 8 कट्ठा 17 धूर 5 धूरकी हैं जी मीजा जलालपुर, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप विभिन्ना सं० 918 दिनांग 4-2-86 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला भ्रवर निबन्धक पटना के ढारा सम्पन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण), श्रर्जन परिक्षेत्र, यिहा∵, पटना

दिनांक : 12~8~8**6**

प्रस्य बाद' वदी व्यव प्रस्व ------

भागकर नाभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के व्योव क्ष्मा

भारत सरकार

कार्यास्त्र, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 12 अगस्त 1986

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (चिन इसके इसके वस्कात् 'उक्त जधिनियम' कहा गया हैं), की श्राच 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काइन हैं कि स्थाबर सस्यत्ति विसका अधित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिकात सं क्रीधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्षदेय से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप स कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बनायन से हुई किसी नाम की नामस् , सनत निध-नियम के बधीन कर देने के बनायक के तासित्य में क्रमी करने या उत्तरे नक्तने में तृतिभा के लिए; बीर/बा
- (वा) एंसी किसी जाम या किसी भन या अन्य वास्तिकों कर्त त्रिन्ति आगरतीय आगरत निर्धानस्था, 1922 (1922 का 11) या उक्त गरिक्तियन, वा अपकार अधिनियन, वा अपकार अधिनियन, वा अपकार अधिनियन, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ जन्मरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया सवा ता या किया बाना आदिए गा. कियाने के सुविधा के सिक्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र-- (1) अभियन्ता गृह निर्माण गमिति लि० द्वारा सिष्य, श्री विनोद सुमार सिंह, सा० खाजेपुरा, थाना गर्दनी-वाग, जिला—पटना ।

(अन्तरक)

(2) अशियाना कोआपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लि॰ द्वारा सचिव श्री कामेश्वर प्रसाद सिंह, गा॰ फेजर रोड़, थाना -कोतवाली, जिला--पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (थ) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन को तारीं के के 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भ किसी सम्पन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकों ने ।.

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त कक्वों और पर्वों का, जो जक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीनमा कम्पाउण्ड वाल तथा टीन श्रैंड स्ट्रीकयर के साथ जिसका रक्या 16 कट्टा 18 धूर 19 धूरकी है जो मीजा खाजेपुरा थाना गर्दनीयाग, जिला-पटना में स्थित रेएवं जो पूर्ण रूप से दोसका सं० 8454 दिनांक 19-12-8 में विणित र तथा जिस गानिबन्धन जिला अवर निबन्धक पटा भे द्वारा सम्पन्न हुआ रें।

दुर्ग प्रसाद सक्षम प्रधिकारी, सहायक आयकर अधुक्त, निरीक्षण अर्जन परिक्षेत्र, बिहर, पटना

दिनांक : 12-8-86

प्ररूप कार्र्ः टी. एव . एस ..-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्दोश सं० III- 1381/अर्जन/86-87---अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद.

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने परेनात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाचार मुक्स 1,00,000/- रु से विभिक्त हैं

श्रांर जिसकी सं० पार्ट लाट सं० 762 होल्डिंग सं० 722/401, बार्ड सं० 2, सिंकल मं० 6 है, तथा जो एक्जीबीशन रोड, थाना—गांधी मैदान, जिला पटना में स्थित हैं (श्रांर इससे उपलब्ध अनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप से विणत है), रजस्टी-कर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिक्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-4-86, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान शितफल के थिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विज्यास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्तइ प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितवीं) से बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितिवीं) से बीच एसे अन्तरक के किए ठव नाया क्या इतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित को वास्थिक रूप से किथत वहीं किया क्या हो —

- (क) बन्धरण वंह्यं किसी नाम की बाबसाः अक्स जिम्हीनयन के अभीन कर दोने के बन्तरक के वायिरण में कमी करने या उससे बनने में सुविधा को निष्ठ; वरि√वा
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, रिवन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनयम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वार प्रकट वहीं किया थया था या किया आना पाहिए था, स्थिपन में सुविधा के सिन्हः

बरः मंग, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण वी, मीं, बक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के वधीन्, निम्मनिविद्य व्यक्तियों, वर्धाव्यक्त- (1) गगत को आपरेटिश हाउस कन्सट्रव्यान सोसायटी लि० द्वारा सचिव मो० रियाजुद्दीन ह खान, मा० ग्रेण्ड होटल प्रीमीसेज फेजर रोड, थाना— कोतवाली, जिला—पटना ।

(अन्तरकः)

(2) कुमारी सुमिता कुमारी पिता—स्व० जय लाल साह सा० एस० पी० वर्मा रोड, थाना कोतवाली, जिला—पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अदिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है नै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दिकरणः — इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गगन एपार्टमेंटस का मातवी मंजिल के सम्पूर्ण फ्लैट सं ० 701 जिसका रक्ता 1004 वर्ग फीट है जो एक्जीवीशन रोड़, काता—गांधी मैदान, जिला—पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से विस्ता सं० 2597 दिनांक 9-4-86 में विजित है जिसका निबन्धन जिला अवर निधन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 12-8-86

मोहर 🗯

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 12 अगस्त 1986

निवेशक सं० III-1382/अर्जन/86-87--अतः मुझैं, बुर्गा प्रसाद,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके पश्पात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की चारा 269-च के अधीन सक्षम प्रतिधकारी को यह विस्तास करने का कारक है कि स्थाबर संस्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पार्ट प्लाट सं० 762 होस्डिंग सं० 722/401, बार्ड सं० 2, सिंकल सं० 6, है, तथा जो एक्जीवीशन रोड, थाना गांधी मैदान पटना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपलब्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण लप से बिंगत हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांच 13-3-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्वकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित कावार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान क्रिक्त के गंदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विश्वित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया वया है है—

- (क) अन्तरच चे हुइ किसी बाव की वान्ता, अकत जिथिनियम के जभीन कर देने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी मान ना किसी भन या क्या कारितनों सो, जिन्हों नाएतीय आय-केर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनयम, या भन-कर अभिनायम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया थना वा ना किया जाना भाहिए था, छिपाने में ब्रिक्श स्विभा में लिए;

अतः जमः, जन्त निभिनियम की भारा 269-न के जनुबरम को, मी, उनत निभिन्नम की भारा 269-न की उपभारा (1) को अभीन, निम्मलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) गगन कोआपरेटिव हाउस कन्स्ट्रम्शन सोसायटी लि० हारा सचिव,पो० रियाजुहीन खां, सा० ग्रेण्ड होटल प्रीमीनज फेजर रोड, धाना—कोतबाली, जिला— पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्री महावीर प्र० अग्रवाल पे० स्व० श्री मन्ना लाल अग्रवाल सा० भोपाल का निवास, वोरीग कनाल रोड, था० वुद्धा कालोनी, पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां बुरु करता हूं।

खन्त सन्परित से नर्पन के संबंध में कोई भी बाक्रेप p---

- (क) इ.च स्था के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की नगीं। या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जविश बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्यस्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पर्यों का को उपक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिवा वया है।

अनुसूची

गगन एपार्टमेंटस का चौथी मंजिल के सम्पूर्ण फ्लैट सं० 401 जिसका रकवा 1004 वर्ग फीट है जो एकजीवीशन रोड, थाना गांधी मैदान, जिला-पटना में स्थित है एवं जो पूर्णरूप से वसिका सं० 1962 दिनांक 13~3-86 में वॉणत है तथा जिसका निवन्धन जिला अवर निवन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जेन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 12-8-86

प्रकथ् बाह्री दी ध्रम । म्ब -----

नायकः विधित्तियमः, 1961 (1961 का 43) की राज्य 269-व (1) वै नधीन स्वनः

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 12 अगस्त 1986

निर्देण सं० III/1383/अर्जन/86--87--अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें प्रचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हीं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं क्वाता सं 27 त्यस्या सं 987, 983 थाना सं 27, तौजी सं 11/606हैं, तथा जो मौजा दानापूर, शाहजादपूर थाना दानापुर जिला—पटना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपलब्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7-12-1985,

को प्राेंक्स संपरित को उपित बाबार मुस्य से कम के दश्यमान मितिफल को लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्राेंक्त सस्पति का उपित बाबार मूल्य, उसके शब्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय वासा प्रतिफल हैं नस्निलिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कथ से क्रिक्त नहीं वाया गया है है—

- (क) फ़ल्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या

स्तः अव, उक्त जीधीनयम की भारा 269-ग के जनुसरक अ, म, उक्त जिथिनियम की भारा 269-च की उपभास (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री बादू महतो पे० स्व० जयगोविन्द महतो सा० गावतल, थाना----वानापुर, जिला-पटना । (अन्तरक)
- (2) विजय विहार सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड द्वारा सचिव, कुमार विरेन्द्र प्रताप सिंह, सा०-कुर्जी बालू पर, थाना दीषा, जिला-पटना । (अन्तरिती)

का सह त्यना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्षन् के निष्
कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्थन् के संबंध में कोई भी नाक्षेप् ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच धी 45 दिन की जबिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की धामील से 30 दिन की जबिभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों भें से किसी करिस्त द्वारा;
- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशक की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितककृष किसी जन्य व्यक्ति व्याप , अभोहस्ताक्षरी के वास निवित्त में किए का सकेंगे।

स्याचीकरण:----धसमें प्रयावत सन्दों बाँद पदों का, वा सबस्य अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, नहीं वर्ध होंगा जो उस मध्याय में दिया चुना हैं।

वन्स्ची

जमीन जिसका रकवा 54 डेसिमल है जो मौजा दानापुर शहजादपुर, थाना-दानापुर, जिला-पटना में स्थित है एवं जो पूर्णरूप संवसिका सं० 8153 दिनांक 7-12-85 में विणत र तथा जिसका निबन्धन जिला अवर, निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त, निरीक्षण अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 12-8-86

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन क्षना

WILL GERM

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 12 ग्रागस्त 1986

निर्देश सं० III/1384/ग्रर्जन/86-87-प्रतः मुझे ु दुर्गा प्रसाद,

नावकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें ≰सको परशात् 'उक्त अधिनियम' कहा गयाह"), की **धा**रा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार ज्ञा 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० थाना सं० 12, तौजी सं० 595, खाता सं० 358, प्लोट मं० 274 (पार्ट) है, तथा जो मीजा कुम्हार थाना सुल्तानगत, जिला-पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपलब्ध श्रन्भुची श्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रिकस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्याल य पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 (1908 16) के श्रधीन, दिनांक 15-2-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से अधिक वाकार मृत्य के कम के कव्यमान वितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि ग्रंथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके व्यममान प्रतिकल से, एसे व्यवमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-न्ति (अंतरितियाँ) के बीच एते जंतरण के सिए तम पाया पया प्रतिपक्षा, निम्नसिक्षित् उद्देश्य से उद्युष्ट बंदारण विकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नंतरक से हुए किसी भाग भी बानवा, खनव बर्डेच-विषय के अधीन कर देने के अंतरक के वाधित्य में कभी करने वा उससे बच्चे में सुविधा के सिए; बरि/फ
- द्य) एंसी किसी काव या किसी थन वा जन्त वास्तिवाँ को जिन्हें भारतीय जानकर बीवनिवन, 1922 (1922 का (1) वा उक्त अधिनिवस, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की त्रयोजनार्थं बंतरितौ दुधारा प्रकट नहीं किया नया था या विक्रमा जाना चाहिए भा, छिपाने के बुव्यिक्षा के सिय:

अक्त: कब, उक्त अधिनियंभ की भारा 269-म के बन्हरूक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--4-256 GI/86

(1) श्री राम लखन यादव पे० राजा भगत, सा० पत्थर की मसजीद, थाना--स्हतानगज, जिल्रा--पटना

(श्रन्तरक)

(2) सेवा निकेशन महकारी गृह निर्माण समिति लिमिटड ब्रारा सचिव, विरेन्द्र कुमार, पटना

(श्रन्यरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोंक्त सम्मत्ति के बर्वन के लिख् कार्यवाहियां शुरू करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के तत्वन्थ में कोई भी वाक्षेप 🛶

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराच से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 श्रीपविषय से श्रीम् कर दोने से बन्तहरू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी 🕏 राष्ट् क्षिचित्त में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही है, यही वर्ष होगा को उस व्ध्याय में विका नवा 🖆

जमीन जिसकारकबा 241/4 डीसमल है जो मौजा कुम्हारार, थाना-सृत्वानगत, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूण रूप से वसाल र्मे । 188 दिनांक 15-2-86 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला श्रवर निबन्धक पटना के ब्राग सम्पन्न हुआ है।

> दुंगी प्रस≀द सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आय्क्स, निर्दाक्षण श्रर्जन पश्कित, विहार, पटना

दिनांक : 12-8-86

प्रकल बार् ्टी. एत. एस : ------

बावकर मुचिनियम, 1961 (1961 का 43) मी बादा 269-म (1) के मुधीन सुप्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन परिक्षत्न, बिहार, पटना पटना, हिनांक 12 ग्रगरत 1986 निदेशक स० ॥-1385/ग्रर्जन/86-87--ग्रतः मुझे, बुर्गा प्रमाद,

सायक जिम्मिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्व के अधीन स्थाम प्राधिकारों को यह निववास करने का सारव हैं कि स्थावर बन्धिता. विस्का उचित् बाबार मूक्य 1,00,000/रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० थाना सं० 11, तौजी सं० 303, खाता सं० 355, प्लाट सं० 613, है, तथा मीजा संदलपुर सुल्तानगंज, जिला पटना में स्थित है (ग्रीए इससे उपलब्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के ार्यालय पटना में एडिस्ट्रीयरण श्रिधिनरम

को पूर्वे किए संपृत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्वें कित सम्परित का उचित बाजार सूक्ष्म, उसके अवकान प्रतिकत सं, एसे क्ष्यमान प्रतिकत का वंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (बंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) वन्तरण से हुई किसी बाव का वावत, उक्त प्रविक्षित के व्यक्ति कार वाने के वन्तरक क वार्यस्य के क्षारी कार्य या समुग वचने के गांकका के ज़िल्ह महिन्दा
- (ह) वृक्षे किसी बाद वा किसी अस या अस्य आस्तियों का कि किसी बाद वा किसी अस का अस्तियों का कि किसी किसी किसी मा अनकर अधिनियम या अनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म', में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन , निम्निसिस्त स्पॅस्टियों, अधीस्

- (1) श्री पाम देवक महतो (2) जगन महतो उर्फ जगनारायण गहतो पेलसरान मोहन मोहती, साठ संदलपुर, थाना मुहाननंज, जिला-पटना । (ग्रन्तरफ)
- (2) मुल्तानगंत्र सहसारी गृह निर्माण समिति लि० हारा पिच्य, मो० सभीर श्रहमद, मा० दरगाह रोड, मंडई, डा० महेन्द्र, पटना ।

(अन्ति गिती)

को बहु स्वना बारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यकार्रहम करता हूं।

उपत शब्दक्ति की बर्जन की तस्वत्य में कार्य भी जायोग :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तार्षि से 45 दिन की अनिध या तरसंबंधी स्वीत्तवों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अनिध, को भी जनकि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्त करिल्टों में ने जिस्ती स्विभन मृदाना:
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्क किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाधीकरणः - इतमे प्रयुक्त सन्धी कीर पर्यो का_{ति} जी संबद्ध स्वीप्रिवृद्ध_{ति} के सुभाव 20-क में प्रिशापिक ह_{ित} बड़ी वर्ष होगा को उस सभ्याय में विका सबा हों।

प्रनसूची

जमीत जिसका रकबा 20 डिशमल है जो मौजा सन्दलपुर, थाना-सुद्धानगंत्र जिला-पटना से स्थित है एवं जो पूर्णरूप से विणिका मी० 5587 दिनांक 11−12−85 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्ग प्रमाद यक्षम प्राधि हारी, निरोक्षक महायक ग्रायकर श्रायक्त, ग्राजन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 12-8-86

प्रकृत आहु । हर्ने पुन् पुन् ।

कासकारु जीधनियस, 1961 (1961 का 43) की धार्च 269-स (1) ऋँ जधीन सूचना

SIEG SERIE

कार्यामय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 12 श्चरस्त 1986

निदेशक सं० III-1386/म्रर्जन/86-87--मृत: मृझे, दुर्गा प्रसाद,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसवें इसके परवात 'उकत विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269- के विधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० होल्डिंग सं० 549/249/218, एम० एस० प्लाट सं० 743, तौजी सं० 205, शीट स० 31, हैं, तथा जो बाई सं० 2/10, प्रार० के० भट्टाचार्या रोड, थाना गांधी मैतान, जिला—पटना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपलब्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 15-1-86,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का बरण है 'क यभापूर्वोंक्त सम्पति का उचित याजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्दाद्रक् से हुई किसी काय की नागत्, उनतः विभिन्निय के बभीन कर देने के बन्दारक के क्षितिस्थ में कन्ता करने या उससे बचने में सुविधा की सिष्ट; बीर/था
- (ख) एसी किसी नाव या किसी धन या नन्य जास्तिको को, किसू भाउतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्व का 27) जे अयोजनार्थ अन्ति इति धुनार्य प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना चिहिए था, खिपाने में मुविधा है सिए;

बसः श्रव, उन्त विधिनियम की धारा 269-न की नमुत्ररण हो, हो अध्यत विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बाग्रेन, निकाशिविक व्यक्तिकों, कर्णाक् ध----

- (1) श्रीमती गीता गुप्ता जीजे प्रवीर मोहन गुप्ता सा० एस० डी० 7 गोल्फ ग्रीन कलकत्ता, वर्तमान पता—श्रार० के० भट्टाचार्या रोड, पटना । (श्रन्तरक)
- (2) श्री मारूती वोश्रापरेटिव हाउमिंग मोसायटी प्राइबेट लिमिटेड द्वारा सचिव, ग्रजय कुमार सर्पाफ पे० तिरण लाल सर्पाफ, एक्जीबीशन रोड, पटना ।

(अ्रन्तिरितीः)

को यह सूचना कारी कारके पूर्वोक्य संपृत्ति में वर्षण् में विश्व कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोंद्र भी बास्तेप व---

- (क) इस सूचना कें ताजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की व्यविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृत्रना की तामीस से 30 दिन की व्यक्तियों सो से व्यक्तियों हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की सारोब में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिस-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति य्वारा अभोहस्ताक्षरी के गास सिविशत में किए वा सकोंगे।

स्पद्धीकरण्ड---ध्समे प्रयुक्त धब्दों और पत्नों का, और हक्त विधिनियम के वश्याय 20-क में परिभाविक ही, यही वर्ध होगा को उस अभ्याय में विधा नवा ही।

अनुस्ची

पुराना मकान श्रार० के० भट्टाचार्या रोष्ठ, याना गांधी मैदान, जिला पटना में स्थित है जो पूर्णरूप से वसिका सं० 312 दिनांक 15-1-86 में वर्णित है तथा जिसका निवंधन जिला श्रवर निवन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षण सहायक ग्रायकर ग्राययक्स, ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 12-8-86

व्यक्त महाँ हो । एत् । एक ----

बायकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की थाडा 269-क (1) में बधीन सूचना कारत बाज्यार

कार्याज्ञव, सहायक भागकर आयुक्त (विरोक्षिण) ग्रर्जन परिक्षत्न, विहार, पटना

पटना, दिनांक 12 अगस्त 1986

निवेशक सं० III-1387/श्रर्जन/86-87--श्रतः मृझे, दुर्गा प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इत्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का हारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. को अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० थाना सं० 12, खाता सं० 538, प्लोट सं० 274, है, सथा जो मौजा कुम्हरार, थाना मुल्तानगंज, जिला-- पटना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपलब्ध अन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-2-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमाय प्रतिफल के सिए मंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त लंगित का जिलत बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से क्षिक है नीर मन्तरक (मन्तरका) नीर मन्तरितीं (मन्तरितियाँ) के बीच ऐसे चन्तरण की जिए तय पाया चवा प्रतिफल, निम्मसिक्ति उद्देश्यों से क्ष्यत् मन्तरण निरोक्त है बास्टिक्क रूप से कन्तिक बहुते किया गया है है—

- (क) बन्दहरू हे हुए किसी बाद की बादश्व, क्या विश्विद्य के ब्रुपीन कर बादे के बन्दर के दिवस में क्या करने मा अससे बजने में सुनिधा के जिए; श्रीह/वा
- (क) इसी किसी बाप वा किसी धन या अन्य आसिसयों के जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वें प्रयोजनार्थ अन्तिरती इनाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान में सुनिधा के लिए?

बक्रा निकृतिका विभिनित्रमं की धावा 269-ए के अनुसरक में, में उसत विभिनित्रमं की धारा 269-ए की उपभारा (1) है बधीन, निकासिका व्यक्तिकों, स्थापि ए--- (1) श्रामनो मसोनात रामकली देवी जीजेस्व० सम्हदेव गोप सा० पत्थर की मसजिद, श्राना—सुलतानगंज, जिला—पटना।

(ग्रन्तरक)

(2) सेवा निकेतन सहकारी गृह निर्माण समिति लि० द्वारा सचिव, श्री विरेन्द्र कुमार, पटना । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वासोप ह—

- (क) इस सूचना के एजएत्र में प्रकाशन की तारी व र्ष 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए या सकी थे।

ह्मकाकिएम: — इसमें प्रयुक्त कर्मा और पतों का, भी उपत विश्वियम के वश्याद 20 के में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस वश्याय में दिया भूता हैं॥

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 24 1/4 डिसमल है जो मौजा कुन्दरार, थाना सुलनानगंज, जिला-पटना में स्थित है एवं जो पूर्णरूप से वसिका मं० 1419 दिनांक 22-2-86 में विणत है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

> दुर्गाप्रमाद, सक्षम प्राधिकारी निरीक्षक सहायक श्रायकर श्रायक्क, श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 12-8-86

प्राक्य नाइं<u>दी एन एक</u> (अस्थानसम्बद्धानाम

बायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 ध (1) जो नधीन सचता

भारत सरकाड

कार्यान्त्रः, त्युन्क आर्क्ट बान्क्स (रिस्टीका)

श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 12 श्रगस्त 1986 निदेणक सं० III-1388/श्रर्जन/86-87-न्य्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० थाना सं० 12, तीजी सं० 595, खाना सं० 538, प्लाट सं० 274 (पार्ट) है, तथा जो मीजा कुम्हरार थाना मुरानगंज, जिला पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुख्वी में ग्रीर पूर्णस्य में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 15-2-1986,

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम क रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है जौर मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि सभापनोंक्त सम्मति का उचित बाजार मृत्य, इसके रहयमान प्रतिकाल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्दह श्रीतशत से अधिक है जौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (शंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बल्लाह्न में हुई किसी बाग की बादला, उनक बांगितियम की मुनीन कर बोने के बन्दाहक की सांजित्य में कभी करने या उससे बचने में वृत्तिमा को स्थिए; शरि/या
- (क) एकी किसी बाद या किसी क्य वा वस्त आरित सों को जिन्हों भारतीय जाय-कर जिनित्त्रका, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जिनित्त्रका, या वन-कर जीपनित्रका, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च जन्ति दिती बुवारी प्रकट नहीं किया गया था या किया काना जाहिए था, क्रियाने के सुविधा की जिल्ला

(1) श्री सुरज्ञ प्रसाद यादव पे० स्व० कन्हाई भगत सा० पत्थर की मसजिद, थाना सुल्तानगंज, जिला पटना।

(ग्रन्तरक)

(2) सेवा निकेतन सहकारी गृह निर्माण समिति लि० द्वारा सचिव श्री विरेन्द्र कुमार पटना (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्मति के वर्षण के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के रावपण में प्रकाशन की तारीय वं 45 दिन की जबिध या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवास;
- ((ज)) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति इंगरा अभोहस्ताक्षरी के शक्ष लिखित में किए जा शक्षेत्र ।

स्याद्यकित्त्रः --- स्थामं प्रवृत्ता सम्यां शहित प्यां का, या तयस्य स्थितियम को सभ्याय 20 का में परिभाषितः हैं, यही स्थिति होना स्था तय स्थाय में विकास स्था हैं Ш

शनसर्ची

जमीन जिसका रकबा 24 1/4 डीसमल है जो मौजा कुम्हरार थाना सुल्तानगंज, जिला-पटना में स्थित है एवं जो पूर्णरूप से विकास संव 1186 दिनांक 15-2-86 में विजित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुन्ना है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षण सहायक श्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भौ, मी, क्ष्मत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निस्तिविद्यत व्यक्तियों, अर्थात् ध---

दिनांक: 12-8-86

प्ररूप् आई.टी.एन.एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ম (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 12 ग्रगस्त 1986

निदेशक सं० /1389/श्रर्जन/86-87--श्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अपित जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर िसकी संव थाना 28, तीजी संव 5170, खाता संव 137 है, तथा जो मौजा जलालपुर, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपलब्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 6-3-1986,

को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यान प्र फल को लिए अंतरित की गई है और मृत्रों यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रा !तिष्रात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित। (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रित्यक शेनम्नलिखित उव्योध्य से उन्त अन्तरण लिखित मे साहशाबक रूप से कथित नहीं किया गया है %——

- ृंक) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं ाकया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

ब्राः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ३०००

- (1) श्री राम ग्रन्थ्रह नारायण सिंह पे० स्व० प्यारे सिंह सा० अलालपुर, थाना—दानापुर, जिला—पटना (ग्रन्तरक)
- (2) विशारास सहकारी गृह निर्माण समिति लि० द्वारा — सचिव, उपेन्द्र मण्डल पे० स्व० शिवधारी मंडल मो० श्रो कृष्णापुरी, जिला——पटना। (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति की वर्णन और निकर्क कार्यवाहियां करता हूं।

वक्त कम्परित के बर्जन के क्षम्बरण में कोई भी बार्जप ह---

- (क) इस नुवना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 विम् की नवीभ या तत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पड़ जूबना की तामीन से 30 विन की जबिध, को भी जबिध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बूबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी मृन्य क्यन्ति द्वारा अधोहस्ताक्री के पास सिचित में किए का स्केपी!

स्पष्टीकरण :-- - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया भूगा है।

अनुसूची

जमीन जिसका रक्षा 8 कट्ठा है जी मौजा जलालपुर, थाना दानापुर जिलापटना में स्थित हैं एवं जो पूर्णरूप से वसिका सं० 1766 दिनांक 6-3-86 में वर्णित हैं तथा जिसका निष्कन्धन जिला स्रवर निबन्ध ह पटना के द्वारा [सम्पन्न हुस्रा है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक: 12-8-1986

इक्ट बार्ड्र दी_ल एन , एक _{रूप से} से सम्बद्ध

बावफद्र ब्रीच्रिवयम, 1961 (1951 का 43) की पाय 269-व् (1) के अधीन सूचना

STATE STATE

कार्यासम, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन परिक्षव, बिहार, पटना पटना, दिनांक 12 श्रगस्त 1986 निदेशक सं० III-1390/श्रर्जन/86-87-श्रतः मृझ, दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को वस्य 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पार्ट प्लाट सं० 762 हो लिंडग सं० 722/401, वार्ड सं० 2, सिकल सं० 6, है, तथा जो एरजीवीणन रोड, थाना—गांधी मैदान, जिला—पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपलब्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्णक्ष में बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीश्व को कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनथम 1908 (1908 का 16) के श्रयीन, दिनांक 6-2-86,

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-2-86, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया शतिफल निम्नसिवित उद्देश्य हो उन्तर अनुसरण विवित में पास्विक इन से अधिक कहीं किया नवा है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा में किए; भीर/मा
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वाच प्रकट नहीं किया अया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा में जिस्हा;

बत्तः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-म को अनमरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) से बधीन, निम्निनिवित व्यक्तियों, अर्थात २(1) गगन कोआपरेटिव हाउस कन्सट्रक्शन सोसाइर्टा लि० द्वारा सचिव, मो० रियाजुद्दीन खान, सा० ग्रेड होटल प्रीमीसेत्र फेजर रोड, थाना कोतवाली, जिला—पटना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रदीप कुगार शान पे० श्री ग्रर्जुन प्र० अग्रवाल मा० सब्जीवाग, थानापीरवहीर, जिला--पटना। (ग्रन्तरिती)

को वह श्रुचना चारी कारके पूर्वोक्त वस्पत्ति के सर्वात के हैंसप कार्यनाहिनां कारता हो।

उक्त बुम्युलि के व्यंत् के सम्बन्ध में कोई पी नाक्षेप :----

- (क), इस ध्यना के रावधन में प्रकशन की तारील है 45 दिन की नवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वस्थि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थितताों में से किसी स्थित बुवास;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में श्रेकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हिराबब्ध किसी बच्च व्यक्ति क्वारा क्योहस्ताखदी के पास लिखित में किए जा सकीगें।

स्वच्छीकरण: ---इतमें प्रयुक्त शब्दों भारि वदों का, जो उक्त अधिनियम के क्ष्याय 20-क में वर्षिमाणित हैं | बही अर्थ होगा और उस कथ्याय में दिवा गया है।

अमुस्ची

गगन एपार्टमेंटम का पांचवी मंजिल के सम्पूर्ण फ्लैंट सं० 503 जिसका एकचा 786 वर्ग फीट है जो एक्जीबीशन रोड, थाना—गांधी मैदान जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से बिसका सं० 962 दिनौंक 6-2-86 में वर्णिम है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रमाद मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकार श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजीन परिक्षक्ष, बिहार, पटना

दिनांक : 12-8-86

प्रकप् वार्षः सी. एनः एतः ------

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

प्रारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरामण)

श्चर्जन परिक्षेष, बिहार, पटना पटना, दिनांक 12 श्चरस्त 1986 निदेशक मं० III-1391/श्चर्जन/86-87--श्चतः सुझे, प्रिमाद,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्रवास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पार्ट प्लाट सं० 762, होस्डिंग सं० 722 401, वार्ड सं० 2, सर्विल सं० 6 है, तथा जो इक्जीवीणन रोड गांधी मैदान, जिला—पटना में स्थित है (श्रीर इमसे उपलब्ध अनूसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 5-2-86,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाणार मूल्य से कम के दरयमान वितिकत के लिए अन्तरित की गढ़ और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार कश्य, उसके दरयमान प्रतिकत से एसे दरयमान प्रतिकत का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिकत, निम्नीतिवित उद्योग से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी साथ की बावत् । उचत विश्वतिक को अभीत कर बोने के बन्तरण के दावित्य को कभी करने या उत्तसे बचने यो सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी यम या जन्य जारिस्तयाँ की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया रवा था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

्तः अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाता :-- (1) श्रां गमन कोन्नापरेटिय हाउस कन्स्ट्रक्णन सोसायटी लि० द्वारा भन्तिय मो० रियाजुद्दीन खान, सा० ग्रेण्ड होटल प्रीमीसेन थाना--कोतवाली, फेजर रोड, जि०-पटना।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लखपत राय अग्रवाल एवं श्री प्रकाण चन्द्र अग्रवाल पेसरान स्व० श्री णिवलाल अग्रवाल मा० 100/3, कौजी कार्नेर वर्दवान कम्पाउण्ड, थाना लालपुर रांघी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचका जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जुन के ।लए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आध्येप ह----

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीज है 45 दिन की जबीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस त्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय, वधोहस्ताक्षरी के वाल सिवित में किए का सकतें ने।

स्प्र्योकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीध-रियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टि है, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

गगन अपार्टमेंटस के सातवीं मंजिल के सम्पूर्ण फ्लट मं० 704 जिसका रजवा 807 वर्गफीट है जो एक्जीवीणन रोड, धाना गांधी, जि० पटना में स्थित है एवं जो पूर्णरूप से विसका सं० 938 दिनांक 5-2-86 में विणित है तथा जिमका निबन्धन जिला अवर निवन्ध ज पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षन प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) यर्जन परिक्षेत्र, विहार; पटना

दिनांक: 12-8-86

बस्य बाइं. टी. एवं . एखं ., *----≝--

नायकर गणिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ण (1) के भणीम सूचना आरह सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 12 अगस्त 1986

निदेशक सं०-III/9/1372/अर्जन/86-87-अत: मुझे,

वुर्गा प्रसाद, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पार्ट प्लाट सं० 762 होल्डिंग सं०-722/ वार्ड सं०-2 सिंकल सं० 6 है, तथा जो एकजीवीशन रोड, पटना, थाना-गांधी मैदान जिला-पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपलब्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11-2-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को जीवत बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान मितफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा बै किए; बॉर/बा
- (क) एरेसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृविधा के लिए:

बतः वन, उस्त अधिनियम की धारा 269-व के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) में अधित प्राण्यानिकार ध्यानिसयों, सर्थान प्राप्या (1) गगम कोआपरेटिव हाउस कन्स्ट्रमणन सोसायटी लि० द्वारा सचिव मो० रियाजुद्दीन छान, सा० ग्रेण्ड होटल प्रीमीसेंग, फोजर रोड, थाना-कोनवाली, जिला-पटना ।

(अन्तरक)

(2) विजय नारायण तिवारी पे०-स्व० विक्रम तिवारी सा० सालीमपुर अहरा थाना-गांधी मैदान जिला--पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बादी करके पूर्वोक्त सन्यक्ति के अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेत्र 🚈

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीश से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुश्लार;
- (क) इस सूचना को राजपण धे प्रकाशन की तारीक के 45 दिन को भीतर उक्की ध्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारी अधोहस्ताक्षरी के पास के कित में किए जा सचींगे।

स्वक्रीकरण:----व्हर्मे प्रगुवत शब्दों कीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित ही, कहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया ही।

वन्स्ची

गगन अपार्टमेंटस का पहली मंजिल के सम्पूर्ण पलैंट सं०— 103 जिसका रकवा 1149 वर्ग फीट है जो एकजीवीशन रोड, थाना गांघी मैदान, जिला—पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वसिका सं० 1063 दिनांक 11-2-86 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक, उटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन परिक्षेज बिहार, पटना

दिनांक : 12-8-86

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (चिरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 12 अगस्त 1986

भायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का क्षारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- उ. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पार्ट प्लाट सं० 762 होल्डिंग सं० 722 401, वार्ड सं० 2, मिकल सं० 6 है, तथा जो एकजीवीशन रोड, थाना गांधी मैदान, जिला पटना में स्थित है (फ्रांग इसमे उपलब्ध अनुभूकी में और पूर्ण रूप से विणित है), रिज्स्ट्रीकर्सा अधि-कारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-2-86,

को प्यांक्त सम्पत्ति के लिचत बाजार भूल्य से कम के द्रायमान शित्रकल के लिए अन्तरित करें गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा प्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एक्ट द्रायमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निल जिल्ल उद्योग्य में उच्नत अंतरण लिकित में वास्ति। के क्य से किथत नहीं किया गया है क्र-

- (ऋ) अन्तरण से हुई फिली आये की बाबता, उबस अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के डाप्यत्व के कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; अ'र्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अक्षः अस् , उक्स अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण को. मी, स्वत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) की अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) गगन कोआपरेटिब हाउस कस्स्ट्रेक्शन मोमायटी लि० द्वारा सचिव मो० रियाजुद्दीन खान, सार ग्रेण्ड होटल प्रीमीमण फेजर रोड, थाना कोनवाली, जिला—पटना ।

(अन्तरकः)

(2) श्री अर्जुन प्र० अग्रवाल पे० स्व० श्री वेनी प्र० अग्रवाल सा० सब्जीवाग, थाना पीरवहीर, जि० पटना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकादन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिश की बद्धीं, वो भी व्यक्ति को से समाप्त होती हो, के और र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक प्रशे कारी खरें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जन्म अधितियम, को अध्याय 20-का में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उत्स अभ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गगन एपार्टमेंटस का पिचवी मंजिल के सम्पूर्ण फ्लैट सं० 504 जिसका रकवा 807 वर्गफिट है जो एक्जिबीमन रोड, थाना गांधी मैदान, जिला-पटना में स्थित हैं एवं जो पूर्ण रूप से वसिका सं० 961 दिनांक 0-2-86 में विणित हैं तथा जिसका निक्षाचन िला अवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन परिक्षेत्र बिहार, पटना

दिनांक : 12-8-86

शक्ष्य शार्व**्ट**ी, एन**्एक**्र ------

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत श्रदका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना
पटना, दिनांक 12 अगस्त 1986
निदेशक संब्री 1394/अर्जन/86-87--अतः मुझे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रह. से अधिक है

अगेर जित्रकी सं० पार्ट प्लाट सं० 762 होस्डिंग सं० 732/401 वार्ड सं० 2, सिंकल सं० 6 है, स्था जो एक्जिबोगन रोड, थाना गार्घ, मैदान जिला-पटना में रिश्रत है (श्रीरिड्स से उपलब्ध अनुसूचों में श्रीरिपूर्ण रूप ने विणित है), रिजर्ट्रीकर्ता अधिकारों के वार्यालय पटना में एस्जिट्रीकरण अधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-2-1986,

को पूर्विक्त सम्मत्ति के उणित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर प्रति (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्वेष्य सं उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गया है ——

- (क) बन्तरम से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रीधिनियम के अभीन कर दोने के जंतरक के दाॉबरव में धामी ऊपने या उससे बचने में सुविभा के लिए; शीर/या
- (क) एँकी किसी आम या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या काकार अधिनियम, या काकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ कंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के सृषिधा के तिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) गगन को अपरेटिय हाउस कन्सट्रक्शन सोसायटी लि॰ द्वारा सचित्र, मो० रियाजुद्दीन खान, सा० ग्रेण्ड होटल प्रीमीसिङ फेजर रोड, थाना कोतवाली, जिला—पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्री अजीत कुमार राटा पे० स्व० श्री मालक चन्दं राटा, सा० नया टोला, थाना कदम कुआं, जिला— पटना ।

(अन्तरिती

को यह मुचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप अ--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पत्र सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स क्यां किसी में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त ग्रब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस बध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गगन एनार्टमेंटर का छठी मंजित के रूप्पूर्ण फ्लैंट संज 603 जिसका रक्तवा 786 वर्ष फीट हैं जो एकजीदियन रोड, थाना गांधी मैदान, जिला-पटना में स्थित हैं एवं भी विस्ता संज 937 दिशोंके 5~2~86 में विधित हैं तथा जिसका विदन्धन जिला अवर निबन्धक पटना के ढाश उम्पन्न हुआ है।

> हुना प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सह(यक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन पश्किस, बिहार, पटना

दिनांक : 2-8-86

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 12 अगस्त 1986

निदेशक सं० III-1395/अर्जन/86-87---अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितं बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं पार्ट प्लाट सं 762 हॉल्डिंग [सं -722] 401, बार्ड नं -2, सिंकल नं 6 है, तथा जो एकजीबीणन रोड, थाना गांधी मैदान, जिला-पटना में स्थित हैं (भ्रांर इससे उपलब्ध अनुसूची में भ्रार पूर्ण रूप से बणित है), रिष्ट्रिक्त अधिकारी के कार्यालय पटना में रिष्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-2-86,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूख्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे अचने मे सृविः। के लिए; और/या
- (भं एसी किसी काय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधि नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधि यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (195: का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मों, मीं, अवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) गगन कोआपरेटिय हाउस कन्स्ट्रक्शन सोसायटी लि० द्वारा सचिव, मो० रषाजुद्दीन खान, सा० ग्रेण्ड होटल प्रीमीसेज, फ्रेजर रोड, थाना—कोतथाली, जिला—पटना । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री अमर नाथ तिवारी पे० स्व० श्री सूर्यवलीतिवारी केदार रोड, थाना-बरौली, गोहाटी, आसाम । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की गराच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

हमध्यक्तिरण : → इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

गगन अपार्टमेंट्स का तीसरी मंजिल के सम्पूर्ण पनेट नं ०— 304 जिसका रक्या 807 वर्ग फीट है, जो एमजी वीधान रोड, थाना—गांधी मैशन , पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण ६प से विसका सं ० 1026, दिनांक 10—2—86 में विणत है सथा जिसका निवन्धन जिला—अवर निवन्धक पटना के द्वार सम्पन्न हुआ है ।

दुग[ं] प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) **मर्जन परिक्ष**ल बिहार, पटना

दिशोक : 12--8-86

वस्य आहे<u>. टी. १५. १६.</u> -----

वासकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वास 269-व (1) के वाभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 12 अगस्त 1986 निदेश सं० III-1396/अर्जन/86-87--अतः, मुझे, दुर्गा प्रसाद,

बावकार विश्वितियम्, 1961 (1961 का 43) (श्विसे इसमें श्वकं श्वात् 'उक्त विश्वित्यम' कहा गवा हैं), की भारत 269-च के वभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करवे का कारण हैं कि स्थानर सम्मूचि, जिसका स्वित्व वाकार मुख्य 1,00,000/- रा. से स्थिक हैं

- (क) नन्तरूप वे द्वार कियाँ वाय की वायत वकत व्यक्तिक्व के वजीय कहा दोने के वन्तरूक की वासित्व को कवी करने वा कवचे शक्ष के सुन्तिका क सिन्द, कर्त्र/था
- (ण) ऐसी किसी नाम या भन वा नस्य नास्तियों का, जिन्हें भारतीय नाय-कर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) ना स्वत्त निभिनियम, वा भन-कष्ट विभिनियम, वा भन-कष्ट विभिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ वंतरिती स्वाय प्रकट नहीं किया नया या वा वा का बाना जाहिए जा, कियाने में स्विभा के जिल्हें।

भतक मन, उनत सिंपिनयम की भारा 269-न में अभूतरफ मों, मीं, उनत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीन, निक्नीलिकिक व्यक्तियों, अर्थात क्र— (1) गगन कोआपरेटिय हाउस कन्स्ट्रनशन सोसायटी लि॰, द्वारा सिवत, मो॰ रियाजुद्दीन खान, सा॰ ग्रेण्ड होटल प्रीमीसिंज, फ्रेजर रोड, थाना-कोतबाली, जिला-पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रवन कुमार भवनानी पे०-श्री क्षलदेव नाथ भवनानी, सा० रोड सं०-3, राजेन्द्र नगर, थाना कदमकुश्री, जिला-पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बस्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

इक्द ब्ल्टिस से ब्रॉन से ब्ल्ट्स में कोई थी बाधप्≥--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की स्विभि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामांस से 30 दिन की सर्वाध, जो भी अवस्थि यह की वक्त होती हो, से श्रीवृद पूर्वों कर व्यक्तियों के से स्विधी व्यक्ति हुवाडाड्ड
- (क) इस स्वता के रावधन में प्रकाशन की तारीब है 45 दिल के नीतर उनत स्वादर कमारित में दिवस्थ कि ती स्व अवित स्वाय भू हेस्ताश्र के वास विद्वत में किए था संबंधि !

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त विभिन्यम के अध्याद 20-क में यथा परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

अनुसूची

गगन अवार्टमेंट्स का छठी सीजल के संपूर्ण फ्लैट सं० 608 जिसका एक का 1164 वर्ग फीट हैं जो एक जीविशन राष्ट्र, थाना—गांधी मैदान, जिला—पटना में स्थित हैं एवं जो पूर्ण रूप से बिसका सं० 1088, दिनांक 12-2-86 में बणित हैं तथा जिस न निबन्धन जिला अवर निबन्धक, पटना के द्वारा सम्पन्न दुआ ? ।

हुती प्रसाद सक्षम गाधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जा परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : , 2~8**-8**6

प्रकार कार्या, खी, एन , एस . ---------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के मधीन सूचना

लाउत चडकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 12 अगस्त 1986

निदेश सं०-I -1397/अर्जन/86-87--अतः, मुझे, दुर्गा प्रमाद,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त विधिन्यमं कहा गया है), की वारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका अचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

श्रौर जिसको सं० पार्ट प्लाट सं० 762 (पार्ट) होल्डिंग सं० 722/401, बार्च सं० 2, सिंकल सं० 6 हैं, तथा जो एक्जी-वीकन रोड, थाना गांधी मैदान, जिला-पटना में स्थित हैं (श्रीर इस से उपलब्ध अनुसूची मेश्रीर पूर्ण रूप संवर्णित हैं), रिजस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-2-86,

को पूर्वोक्त सम्मिति के स्थात बाधार मृत्य से कम के स्वसमान तिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उधित आवार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे स्वमान प्रतिकाल का पम्बह प्रतिश्वत से विभक्त है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीध एसे अन्तरण के किए तम भावा एस प्रतिकाल, निभ्नतिबित उद्देश्य से स्वन्त अन्तर्य विवित में अस्तिकित रूप से स्वित्य वहीं दिस्मा प्या है ॥—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स धाधिवश्व के अधीन कर दोने के अन्तरक की धाधिक में कभी करने या उससे श्वाने में सुम्बिधा के जिए; आंद्र/था
- (%) एंडी किसी कार वा किसी पन या अन्य वास्तिवों को चिन्हों भारतीय वावकर विश्वित्यमं, 1922 (1922 का 11) या उत्ति विश्वित्यमं, या भन-कर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्तरिंदी बुक्तरा प्रकट नहीं किया गया था का या किया बाना वाहिए था, क्रियाने में सविश्वः के सिष्टः)

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को सभी कु किन्नीजीवत करिस्तर्जें, समीद् हु--- (1) गगत कोआपरेटिव हाउन कन्म्ट्रक्शन सोसायटी लि॰ द्वारा सचिव, मो॰ रियाजुद्दीन खान, सा॰ ग्रेण्ड होटल प्रीमीसंज फ्रेज्र रोड, थाना-कोतवाली, जि॰ पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्रा काली प्रश्नभवनानी पेश्श्री बलदेव नाथ भवनानी मारु अवध बिहारी प्रश्न अधिवक्ता के मकान बुद्धमार्ग, थाना बुद्ध मार्ग, पटना ।

(अन्तरिती)

भी यह सूचना आरी कड़के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उयत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क्ष) इस सूचना को राजपन को प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी न्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (स) इर्ल सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किया कराइस्ताक्षरी के पास निमान में किए का सकराई।

स्पच्चिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमुस्ची

गगन आर्टमेंट्स का मानवीं मंदित के गम्पूर्ण क्लैट सं० 702 जिसका रकवा 997 वर्गफीट हैं जो एक्जीव कान रोड, थाना-गार्थी मैदान, जिला-पटना में स्थित है एवं जो पूर्णक्ष्प म विस्थित सं० 1305 दिनांक 19-2-86 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक, पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम गाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

दिनांक 12-8-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना प्राचित्रक १६ अगस्त ।

पूना, दिनांक 25 अगस्त 1986

निदेश सं० 37-ईई/5384/85-86--अत:, मुझे श्रंजनी कुमार,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संज 469/70, सिंघ को०-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, श्रौंध, पूना-7 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें://८व-रिप्स्ट्राप में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह अन्त्रित से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तादितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए;

जत: धव. उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म करी उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- ा श्री प्रेम एच० भवतानी, पुत्नी श्री पी० पी० भवतानी नवजीवन की-श्रारेटिय हाउनिम सोसायटी, जैमि-ग्टन रोड्, बस्बई।

(अन्त्रप्कः)

2 श्री वतना एस० कुलकर्णी और श्रीमनी अशा कुल-कर्णी, 67-ए० नेपम सी० रोड़, वस्बई। (अन्सर्रिती)

को अहस्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की सबिध या तत्सन्थन्थी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्मक्टिकरणं:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उधत अधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभाष्टिय हैं, वहीं अर्थ हाणा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37-हिई/5384/85-86 जो माह दिसम्बर, 1986 को एहायक आयकण आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है)

> श्रंजनी कुमार सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीखा: 25-8-1986

मोहर ।

MINISTRY OF PERSONNEL AND TRAINING

ADMN. REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND TRAINING)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 3rd September 1986

No. 3/37/86-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri Kulbir Singh, Joint Asstt. Director, CRPF as Officer-on-Special-Duty (Computer) in CBI on ad-hoc deputation basis for a period of one year with effect from 11-8-1986 forenoon.

D. P. BHALLA Administrative Officer (E) CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE OF COORDINATION (POLICE WIRELESS)

New Delhi-3, the 2nd September 1986

A.13018/1/86-Admn₃(Pers-I).—The President pleased to appoint the following permanent Assistant Directors and officiating Deputy Directors of Directorate of Coordination (Police Wireless), substantively in the post of Deputy Director in the Directorate of Coordination (Police Wireless) w.e.f. 16th July 1986 :-

- 1. Shri R. P. Mathur.
- 2. Shri S. S. Iyer.
- 3. Shri K. C. Sharma.

B. K. DUBE Police Telecommunications

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110003, the 2nd September 1986

No. D.I.45/85-Eatt-I.—The services of Shri Kulbir Singh, Asstt. Commandant 45 Bn, CRPF are placed at the disposal of CBI on deputation basis w.e.f. 7th August 1986 AN.

> KISHAN LAL Dy. Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 21st August 1986

No. E-32015(3)/22/84-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri O. P. Sharma, Asstt. Comdt. (Ad-hoc Commandant) to the Rank of Deputy Commandant, CISF Unit, FBP Farakha with effect from the (forenoon) 8th July 1986 on provisional basis.

The 29th August 1986

No. E-31013(2)/1/85-Pers.I.—The President is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following officers as Assistant Commandant for a further period upto 18th August 1987 or till regular selection is made, whichever is earlier:

S. No. and Name of the officer

S/Shrl

- DT Murleedharan.
 VK Gupta.

- 3. SN Duggal 4. GC Thapliyal.
- 5. SP Saxena.
- Ashish Moitra.
- 7. SN Rao.

- 8. RC Prasnd.
- 9. SP Yadav.
- 10. HS Sidhu.
- 11. Ashok Vohra,
- 12. JS Saini.
- 13. NK Swamy.
- 14. TS Bhinder.
- 15. SC Misra.
- 16. VP Prabhu.
- 17, GSK Nair.
- 18. CSG Sharma.
- SC Saklani.
- 20. AS Cheladurai.
- 21. DS Mehra.
- 22. Om Prakash.
- 23, TD Goswamy.
- 24. KK Niranjan (SC).

DM MISRA Director General, CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 1st September 1986

No. 11/10/84-Ad I.—On the recommendations of the Selection Committee, the President is pleased to appoint Shrl K. B. Koppad, presentl y working as Research Officer (Studies) in the Office of the Registrar General, India, (Social New Delhi, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Karnataka, Bangalore. on transfer on deputation basis for a period of three (3) years or until further orders, whichever period as shorter, with effect from the forenoon of 21st July 1986.

The headquarters of Shri Koppad will be Bangalore.

The 5th September 1986

No. 13/9/86-Ad.I.—The President is pleased to accept the request of Dr. R. Tripathi, Assistant Registrar General (Map) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, for voluntary retirement from the Central Government Service, with effect from the forenoon of the 1st September 1986, under Rule 48-A of C.C.S. (Pension) Rules, 1972. Consequently, Dr. Tripathi retired from the Government service from 1st September 1986. vice from 1st September 1986 (FN).

> V. S. VERMA Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 1st September 1986

No. 1715/CA.I/36-70.—On his attaining the age of superannuation Shri M. Unnikrishnan, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Member, Audit Board and Ex-Officio Director of Commercial Audit, Madras has retlred from service with effect from 31st May 1986 AN.

The 2nd September 1986

No. 1719/CA.I/108-70.—On their attaining the age of superannuation S/Shri R. Krishnamurthy and K. Lakshminarayanan, Audit Officers (Commercial) working in the office of the Accountant General (Audit-II), Tamil Nadu, Madras have retired from service with effect from 30th June 1986

> K. P. LAKSHMANA RAO Asstt. Comptr. & Ar. Genl. (Comml.)

Sl. Name

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) KERALA

Trivandrum-695039, the 3rd September, 1986 No. Admn/Audit/9-1/171—The Accountant General has been pleased to promote the following officials as Audit Officers in the scale of pay of Rs. 840 40-1000-EB-40-1200 with effect from the date shown against each. These promotion are provisional and subject to further orders of Hon'ble High Court of Kerala in CMP No. 24851/84 & CMP No. 1749/84.

Date of

No.	assu	mption of charge
S/Shri/Smt.	·	
1. R. Parameswara Iyer .		17-1-86
2. M. P. Sadasivan Nair		17-1-86
3. S. Krishuaswamy		17-1 - 86
4. N. Ramachand an Nair (No. 3)		17-1-86
5. S. Venugopal		17-1 - 86
6. G. Ravindran Pillai (proforma)		21-2-86
7. TAS Prasad (proforma)		21-2-86
8. A.B. Ashtamoorthy		21-2-86
9. Venkitakrishna Sarma V.S.		21-2-86
10. V. Krishnan		29-4-86
11. S. Rajasekharan Nair		17-7-86
12. R. Krishnan Nair (Proforma)		17-7-86
13. R. Vasudevaprasad		17-7-86
14. T.T. Velayudhan Nair		17-7-86
15. V. Balakrishnan		17-7-86
15. K. Ramachandran Pillai (No. 1)		17-7-86
17. S. Albert		17-7-86

Sl. No. 10 His promotion is subject to the final decision of the Supreme Court in CMP No. 6944-45 of 1979.

No. Admn/Audit/9-1/171.—The Accountant General has promoted the following Section Officers as Assistant Audit Officers in the scale of pay Rs. 650—30-740-35-880-EB-40-1040 with effect from the date shown against each. These promotions are provisional and subject to further orders of Hon'ble High Court of Kerala in CMP No. 24851/84 and CMP No. 1749/84.

Sl. No.	Name	Date of assumption of charge		
1	2	 	3	
S/Sh	ri/Smt.	 p		
1. M. 7	Champy Joseph		17-1-86	
2. N. I	Ramakrishna Kurup		17-1-86	
3. S. M	lurugan (Proforma)		20-1-86	
4. R. V	'idyadharan .		20-1-86	
16 '-256	GI/86	 		

1 2			·	3
5. P. Thankarajan	 ,	•		17-1-86
6. K. Esmail Pillai				21-2-86
7. P. K. Thilakan (prof	orma)			21-2-86
8. K. P. Varghese				21-2-86
9. B. Babu Rajendran				21-2-86
•				(AN)
10. Joseph K. Mathew				04-3-86
11. N. Ravindran Pillai		-		11-4-86
12. V.S. Guruprakash				11-4-86
13. G. Ravindran Nair				11-4-86
14. V. Varghese				28-4-86
15. C.T. Jose				17-7-86
				(AN)
16. Joseph Louis				18 -7- 86

I. VENKATARAMAN

Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) UTTAR PRADESH

Allahabad, the 1st September 1986

No. A.G. (Audit-I) Ad./13-7/758.—Following Audit officers have retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 31st July 1986 (A.N.).

- Shri J. S. Chauhan, Office of the Accountant General (Audit)-I, U.P.
- Shri P. N. Srivastava, Office of the Accountant General (Audit)-II, U.P.
- 3. Shri R. P. Srivastava.
 Office of the Accountant General (Audit)-II, U.P.
- Shri D. P. S. Mathur, Office of the Accountant General (Audit)-I, U.P.

No. A.G. (Audit-I) Ad./13-7/758.—Following Asstt. Audit Officers have been appointed to Officiate in the grade of Audit Officers w.e.f. the dates shown against their names:—

- Shri H. L. Srivastava, w.c.f. 28-7-1986.
- 3. Shri Jwala Prasad Srivastava, w.c.f. 16-7-1986.
- 3. Shri Kripa Shankar Mishra, w.c.f. 16-7-1986.
- 4. Shri Baij Nath w.c.f. 1-7-1986.
- 5. Shri T. P. Sinha w.e.f. 18-7-1986.
- 6. Shri Tei Bhan Bali w.c.f, 24-7-1986.
- 7. Shri Brij Behari Srivastava, w.e.f. 4-8-1986.
- 8. Shri Sachindra Kumar Chanda, w.e.f. 1-8-1986.
- 9. Shri Jai Krishna Khanna, w.e.f. 1-8-1986.
- 10. Shri Prayag Narain Khare w.e.f. 1-8-1986.

No. A.G. (Audit-I) Admn. /13-7/758.—Following officiating Audit Officers have been appointed substantively in the grade of Audit Officers in the office of the Accountant General (Audit) U.P. with effect from the dates noted against their names:—

- 1. Shri C. S. Bhist, w.e.f. 1-7-1986.
- 2. Shri Mahmood Ahmad, w.e.f. 1-7-1986.
- 3. Shri R. C. Gupta, w.e.f. 1-7-1986.
- 4. Shri Laxmi Chandra, w.e.f. 1-8-1986.
- 5. Shri Mohd. Jabir Khan, w.e.f. 1-8-1986.
- Shri A. N. Tandon, w.e.f. 1-8-1986.

A. K. SINGH

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 066, the 25th August 1986

No. AN/I/1171/I/Vol-II—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in Level-I of the Senior Administrative Grade (Scale Rs. 2500-125/2-2750) of that Service, with effect from the dates shown against their names, until further orders:—

one and against their names,	mum	intinel	orders:—
(1) Shri Gian Swarup .			03-07-86
			(FN)
(2) Shri S.N. Chattopadhyay			29-07-86
			(FN)
(3) Shri S.A. Venkatarayan			04-07-86
			(FN)
(4) Shri Syed Abdul Rahman			11-08-86
7.A			(FN)
(5) Shri V. Nagarajan .			28-07-86
			(FN)

No. AN/I/1171/I/Vol-II—The President is pleased to appoint the undermentioned officers (on deputation assignment as noted against their names) of the Indian Defence Accounts Service to officiate in Level-I of the Senior Administrative Grade (scale Rs. 2500-125/2-2750) of that Service, under 'Next Below Rule' with effect from the dates shown against their names, and until orders:—

Sr. No.		of the Office	r Date	Where serving
1		2	3	4
	S/Shri		 -	<u>-</u>
1.	R. K. N	Mathu r	03-07-86	Joint Secretary, Fourth Central Pay Commission, Department of Expenditure, Ministry of Finance, New Delhi.
2.	K. Sun	dararajan	04-07-86	Director (Finance) Coffee Board, Ministry of Commerce, Bangalore.
3.	Sanjib 1	Mukherji	28-07-86	Joint Secretary and Additional Financial Adviser, Department of Def. Supplies, Ministry of De- fence, New Delhi.

	<u> </u>	3	4
4.	. Shri Prem Kumar Sabhlok	29-07-86	Joint Secretary and Additional Financial Adviser, Ministry of De- fence (Finance Division) New Delhi.

R. B. KAPOOR

Additional Controller General of Defence Accounts (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-1, the 2nd September 1986

No. 57/G/86.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri S. Rangaswamy, Asstt. Works Manager (Subst & Pmt. Store holder) retired from service w.e.f. 30-11-1985 (AN) and accordingly his name has been struck off from the LOFS strength w.e.f. 1-12-1985 (FN).

No. 58/G/86.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri P. C. Mitra, Works Manager (subst. & Pmt. Foreman) retired from service w.e.f. 30-9-1985 (AN) and accordingly his name has been struck off from IOFS strength w.e.f. 1-10-1985 (FN).

The 3rd September 1986

No. 59/G/86.—Shri V. Venkatesan, Offg. Asstt. Works Manager (Subst. & Permanent Foreman/Tech) voluntarily retired from service w.e.f. 21-5-86 (AN).

No. 60/G/86.—Shri S. Lakshminarayanan, Dy. General Manager (Subst. & Permanent Works Manager) voluntarily retired from service on 9-10-1985 (AN).

M. A. ALAHAN

It. Director/G

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 29th August 1986

IMPORTS & EXPORTS TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6|908|70-Admn(G)4327.—On attaining the age of superannuation Shri D. Krishnan, Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Madras retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July 1986.

No. 6/515/58-Admn(G)4334.—On attaining the age of superannuation Shri V. Ramachandran, Assistant Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Madras retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July 1986.

The 1st September 1986

No. 6/1471/84-Admn(G)4449A.—On attaining the age of superannuation, Shri Amar Nath Mukherjee, Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of 31st March 1986.

No. 6/878/69-Admn(G)4465.—The President is pleased to retire Shri L. Rajagopal, Assistant Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay from Government service with effect from 3rd March 1986 (forenoon) under Clause (j) of rule 56 of the Fundamental Rules.

The 2nd September 1986

No. 6/1567/85-Admn(G)4474.—On attaining the age of superannuation, Shri S. K. Lahiry, Controller of Imports and Exports in this office retired from Government service with effect from the afternoon of the 31st Auust 1986.

Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports & Exports

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi-110 001, the 22nd August 1986

No. A-17011/73/74 A-6.—Shri Rajinder Singh, officiating Inspecting Officer (Textiles) on ad-hoc basis in the office of Dy. Director of Inspection (Textiles), Ludhiana under N.I. Circle, on his reversion to the post of Assistant Inspecting Officer (Textiles) relinquished the charge of the post in the afternoon of 31st July 1986.

Shri Rajinder Singh assumed the charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Textiles) in the same office in the forenoon of 1st August 1986.

No. A-31014/1/85/A-6.—The following amendment is hereby incorporated in the Notification No. A-31014/1/85/A-6 dated 19-6-1986.

The name at Sl. No. 8 may be read as Shri A. N. Sangameswaran instead of Shri A. N. Waran.

R. P. SHAHI Dy. Director (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBAGH)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 29th August 1986

No. 5963B/A-19012(3-PT)/85-19B.—Shri Pradeep Trivedi has been appointed to the post of Assistant Chemist in the Geological Survey of India by the Director General GSI, on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 22nd May 1986, until further orders.

No. 5875B/A-32013(3-Ch.Sr.)/84-19B.—The President is pleased to appoint Dr. Rajendra Kumar, Chemist (Jr.) of the Geological Survey of India on promotion as Chemist (Sr.) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100—1600/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 12th June 1986, until further orders.

The 1st September 1986

No. 6024B/A-19012(3-RDH)/80-19B.—Shri Ram Dhan Bairwa, Assistant Chemist, GSI, has made over charmo in

GSI with effect from the afternoon of 25th February 1986 for joining Small Industries Development Organisation, New Delhi.

No. 6034B/A-32013(3-Ch.Sr.)/84-19B.—The President is pleased to appoint Shri R. M. Agarwal, Chemist (Jr.) of the Geological Survey of India on promotion as Chemist (Sr.) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 4100—1600/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 16th June 1986, until further orders

No. 6048B/A-32013(3-Ch.Sr.)/84-19B.—The President is pleased to appoint Shri S. N. Singh Chemist (Jr.) of the Geological Survey of India on promotion as Chemist (Sr.) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100—1600/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 11th June 1986, until further orders.

The 2nd September 1986

No. 6086B/A-32013(AO)/85-19A.—Shri B. N. Bhatta-charjce, Superintendent, Geological Survey of India has been appointed by the Director General, GSI on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from 18th July 1986 (FN), until further orders.

No. 6098B/A-32013(2-GS)/83-19B.—The President is pleased to appoint Shri S. C. Purandare, Geophysicist (Jr.), G.S.I. on promotion to the post of Geophysicist (Sr.) in the same department on pay according to rules in the scale of puy of Rs. 1100—50—1600/- in an officiating capacity w.e.f. the F.N. of 17-12-85, until further orders.

No. 6075B/A-32014(2-AG)/79/19B.—The D.G., GSI is pleased to grant Shri Ram Pratau Singh, S.T.A. (Geophysics), G.S.I., now on deputation to Wadia Institute of Himalayan Geology, proforma promotion to the post of Asstt. Geophysicist in the same department in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of 30th December 1985, under 'Next Below Rule.'

A. KUSHARI Director (Personnel)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 2nd Sertember 1986

No. A-19011(58) /75-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee Shri S. N. Chattopadhyay, Supdtg. Officer (Ore Dressing), Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Chief Ore Dressing Officer, in the Indian Bureau of Mines w.e.f. 28-7-1986 (FN).

No. A19011(177)/75-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri M. K. A. Munaf, Permanent Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on regular basis with effect from the forenoon of 4th August, 1986, until further orders.

No. A.19011(239)/78-Estt.A.—On the Recommendation of the Departmental Promotion Committee the President is pleased to appoint Shri Aloke Basu, officiating Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on regular basis with effect from the forenoon of 6th August, 1986, until further orders.

No. A.19011(178)/81-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee the President is pleased to appoint Shri B. B. Rao, permanent Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines, in the Indian Bureau of Mines on regular basis with effect from the forenoon of 31-7-1986, until further orders.

G. C. SHARMA, Asstt. Administrative Officer for Controller General

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 1st September 1986

No. 1/2/86-S II.—Shri D. V. Bhakoo, Administrative Officer, All India Radio, Nagpur has retired on superannuation from Government Service with effect from 31st August, 1986 (Afternoon).

MOHAN FRANCIS, Dy. Director Administration for Director General.

MINISTRY OF AGRICULTURE AND RURAL DEVELOPMENT

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND CO-OPERATION)

DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION, QUARANTINE AND STORAGE

Faridabad, the 3rd September 1986

No. 7-12/86-Adm.I.—Shri Jai Dev Sharma of this Directorate is hereby appointed as Administrative Officer (Grade II) Gazetted Group 'B' in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 6-8-86 (FN) on usual deputation basis for a period of three years and is posted at the Regional Pesticides Testing Laboratory, Kanpur under the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage.

No. 7-13/86-Adm.I.—Shri Pritam Das of this Directorate is hereby appointed as Administrative Officer (Grade II) Gazetted Group 'B' in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-4-1200 with effect from 8-8-86 FN) on usual deputation basis for a period of three years and is posted at the Regional Pesticides Testing Laboratory, Hyderabad under the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage.

R. L. RAJAK, Plant Protection Adviser.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 1st September 1986

No. V-1/Est.II/3547.—Shri Achyut Mukund Vaidya relinquished charge of the post of Accounts Officer-II on 30-6-1986 (AN), consequent on superannuation.

K. VENKATAKRISHNAN, Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 085, the 25th Augus: 1986

No. DPS/41/4/85-Adm/4049.—The Director, Directorate of Pur hase and Stores, Department of Atomic Energy appoints hri T. Narayanan Nair, a permanent Sr. Stenographer to offic ate as an Assistant Personnel Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-25-880-EB-40-960 from 2-6-86 (FN), to 4-8-86 (AN), in the same Directorate.

B. 3. KULKARNI, Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEY

Hyderabad-500 762, the 1st September 1986

No. NFC/PAR/0704/1651—Deputy Chief Executive (Admn. & Accts), Nuclear Fuel Complex, appoints Shri A. Pappachan, Assistant Accountant, to officiate as Assistant

Personnel Officer on an initial pay of Rs. 650/- p.m. in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on ad hoc basis from 30-8-1986 to 29-9-1986 or until further orders whichever is earlier.

GOPAL SINGH, Manager, Personnel & Admn.

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 28th August 1986

No. AMD-2/1715/65-Adm. 12950,—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri Parmanand, Permanent Storekeeper, DAE and officiating Accountant of AMD, presently on deputation as Section Officer with the Monopolies and Restrictive Trade Practices Commission, New Delhi, as Assistant Accounts Officer in an officiating capacity with effect from 30-4-1986 (FN) under the second provise to FR 30(1) (i.e., Next Below Rule) until further orders. Shri Parmanand would draw Rs. 960/in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 as Assistant Accounts Officer.

S. PADMANABHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION SPACE APPLICATION CENTRE

Anmedabad-380053, the 25th August, 1986

No. SAC: EST: 3-19-86—Director is pleased to appoint the undermentioned official(s) to the post and with effect from the forenoon of the date, as indicated against each, in the Space Application Centre of the Department of Space, Ahmedabad, in an officiating temporary capacity and until further orders:

St. Name No.	Date	Post to which appointed
S/Shri		
1. K.S. Parikh	4-2-86	Sci/Engr. 'SB'
2. S.M. Shah	28-2-86	Sci./Engr. 'SB'
3. K. M. Kavani	21-4-86	Sci./Engr. 'SB'
4. A.V. Pathak	30-4-86	Sci./Engr. 'SB'
5. V.V. Limaye	1-7-86	Sci./Engi. 'SB'
6. K. H. Panchal	11-7-86	Sci./Eng. 'SB'
7. H.S. Ehalodi	21-7-86	Sci./Engr. 'SB'
8. D.T. Bhatt	25-7-86	Sci./Engr. 'SB'
9. A.R. Yardi	25-7-86	Sci./Engi. 'SB'
10. A.S. Patel	28-7-86	Sci./Engr. 'SB'

K.S. KRISHNAN Administrative Officer-II (Estt.)

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Vadodara, the 1st August 1986

No. 23/86.—Shri B. K. Ayachit, Superintendent of Central Excise & Customs, (Group 'B'), Division-I, Vadodara has voluntarily retired from Government service with effect from 11-8-86 (FN).

(Smt.) VARALAKSHMI RAJAMANICKAM, Collector of Central Excise & Customs, Vadodara

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, 1st September 1986

No. A-19012/1185/86-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri J. Tames Sigao, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely tractery and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 65-2-740-25-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is carlier, with effect from the forenoon of 22-7-86.

D. KRISHNA, Under Secy. Central Water Commission

MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT

New Delhi, the 29th August 1986

No. 32/3/85-ECII.—On attaining the age of Superannuation, Shri G. S. Rao a permanent officer belonging to the Central Engineering Service Group 'A' and officiating as Director General (Works), Central P.W.D. will retire from Government Service on the afternoon of the 31st August, 1986.

A. K. NARANG, Under Secy.

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES
In the matter of Companies Act, 1956 and of Messrs Graphic
Engineering and Technical Services Private Limited

New Delhi, the 6th August 1986

No. 13470—21930.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Graphic Engineering and Technical Services Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

> S. L. SINGHAL, Assistant Registrar of Companies Delhi & Haryana

In the matter of the companies Act 1956 and of

M/s. Big Games Hunters (P) Ltd.

Kanpur, the August 1986

No. LC/3597/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Big Game Hunters (P) Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL, Registrar of Companies, U.P.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Cochin-682 016, the 18th August 1986

ORDER

Sub: Establishment—Promotion to the cadre of Income-taxion Officer, Group 'B'.

- C. No. 2/Estt/Con/86-87.—Shri N. M. Ramankutty, Inspector of Income-tax is promoted to officiate as an Income-tax Officer, Group 'B' in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date he takes over charge and until further orders.
 - 2. He will be on probation for a period of two years.
- 3. The above promotion is made on a provisional basis. The promotion is liable to termination without notice. It will not confer on the promoted official any right either to retention or to seniority in the promoted grade.

M. J. MATHAN, Commissioner of Income-tax, Cochin.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri D. Syed Yunus, No. 1, Spencer Road, Civil Station, Bangalore-560 Q05.

(Transferor)

(2) M/s. Mamata Enterprises No. 3, Queen's Road, Bangalore-560 001.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 14th August 1986

C.R. No. 62/R.1944/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No .153 situated at Wheeler Road, Cox Town, Bangalore. (and more fully described in the Schedule ennexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore on 2-12-1985 at Bangalore on 2-12-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any. to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

date1 2-12-85) (Registered Document No. A. 1944 Property situated at No. 153, wheeler Road, Cox Town, Bangalore.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ Competen: Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesald property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th August 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/534/37G/1985-86.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Property situated at Village Tungarli, Lonavala, Tal. Maval, Dist. Pune, F. P. Nos. 148 and 149 and C.S. No. 28/148, 28/149 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Bombay in February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Minoo M Antia,
 Mrs. Minoo Mani Antia,
 Mrs. Mani Minoo Anita
 Mrs. Gul Bhumanshaw Mistry,
 Vijay Chambers,
 Tribhuvan Road,
 Bombay-4.

(Transferor)

 M/s Ibis Investment Co. Pvt. Ltd. 419-B Kalbadevi Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Villagge Tungarli, Final Plot Nos. 148 and 149 and C.S. No. 28/148, 28/149.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay, under document No. 534/1985-86 in the month of Feb. 1986.

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax:
Acquisition Range, Poona

Date: 27-8-1986.

FORM ITNS .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th August 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE//5669/1985-86.—Where-as, I. ANJANI KUMAR,

as, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Ground floor, Road side Shops, Nos. 4 to 8, & Rear side Godowns Nos. 3 & 4 in Narayan Chambers at 555 Narayan Peth Pune situated at Pune

Peth, Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parastic vincly ;---

(1) Doshi Promoters (Narayandas Kevaldas HUF) P. N. Doshi, 555, Narayan Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) M./s. G. V. Puntambekar & Sons. Represented by : Mr. Shadchandra Govind Puntambekar, 473 Budhwar Peth, Pune-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official; Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor, Road side shops, Nos. 4 to 8 & Rear side godowns Nos. 3 & 4 in Narayan Chambers at 555 Narayan Peth, Pune-30.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5669/1985-86 in the month of Dec. 1985).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date : 11-8-1986

(1) M/s Chitrakoot properties Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Ganpati Exports Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA: 16.

Calcutta, the 14th August 1986

Ref. No. C.A.128/86-87/Sl.1235/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market vale exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 71, situate at Park Street, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 128 dated 43-12-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Space No. 3A on 3rd floor measuring about 4002 Sq. ft. together with 2 Car Parking space on Basement of 71, Park Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority, 1.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Scarial No. C.A. 128 dated 13-12-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range: I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons. namely:——
17—256GI/86

Date: 14-8-1986.

- (1) B. V. M. Estate Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Samrat Shipping Co. (P) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA: 16.

Calcutta, the 14th August 1986

Ref. No. C.A.128/86-87/Sl.1236/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 71. situate at Park Street, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 128 dated 13-12-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Space No. 4C on 4th floor measuring about 1851 Sq. ft. at 71, Park Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I. A. C., Acquisition Range-I, Calcutta Serial No. C. A. 135 dated 6-12-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Acquisition Range: I,
Cal: 16.

Date: 14-8-1986.

(1) B.V.M. Estates Pvt. Ld.

(Transferor)

(2) A. H. Bilimoria & Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 14th August 1986

Ref. No. C.A.120/86-87/SI.1237/I.A.C./Acqn.R-I/Cal.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 71 situated at Park Street, Calcutta,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD-(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 120 dated 6-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that Space No. 4F on 4th floor measuring about 2802 Sq. it, at 71. Park Street, Calcutta, Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 120 dated 6-12-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1986

(1) Anil Kumar Shaw

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Machineworks (International) Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 14th August 1986

Ref. No. C.A.120/86-87/Sl.1238/I.A.C./Acqn.R-I/Cal,—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1, situate at Auckland Place Calcutta.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta under registration No. 1-17662/85 dated December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

All that 4th share in land measuring 1 Bigha 1 Cottah 6 Ch. 14 Sq. ft. with building being 1, Auckland Place, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-17662/85 of December, 1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-8-1986

FORM ITNS— (1) Bimal Kumar Shaw

(Transferor)

(2) Machineworks (International) Ltd.

(Transferee)

(3) O.B. & Mathews.

Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 14th August 1986

No. T.R.-220/86-87/Sl.1239/I.A.C./Acg.R-I/Cal.— Ref.

Whoreas. I. SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

PART III-SEC. 1]

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 1, situated at Auckland Place, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1098 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta under registration No. I-17661/85 dated December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to se disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided # share in land measuring 1 Bigha I Cottah and 14 Sq. ft. with building in 1. Auckland Place, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-17661/85 of Dec.'85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16,

Date: 14-8-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Mr. Yogendra Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mcleod Russel (India) Limited.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 14th August 1986

Ref. No. C.A. 120/86-87/SI.1240/I.A.C./Acqn.R-I/Cal.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 5, situated at Camac Street, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered with the Competent
Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration
No. C.A. 151 dated 10-1-86.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. C/6, Saraswati Niket 5, Camac Street, Calcutta-700017. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C. A 151 dated 10-1-1986.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date: 10-1-1986.

(1) (a) Asgar Ali Gangiee & Ors. (b) Choicest Construction Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) The Khas Joyrampur Colliery Co. (P) Ltd. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 54. RAFL AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 14th August 1986

Ref. No. C.A.118/86-87/Sl.1241/I.A.C./Acqn.R-I/Cal.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 216 situate at Acharya J. C. Bose Road, Calcutta-17.

No. C.A. 118 dated 5-12-1985

No. C.A. 118 dated 5-12-1985 (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD-(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 118 Dt. 5-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid accepts the apparent consideration therefor by more than

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarnsfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Undivided porportionate share of land together with a flat measuring 2100 sft. (approx.) with a right to use the entirety of the adjoining open terrace on the 4th floor being Unit No. 'D' of 'Sree Ganesh Business Centre' under construction at 216 Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Calcutta-700017. Registered before the Competent Authority, IAC, Acqu. Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 118 dated 5-12-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-8-1986

Scal:

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Ram Gopal Shaw Estates (P) Ltd.

(2) Sri Biswanath Mukherjee & Ors.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 14th August 1986

Ref. No. C.A. 120/86-87/Sll1242/I.A.C./Acqn.R-1/Cal.---Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
No, 162B situate at Acharya J.C. Bose Road, Calcutta,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and registered with the Competent
Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration
No. C.A. 131 dated 20-12-1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferce for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that partly one, partly two and partly three storeyed brick messenge land including one shed and/or structure hereditaments and premises containing an area or 13 K 15 Ch 3 sft. at premises No. 162B, Acharya Jagadish Chandra Bore Road, Calcutta. Registered before the Competent Auhority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 131 dated 20-12-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquision of the aforesaid repperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-8-1986

(1) Mr. John Jeffrey Madan.

(2) The Lakurka Coal Co. Ltd.

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th August 1986

Ref. No. C.A. 130/86-87/Sl. 1243/J.A.C./Acq. R-I/Cal.-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 24A, 24B, 24C, 26 situate at Rabindra Sarani, 36A Harinbari Lane & 22/1A, Territi Bazar St., Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at C A. 130 dated 20-12-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealtn-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

All that property at 24A, 24B, 24C, 26 Rabindra Sarani, 36A, Harinbari Lane, & 22/1A, Teritil Bazar Street, Calcutta measuring a land area of 4 Bighas 8 Chittacks 12 Sq. ft. Registered before the Competent Authority, IAC, Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 130 dated 20-12-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

18-256GI[86

Date: 14-8-86,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 6th August 1986

Ref. No. AC-9/Acq. R-IV/Cal/86-87.— Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 5, situated at Trenching Ground Road, P.S. Serampore, Dist:

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 3-12-1985

Calcutta on 3-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the propery as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the vaid Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely;

Smt. Indrani Sen.
 Trenching Ground Road,
 P.O. Baidyabati, Dist: Hooghly.

(Transferor)

 M/s. Baidyabati Industries (P) Ltd., 25, Princep Street, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property any be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid parsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 2.21 acres of land with building Address 5, Trenching Ground Road, P.S. Serampore, Dist.: Hooghly. Deed No. 16613 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-IV
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 6-8-1986

Scal;

(1) Dr. T. Y. Pemba. "West Haren" Darjeeling.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Larsen & Toubro Ltd. 3-B. Shakespeare Sarani, Calcutta-71.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 6th August 1986

Ref. No. AC-10/Acqn, R-IV/Cal/86-87.—
Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing situated at "West Haren", P.S. & Dist. Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 17-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair ruarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires leter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior

THE SCHEDULE

Land: 50.9 Poles of land with building. Address "West Haren", P.S. & Dist, Darjeeling. Deed No. 20614 p of 1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1f of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NA MUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of income-tax Acquisition Range-IV 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: :6-8-1986

(1) Smt, Kalavanti Mar.

(Transferor)
(Transferce)

(2) M/s. Arvind Investments Ltd.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TANK ACT, 1961 (43 OF 1861).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 13th August 1986

Ref. No. 2355/Acq. R-III/Cal/86-87.—
Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable propery having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 42A situate at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at SRA, Calcutta under registration No I/17017 on 1-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evalen of the finisher of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ransferse for the purposes of the Indian Income-tax lct, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wes th-tax Act, 1957 (27 of 1957):

All that undivided 44½% share and interest in premises No. 42A, Ballygunge Circular Road (Area 6 Cottah 1 Ch. & 19 Sq. ft.) and 42B, Ballygunge Circular Road, Cal., (Area 7 Katha 5 Ch. & 32 Sft.) Registered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. 1 17017 dated 10-12-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Acquisiticn Range-I,
Calcutta-16

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa d property by the issue of this no ice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the following pursuan, namely:—

Date: 13-8-1986

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 13th August 1986

Ref. No. 2356/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

100 situated at Arabindo Sarani, Calcutta-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta under registration No. I 17319 on 13-12-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, his respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ransferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa d property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Reba Rani Ghosh.

(Transferor)

(2) 1. Mahadeb Pal,

2. Ashok Kr. Sadhukhan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 Cottah 13 Chittaks together with tin Shed structure partly two storeyed and one store ed at 100 Aurobindo Serani, Calcutta. Registered before S.R.A., Calcutta, vide Leed No. I 17319 dated 13-12-1985

SHAIKH NA MUDDIN
Competen Authority
It specting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Acquisition Range-III
54 Raft Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 13-8-1386

Scal:

(1) M/s Vasundhara Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

A CONTRACTOR OF THE PROPERTY O

(2) Bharatiya Janapith.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 13th August 1986

Ref. No. 2357/Acq.R-III/Cal/86-87.Whereas, I., SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/7 situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta, under registration No. 21079 in Dec., 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than

fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of évalors of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1924) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office space 'A' on 9th floor at 'Vasundhara' 2/7, Sarat Bose Road, Calcutta-20. Registered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. 1 21079 dated Dec., 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of ncome-tax
Acquisition Range-III
54 Raft Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now therefore, in pursuance of Section 769C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa d property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Shri Satrughna Kanta Acharyya.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

(2) M/s Vinaydeep Udyog.

(Transferee)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 13th August 1986

Ref. No. 2358/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 27A situated at Rowland Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of he registering officer at under registration No. 37EE/Acqn.R-III/578 on 5-12-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or writch ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in purmance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (*) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided proportionate share in 133861 Cottahs of land at 27A, Rowland Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/578 dated 5-12-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 13-8-1986

FORM I.T.N.S .--

(1) Sri K. P. Chatteree.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Harmeet Singh Kalra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 13th August 1986

Ref. No. 2359/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 190 situated at Sarat Bose Road Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 6-12-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that brick built dwelling house with land area 7 cottahs 2 chittacks & 20 Sq. ft. at 190, Sarat Bose Road, Calcutta. Registered before S.R.A. Calcutta, vide Deed No. I 16844 dated 6-12-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 1—

Date: 13-8-1986

-_____

FORM ITNS-

(1) M/s. K. C. Mitta Consultation (P) Ltd.

(2) M/s Andrew Yule & Company Ltd.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 13th August 1986

Ref. No. 2360/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 50 situated at Chanditala Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at S.R.A., Cal., under registration No. I 16879 on 6-12-85 for an apparent consideration which is I ess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter

THE SCHEDULE

7 Flat containing an area 8800 Sq. ft. and four Car park ing space at 50, Chanditala Lane, Calcutta-40. Registered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. 16879 dated 6-12-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 13-8-1986

Seal :

19 -256GT/86

FORM ITNS-

(1) M/s. Vasundhara Properties Pvt. Ltd.

(2) M/s. Sahu Jain Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 13th August 1986

Ref. No. 2361/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, bring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. 2/7 situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at S.R.A., Cal., under registration No. I 20070 on 9-12-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferen for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office space No. 'B' on 9th floor at 2/7, Sarat Bose Road, Calcutta-20. Area 3325 Sq. ft. Registered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. I 20070 dated 9-12-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquilition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1986

(1) M/s. Induss Services Ltd.

(Transferor)

(2) Sri Jagdish Chandra Talwar, Smt. Renuka Talwar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 13th August 1986

Ref. No. 2362/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1C situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of he registering officer at S.R.A., Cal., under registration No. 20953 on 13-12-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay test under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 49, B-Block, 2nd floor measuring 1800 Sq. ft. at 1C, Ballygunge Circular Road, Calcutta. Registered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. 1 20953 dated 13-12-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1986

- (1) Smt. Rambhabai L. Bhavsar & Others.
- (Transferor)
- (2) M/s. Model Constructions.

(Tansferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

bjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-IV/37EE/23920/85-86.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. S. Nos. 289, H. No. 1 & 3, 314 Hissa No. 15(pt) and
290 Hissa No. 18(pt), C.T.S. No. 118/118/1 to 67 at
Dahisar (W), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. No. 289 Hissa No. 1 & 3, 314 Hissa No. 15(Pt)290

Hissa No. 18(Pt) at Dahisar (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/23920/85-86 on 2-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 14-8-1986

(1) Kabir Ahmed Habib Ahmed & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Varsha Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY OFFICE OF THE INSPECTING

Bombay, the 14th August 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/24150/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of and bearing S. No. 198, Hissa No. 4, C.T.S. No. 2257 at Village Dahisar (E),

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or any which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Piece of land bearing S. No. 198, H. No. 4, C.T.S. No. 2257 Village Dahisar (E).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/24150/85-86 on 2-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 14-8-1986

- (1) Kabir Ahmed Habib Ahmed & Ors.
- (Transferor)
- (2) M/s. Varsha Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/24203/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing CTS No. 2259 and 2268 at

No. piece of land bearing C.T.S. No. 2259 and 2268 at

Dahisar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afteresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the phication of this nation in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that piece of land at Dahisar bearing C.T.S. No. 2259 and 2268 at Dahisar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/24203/85-86 on 2-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 14-8-1986

FORM TINE-

(1) M/s. Samrat Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shree R. V. Bhuptani & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/23957/85-86.—Whereas, I, LAXMAN_DAS.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have resson to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. C 207, 2nd floor Shanta Apartment, plot No. 369-C, S.V. Road, Kandiyli (W), plot No. 369-C, S.V. Road, V. Road, Kandiyli (W), plot No. 369-C, S.V. Road, W. Road, Kandiyli (W), plot No. 369-C, S.V. Road, W. Roa

Kandivli (W), Bombay-67, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid the averaged the apparent available that the fair market value of the preperty as aforesaid and the averaged the averaged and the preperty as aforesaid and the preperty as aforesaid and the averaged and said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the sarvice of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other porson interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. 1: the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Flat No. C. 207, 2nd floor Shanta Apartment, plot 369-C, S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/23957/85-86 on 2-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-9-1986

FORM NO. I.T.N.S.—--

(1) M/s. S. D. Builders.

(Transferor)

(2) Hemali Builders & Contractors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/24279/85-86.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property, having a fair market value exceeding No. 1,00,000, and bearing No. 5. No. 5, H. No. 1, C.T.S. No. 21-E, Village Navgaon, Mandpeshwar Road, Talukar, Borivli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect on the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration interestor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 5, Hissa No. 1, C.T.S. No. 21-E, Village Navgaon, Mandpeshwar Road, Taluka Borivli.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/24279/85-86 on 2-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 14-8-1986

Scal ;

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/24036/Kan/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Poisar Kandivali S. No. 115, H. No. 1, CTS No. 22, Village Kandivali, Taluka Borivali, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thet transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-20-256GI/86

(1) Shri Natwarlal H. Agarwal.

(Transferor)

(2) N. D. Enterprises.

(Transferce)

- (3) Kasari Nath Mishra & 28 Ors. (Tenants). (Person in occupation of property).
- (4) Bilgu Bihari Yadav & Ors. (Person whom the undersigned knows to be interested in property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Poisar Kandivali Survey No. 115, Hissa No. 1, CTS No. 22 together with structure standing thereon at Village Kandivali, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/24036/85-86 on 2-12-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 14-8-1986

FORM ITNS----

(1) Shri Pankaj Ramanlal Raval & Ors.

(Transferor)

(2) Naraindas J. Gandhi & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/24082/Kan/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Plot of land C.T.S. No. 267 of Poisar Village at Shree
Balsinor C. I.S. L. (d., S.V. Road, Kandivli (West), Bombay400 067, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Jacome-tax Act, 1961 in the office of the Computant Authority at Parphysical 212, 1985

the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE \$CHEDULE

Plot of land bearing CTS No. 267 of Poisar Village at Shree Balsinor CHS Ltd., S.V. Road, Kandivli (West), Bombay-400 067.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/24082/85-86 on 2-12-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

Date ; 14-8-1986

(1) Mr. Marcus Abrau.

(Transferor)

(2) Correa Builders P. Ltd.

(Transferee)

(3) Mr. Marcus Abreu.
(Person in occupation of property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have-the same meaning as given in the Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/24016/85-86.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. C.T.S. Nos. 971 & 971/1 at Village Eksar, I.C. Colony, Fal Borivli, Bombay,

nituated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985

the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at village Eksar, I.C. Colony, Borivli in the Registration Sub-Dist. of Bandra bearing C.T.S. Nos. 972 & 971/1, together with structure standing thereon.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/24016/85-86 on 2-12-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Insecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1986

(1) Mr V. B. Ramji Bhoir and Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Deepak Construction Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/24297/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax' Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-, and bearing No. S. No. 154, C.T.S. No. 2592 S. No. 139, C.T.S. No. 2590, 2591 Hissa No. 17 & 18 Dahisar Village, Taluka, Borivil, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceeds the apparent consideration therefor by more than different percent of such apparent consideration and that the sensideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tag under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 154, C.T.S. No. 2592, S. No. 139, C.T.S. No. 2590, 2591 Hissa No. 17 & 18, Dahisar Village, Taluka Borivli.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/24297/85-86 on 2-12-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 14-8-1986

See.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1986

Ref. No. AR-IV/37G/329/119/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'mid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing CTS No. 778/1, F.P. No. 702, TPS III, lying & being at Borivali (West), Shimpoli, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 31-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traily stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evident of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shree Jam Hoseary Works Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shree Shimpoli Darshan CHS Ltd.

(Transferee)

(3) Shree Shimpoli Darshan CHS Ltd. (Person in occupation of property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapte: XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land together with structure standing thereon bearing CTS No. 778/1, F.P. No. 702, TPS III, lying and being at Borivali (West), Shimpoli, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 37-6/329/119 dated 31-12-1985.

I.AXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 14-8-1986

- (1) M/s. Dattani Const.
- (Transferor)
- (2) Mr. R. V. Chari & Ors.

(Transferee')

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

No. AR.III/37EE/27468/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing No. Piece or parcel of Agr. land bearing (1) S. No. 438, H. No. 2 & CTS No. 1102, (2) S. No. 435H. No. 1 (3) S. No. 435 H. No. 2 CTS No. 1160, Chinhavali, Malad (W), situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985

the Competent Authority at Hombay on 2-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfes; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing (1) S. No. 438 H. No. 2 CTS No. 1102 (2) S. No. 435 H. No. 1 & CTS No. 1159 (3) S. No. 435, H. No. 2 and CTS No. 1160, Chinchavali, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/27468/85-86 on 2-12-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-8-1986

(1) M/s. New Rajasthan Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Jain Church Builders.

(Tranferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR-III/37EE/27345/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 5 Vishal Nagar, at Malad Marve Road, Malad (W) Rombay-64

(W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afodesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot No. 5, Vishal Nagar, Malad Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/27347/85-86 dated 2-12-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-8-1986

- (1) M/s. New Rajasthan Builders.
- (Transferor)

(2) Neptune Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR-III/37EE/27345/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plot No. 4, Vishal Nagar, survey No. 26, Hissa No. 2, S. No. 46, Hissa No. 1, CTS No. 308/11, Malad Marve Rd.,

Malad (W),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :—

- (a) by any of th eaforesald persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4, Survey No. 26, Hissa No. 2, Survey No. 46, Hissa No. 1, CTS No. 308/11 Malad Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/27345/85-86 dated 2-12-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-8-1986

Seel :

(1) M/s. New Rajasthan Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Navjivan Builders.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR-III/37EE/27346/85-86.-Whereas, f. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plot No. 6, Vishal Nagar, Marve Road, Malad, (W),

Bombay.

mansfer with the object of :-

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) the citating the reduction or evanton of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; said/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6, Survey No. 46, Hissa No. 1, CTS No. 308/13 Malad Marve Road, Malad (W), Bombay-64.
The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/27346/85-86 dated 2-12-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-8-1986

Seal.

21-256GI/86

FORM ITNS .--

(1) Ram nikalal C, Sheth & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Kewalram P. Kakwani & Ors.

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Arihant Metals & Alloys P. Ltd.

(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 11th August 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. AR-III/37FF/27128/85-86.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the 'ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act," shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. Unit No. C. Amar Brass Compound, 159(O) CST Rd., Kalina, Santacruz (East), Bombay, situated at Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability. of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Unit No. C, Amar Brass Compound, 159(O) CTS Road, Kalina, Santacruz (E), Bombay.

agreement has been registered by the Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/27128/85-86 dated 2-12-11985,

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other arests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

Date: 11-8-1986

FORM I.T.N.S.———

(1) Mrs. Kusumben Vasant Shah.

(Transferor)

(2) Dr. R. C. Khokani & Ots

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th August 1986

Ref. No. III.37EE/27111/85-86.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Plet No. 32 with structure standing thereon, Saras Baug,

CHSL, Deonar Bombay-88 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 32 with structure standing thereon, Saras Baug SCHL.. Deonar, Bombay-400 088.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE-27111/85-86 dated 2-12-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-8-1986

FORM I.T.N.S .--

(1) Mr. Tarcisius Raymond D'Lima.

(Transferor)

(2) Satish J. Dattani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1986

Ref. No. AR.III-37EE/27129/85-86.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Piece of parcel of land bearing S. No. 26. Hissa No. 1
(P) CTS No. 336, Village Valnai, Taluka-Borvli, Ramchandra Lane, Malad (W), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing S. No. 26, Hissa No. 1(p) CTS No. 336, Village Valnai, Taluka Borivli, Ramchandra lane, Malad (W), Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EF/27129/85-86 dated 2-12-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th August 1986

Ref. No. AR.III/37EE/27323/85-86,—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land with structures standing thereon bearing C.T.S. Nos. 5290-5320 situated at Jn. of Dernsar Lane & Mahatma Gandhi Road, Ghatkopar (E), Bombay-77. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Insome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mr. M. L. Bhakta & Others, Trustce of Bai Kabibai & H. M. Charity Trust
- (2) M/s. Jasmine Builders Pvt. Ltd

(Transferor)
(Transferee)

(3) Shri D. Hingwala & 11 others.

gwala & 11 others,
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land with structures standing thereon bearing C.T.S. Nos 5290-5320 situated at Junction of Derasar Lane & M.G. Road, Ghatkopar (East). Bombay-400 077

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/27323/85-86 dated 2-12-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-8-1986

FORM ITNS----

(1) Shri Jaidevshingh Narayansingh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 Or 1901)

(2) Manmohan Wallia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th August 1986

Ref. No. AR.III/37EE/27240/85-86.-Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Plot bearing CTS No. 396, 396/1 to 396/59, Kanjur

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985 market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Piece or parcel of land bearing CTS No. 396, 396/1/ to 395/59, Kanjur, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Notice Production of the Competent Notice Production Notice Production of the Competent Notice Production of the Competent Notice Production of the Competent Notice Production N

THE SCHEDULE

Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/27240/85-86 dated 2-12-1985.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-8-1986

(1) Shankarlal K. Pahuja & Anr.

(2) Mr. Ved Prakash Malhotra & Anr.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th August 1986

Ref. No. AR.111.37EE/27421/85-86.—Whereas, I. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (thereinafter referred to as the saidd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and btaring No.

Bunglow No. 29, Atur Park, S.T. Road, Chembur, Bombay- $400\,\overline{0}71$

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow No. 29, Atur Park, S.T. Road, Chembur, Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/27421/85-86 dated 2-12-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date · 5-8-1986

(1) Dr. (Mrs.) Kumudini S. Ghate.

(Transferor)

(2) Mrs. Mala S. Iyer.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th August 1986

Ref. No. AR.III/37EE/27053/85-86,Whereas. I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. Piece or parcel of land Chambur Taluka Kurla, Plot No. 203. S No. 1030, Chembur, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filtern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac_ε, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetie.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land bearing Plot No. 203, City Survey No. 1030, Chembur Taluka Kurla Chembur, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/EE-27053/85-86 dated 2-12-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-8-1986

Seal ;

- (1) Mr. Ramesh Shantilal Patel & Ors.
- (Transferor)
- (2) Mr. Satish Jamnadas Dattan & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th August 1986

Ref. No. AR.III/37EF/27210/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plot of land S. No. 6(p) Village Goregaon, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in mapeet of any income aridas from the transfer; and for
- (v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing Survey No. 6 (part), Village Goregaon, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37FE/27210/85-86 Jated 2-12-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Rombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

22--256GI/86

Date: 5-8-1986

(1) Ipca Laboratories Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ethnor Limited.

(Tansferee)

(3) Ethnor Limited.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th August 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

Ref. No. AR.III.37.EE/27405/85-86.—Whereas, I,

A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Cottage No. 7B, Beach Resort Premises CHS Ltd., Malad
Marve Road, Erangal Village, Malad, Bombay-64
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered
under section 269AB of he Income-tax Act 1961 in the office

of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument between the transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Asi, 1957 (27 or 1957);

THE SCHEDULE

Cottage No. 7B, Beach Resort Premises Co-op. Soc. Ltd., Malad Marve Road. Erangal Village, Bombay-400064.

The agreement has been registred by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III./37EE.27405/ 85-86 dated 2-12-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiated proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-8-1986

- (1) The Everest Builders.
- (Transferor)

(2) Sukhsagar Classes.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III ROMBAY

Bombay, the 5th August 1986

Ref. No. AR.111.37EE/26897/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Premises No. 1 on 1st floor in NAND ASHISH on Plot No. 177/179, TPS III, R.B. Mehta Marg, Ghatkopar (E).

Bombay-400077

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transferont and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Premises No. 1 on 1st floor in Nand Ashish Plot No. 177/179, TPS 111, R. B. Mehta Marg, Ghatkopar (East), Bombay-400077.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III.37EE.26897/85-86 dated 2-12-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 5-8-1986

- (1) M/s. Lamba Punjabi Restaurant.
- (Transferor)
- (2) Mrs Safia Abdul Rehman Sheikh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-MONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th August 1986

Ref. No. AR.111.37EE/27399/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 17. 18 & 19, Acharya Commercial & Shopping
Centre, Dr. C. G. Road, Near Basant Cinema, Chembur, Bombay-400074

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the at Bombay on 2-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the trensferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers
- (%) facilitating the concealment of any income or any manage or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the repostive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzzitte.

BRUPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop Nos. 17, 18 & 19, Acharya Commercial & Shopping Centre, Dr. C. G. Road, Near Basant Cinema, Chembur, Bombay-400074.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/27399/ 85-86 dated 2-12-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 5-8-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) G.V. Kamath Investments & Tours.

(Transferor)

(2) Billawar Association.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th August 1986

Ref. No. AR.III.37EE/27313/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (ereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable rs tue sam axet j, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Office No. 1, "Neelkanth Commercial Complex, Chembur Govandi Road, Chembur, Bombay-400071
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the arrangement in parison of

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aut, respect of any income arising from the trans ام/ أحد

(b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other accets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957)6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expirer later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 1, Neelkanth Commercial Complex, Chembur Govandi Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/27313/85-86 dated 2-12-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 5-8-1986

FORM TINE

(1) Shri Dattatray R. Pandit.

(Transferor)

(2) M/s Vikram Builders.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th August 1986

Ref. No. AR.III / 37EE / 27320 / 85-86. Whereas, I. A. PRASAD,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Piece of land bearing CTS No. 759 A & B and 704B S. No. 68, Hissa No. 4, 5 and 9 of Village Mulund (E), Taluka

Karla, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inferen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as awared to between the parties consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any facome arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Asc. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Piece of land bearing CTS No. 759A & B and 704B, S. No. 68 Hissa No. 4, 5 & 9 of Village Mulund (E), Taluka Borivli, Mulund (E).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/27320/85-86 dated 2-12-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 5-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) National Marketing Corporation.

(Transferor)

(2) Srichand Hariram Karara & Anr.

(Transféree)

(3) National Marketing Corporation.

(person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th August 1986

Ref. No. AR.III.37EE/27216/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Auhority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair conduct value of the conduct value of the conduct value. immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Bunglow No. 12-B/2, Model Town, Mulund (W), Bombay-

400080

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow No. 12-B/2, Model Town, Mulund (West), Bombay-400080.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/27216/85-86 dated 2-12-1985.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 5-8-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th August 1986

Ref. No. III-1398/Acq./86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Touzi No. 5233, thana No. 23, khata No. 22, khesra No. 499 situated at Mouza Saguna, P.S. Danapur, Distt. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 30-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/ex
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Encome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Md. Ilias through Uday Kumar Sinha, /o late Bhawani Sahay of Nasrigani, P.S. Danapur, District Patna.

(Transferor)

(2) M/s Bijay Bihar Sahakari Girh Nirman Samity Ltd. through its Secy. Kumar Birendra Pratap Singh of Kurjee Balupar, P.S. Digha, P.O. Sadakat Ashram, District Patna.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kathas situated at Saguna, P.S. Danapur, District Patna morefully described in deed No. 3144 dated 30-4-1986 registered with D.S.R. Patna.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BURING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th August 1936

Ref. No. III-1399/Acq./86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reasen to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Touzi No. 11/802 C, thana No. 21, khata No. 776. khesra No. 994 situated et Mouza Danapur, Shahjadpur, P.S. Dana-

pur, District Parna (and more fully described in the Schedule annexed here o). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer in Petna on 1-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (*) facilitating the reduction or ovacion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mad/er
- (5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ajay Kumar Sinha,

a o Sri Rajeshwar Pd. Sinha of Gola Road, Danapur, District Patna.

(Transfeeor)

(2) M/s Bijay Bihar Sahakari Girh Nirman Samity Ltd. through its Secy. Kumar Birendra Pratap Singh of Kurjee Balupor, P.S. Digha, P.O. Sadakat Ashram, District Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 43 decimals situated at Danapur Shahjad-pur, P.S. Danapur, District Patna morefuly described in deed No. 2415 dated 1-4-1986 registered with D.S.R. Patna.

> DURGA FRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons pages 19. ing persons, namely:---

23-256GI/86

Date: 14-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th August 1986

Ref. No. III-1400/Acq./86-87.--Whereas, 1, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Touzi No. 11/802, than No. 21, khata No. 776, khesra No.

499 situated at Mouza Danapur-Shahjadapur, P.S. Danapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 28-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer us agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Binod Kumar Sinha, S/o Sri Rajeshwar Pd. Sinha of Gola Road Danapur, P.S. Danapur, District Patna.
- (Transferor) (2) M/s. Baay Bihar Sahakari Grih Nirman Samity Ltd. through its Secy. Sri Kumar Birendra Pratap Singh of Kuriee Balupar. P.S. Digha, P.O. Sadakat Ashram District Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 42 decimals situated at Danapur-Shahjad-pur, P.S. Danapur, District Patna morefully described in deed No. 3019 dated 28-4-86 registered with D.S.R. Patna,

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bibar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date 14-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th August 1986

Ref. No. iII-1410/Acq./86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Touzi No. 5233 thana No. 23, khata No. 22, khesra No. 499 situated at Mouza Saguna, P.S. Danapur, District Patna (and nove fully described in the Schedule approved hereto)

Touzi No. 5233 thana No. 23, khata No. 22, khesra No. 499 situated at Mouza Saguna, P.S. Danapur, District Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 2-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Md Ilias, S/o Abdul Gaffar, At Hardi Lane, P.S. Danapur, District Patna.

(Transferor)
(2) M/s Bijay Bihar Sahakari Grih Nirman Samiti Ltd.,
through its Secy. Kumar Birendra Pratap Singh of
Kurjee Balupar, P.S. Digha, P.O. Sadakat Ashram,
District Patna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 kathas situated at mouza Saguna, P.S. Danapur, District Patna morefully described in deed No. 3208 dated 2-5-1986 registered at D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesait property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1986

The second responsibility of the second seco

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th August 1986

Ref. No. III-1402/Acp/86-87.--Whereas, 1, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing exceeding

Touzi No. 11/802, than No. 21, khata No. 776, khesra No. 994 situated at Mouza Danapur-Shahjadpur.

P.S. Danapur, Distt. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (!6 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 19-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more thtan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of 'his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Smt. Lagmani Devi W/o Sri Rajeshwar Pd. Sinha of Danapur Gola Road, Danapur, Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Bijay Bihar Sahakari Girh Nirman Samiti Ltd., through its Secretary Kumar Birendra Pratap Singh of Kurjee Balupar, P.S. Digha, P.O. Sadakat Ashram, Distt. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a puriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 34 decimals situated at Danapur Shaahjudpur, P.O. Danapur. Distt. Patna more fully described in deed No. 2848 dated 19-4-1986 registered with DSR Patna.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar, Patna

Date: 14-8-1986

FORM ITNS ...-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th August 1986

Ref. No. III-1403/Acp/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Touzi No. 11/806, thana No. 21, khata No. 793, khesra No. 1671 situated at Mouza Danapur-Shahjadpur, P.S. Danapur, Distt. Patna

P.S. Danapur, Distt, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 28-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. S/Shri Dwarika Rai 2. Jaddu Rai 3. Raghu Rai Ss/o late Janu Rai of Gandhi Nagar, P.S. Danapur, P.O. Digha, Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Bijay Bihar Sahakari Girh Nirman Samili Ltd. through its Secretary Kumar Birendia Pratap Singh of Kurjee Balupar, P.S. Digha, P.O. Sadakat Ashram Distt, Patna,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition to the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 56 decimals situated at Danapur-Shahjadpur, P.S. Danapur, Distt. Patna morefully described in deed No. 3035 dated 28-4-1986 registered with DSR Patna.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar, Patna

Date: 14-8-1986

Scal:

(1) Shri Arun Kumar Sinha S/s Sri Rajeshwar Pd. Singh of Gola Road Danapur, P.S. Danapur, Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Bijay Bihar Sahakari Girh Nirman Samity 1.td., through its Secretary Kumar Birendra Pratap Singh of Kurjee Balupar, P.S. Digha, P.O. Sadakat Ashram, Distt. Patna.

('Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th August 1986

Ref. No. III-1404/Acq/8687.--Whereas, 1, DURGA PRASAD,

DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Touzi No. 11/802, P.S. No. 21, khata No. 776, Plot No. 994 situated at Mouza Darapur-Shahjadpur, P.S. Danapur, Distt. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under the Registration Act 1908. (16

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 29-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(a) by any of the aferenaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons. whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

(b) facilitating the conocalment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Isooms-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land measuring 54 decimals situated at Danapur-Shahjad-pur, P.S. Danapur, Distt. Patna morefully described in deed No. 3055 dated 29-4-86 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely -

Date: 14-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Rajeshwar Pd. Singh S/o late Raj Narain Singh of Gola Road Danapur, P.S. Danapur, Distt. Patna. (Transferor)

(2) Bijay Bihar Sahakari Girh Nirman Samity Ltd., through its Secretary Kumar Birendra Pratap Singh of Kurjee Balupar, P.S. Digha, P.O. Sadakat Ashram, Distt. Patna.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BIHAR
BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th August 1986

Ref. No. III-1405/Acq/86-87.—Whereas, I. DURGA PRASAD,

burga Prasad, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Touzi No. 11/802, thana No. 21, khata No. 776, khesra No. 994 situated at Mouza Danapur-Shahjadpur, P.S. Danapur Disti Patna

P.S. Danapur, Distt. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 19-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichtver period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Land measuring 33 decimals situated at Danapur-Shahiadpur, P.S. Danapur, Distt. Patna morefully described in deed No. 2849 dated 19-4-1986 registered with DSR Patna.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BIHAR
BORING CANAL ROAD
PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th August 1986

Ref. No. III-1406/Acp/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Touzi No. 809C P.S. No. 37, khata No. 57, plot No. 335
situated at Mouza Kothwan, P.S. Danapur, Disti. Patna
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Patna on 15-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Sonaphul Devi W/o Sri Kedar Nath Rai of Panapur Purani, P.S. Danapur. Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Adhunik Sahakari Girh Nirman Samity 1 id. through its Secretary Sri Birendra Kumar of Bailey Road, Patna.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 101 decimals situated at mouza Kothwan, P.S. Danapur, Distt. Patna morefully described in deed No. 3526 dated 15-5-1986 registered with DSR Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1986

segl:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Adhunik Sahakari Girh Nirman Samity Ltd. through its Secy. Sri Birendra Kumar of Bailey Road, Patna.

(1) Smt. Parvati Devi W/o Sri Chandra Man Rai of Panapur Purani, P.S. Danapur,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-MONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th August 1986

Ref. No. III-1407/Acq./86-87.—Whereas, I. DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
Touzi No. 809C, P.S. No. 37, khata No. 57, plot No. 335, situated at Mouza Kothwan, P.S. Danapur, Distt. Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Patna on 15-5-1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

end/or

(b) facilitating the concealeent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-Cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10½ decimals situated at mouza Kothwan, P.S. Danapur, Distt. Patna morefully described in deed No. 3525 dated 15-5-1986 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, bamely :---24---256GI/86

Date: 14-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th August 1986

Ref. No. III-1408/Acq./86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Touzi No. 809C P.S. No. 37, khata No. 57, plot No. 335, situated at mouza Kothwan, P.S. Danapur, Distt, Paina, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patna on 14-5-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) inclitrating the restoches an evision of the Hability of the transferor to pay fax under the said Act, is respect of any 'neome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sonaphul Devi W/o Sri Kedar Nath Rai of Panapur Purani, P.S. Danapur, Distt. Patna.

(Transferor)

 Adhunik Sahakari Girh Nirman Samity Ltd. through its Secy. Sri Birendra Kumar of Bailey Road, Patua.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10½ decimals situated at mouja Kothwan, P.S. Danapur. Distt. Patna, morefully described in deed No. 3475 dated 14-5-1986 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 14-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th August 1986

Ref. No. 111-1409/Acq/86-87.—Whereas, J. DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Touzi No. 809C P.S. No. 37. khata No. 57, plot No. 335, eliusted at Mayie Kotheson P.S. Dengang Diett Batan

situated at Mouja Kothwan, P.S. Danapur, Distt. Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patna on 14-5-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income oor any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): (1) Smt. Pravati Devi W/o Srl Chandra Man Rai. of Panapur Purani, P.S. Danapur, Distt. Patna. (Transferor)

(2) Adhunik Sahakari Girh Nirman Samity Ltd. through its Secy. Sri Birendra Kumar of Bailey Road, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 and measuring 10; decimals situated Kothwan, P.S. Dancou, Dist. Patna morefully described in deed No. 3474 dated 14-5-1986 registered with S.R. Patna.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the a quisition of the aforesaid property by the issue of this notice under aforesaid property by section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date: 14-8-4986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th August 1986

Ref. No. III-1410/Acq./86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the stid Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Part plot No. 762, holding No. 722/401, ward No. 2 Circle No. 6 situated at Exhibition Road, P.S. candhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Patna on 3-4-1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Gagan Cooperative House Construction Society Ltd. through its Secy. Md. Reyazuddin Khan R/o Grand Hotel Premises, Fraser Road, B.S. Maturalia District. Pater. P.S. Kotwali, Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Miss Priyanka Shahabadi (Minor) under the guardianship of her father Shri Mohanji Prasad R/o Culmohar Flat No. 34 (3rd floor) at 6-C Middleton Street, P.S. Park Street, Calcutta-700016.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire flat No. 206 on the 2nd floor of Gagar Apartments measuring 059 sft. situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan, Patna morefully described in deed No. 2441 dated 3-4-1986 registered with D.S.R. Patna,

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acqui ition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) cf Section 269D of the said Act, to the following per-

sons, namely :---

Date: 14-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OP 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th August 1986

Ref. No. III-1411/Acq./86-87.--Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Part of plot No. 762, holding No. 722/401, ward No. 2,

circle No. 6

situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Patna on 10-4-1986

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Gagan Cooperative House Construction Society Ltd. through Secy. Md. Reyazuddin Khan R/o Grand Hotel Premises, Fraser Road, Kotwall, Patna.

(Transferor)

(2) Shri Braj Kishore Jaiswal S/o Sri B. D. Jaiswal, Attorney for his wife Smt, Vidya Jaiswal R/o Lakshim Chitra Mandir Pvt. Ltd. Boddom Bazar, P.S. Sadar, Distt. Hazaribagh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be saids in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire Firt No. 306 on the 3rd floor of Cagan Apartments measuring 1059 sft. situated Exhibition Road, P.S. Gandhi Mailan, Patna morefully described in dead No. 2631 dated 10-4-1986 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD Compete it Authority Inspecting Assistant Commissioner c: Income-tax Acquisition Range, 3ihar, Patna

Date: 14-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor) (2) Jawaharlal Nehru Niketan Sahakari Girh Nirman Samity Ltd. through its Scoy, Jagdip Singh R/o Rajbanshi Nagar, P.S. Shastri Nagar, Paina. (Transferee)

(1) Shri Tapeshwar Prasad Sinha S/o Late Sri Gajraj Singh Vill. Jalalour, P.S. Danapur, Distt. Patna.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th August 1986

Ref. No. III-1412/Acq/86-87.-Whereas, J, DURGA PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Touzi No. 5808, P.S. No. 22, khata No. 192, khasra

No. 164, situated at Mouja Jalalpur, P.S. Danapur,

Distt. Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Patna on 1-4-1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as arread to between the parties has not been transfer as agreed to between the parties has not been troly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the traveler; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incone-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understrued :---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazene

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 24 decimals situated at Mouje Jalahur, P.S. Danapur, Distt. Patna morefully described in deed No. 2419 dated 1-4-1986 registered with D.S.R. Patna

> DURGA PRASAD Competent Authority Lispecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Binar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act, I hereby suitate proceedings for the requisition of the aforesa d property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely :---

Date: 14-8-1586

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th August 1986

Ref. No. III-1413/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Touzi No. 5808 thana No. 22, Khata No. 192, khasra
No. 164 situated at Jalalpur, P.S. Danapur, Distt. Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Patna on 1-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) (notituding the reduction or evision of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers COS & ROW
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax sot, 1957 (27 of 1957);

.ow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcald property by the issue of this notice under sumvection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Tapeshwar Pd. Sinha S/o Late Gajraj Singh of Jalalpur, P.S. Danapur, Distt. Patna.

(Transferor) (2) Jawaharlal Nehru Niketan Sahakari Girh Nirman Samity Ltd., through its secy. Jagdip Singh of Jajbanshi Nagar, P.O. & PS Shastrinagar Disti. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquialtion of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 24 decimals situated at Mouza Jalalpur, P.S. Danapur, Distt. Patna morefully described in deed No. 2411 dated 1-4-1986 registered with D.S.R. Patna.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Patna

Date: 14-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th August 1986

Ref. No. III-1414/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and btaring No.
Thana No. 22, touzi No. 5170, khata No. 4, plot No. 136
situated at Mouza Jalalpur, P.S. Danapur, Distt. Patna,
and more fully described in the schedule annexed hereto) has been ransferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registration Officer at Patna on 24-4-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Ram Khelari Singh S/o Late Renu Singh of Jalalpur, P.S. Danapur, Distt, Patna,

(Transferor)

(2) Shri Bisras Sahakari Girh Nirman Samity Ltd. through its Secy. Sri Upendra Mandal of North Srikrishnapur, Distt. Patna,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official George or a period of 30 days from the service of notice on the respective pursons, whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 kathas situated at Mouja Jalalpur, P.S. Danapur, Distt. Patna morefully described in deed No. 2042 dated 24-4-1986 registered with D.S.R. Patna.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons namely :-

Date: 14-8-1986

VOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE B1HAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th August 1986

Ref. No. III-1415/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Res 1.00.000/- and beging No.

as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Thana No. 22, touzi No. 5170, khata No. 4, plot No. 136 situated at Mouza Jalalpur, P.S. Danapur. Distt. Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patna on 24-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per coat of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ind/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1987).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the salt Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following cersons. namely.—
25—256GI/86

 Shri Tekka Singh S/o Late Renu Singh at Jalalpur, P.S. Danapur, Distt, Patna,

(Transferor).

(2) Shti Bisras Sahakati Girh Nirman Samity Ltd.
through its Secretary Sii Upendra Mandal
R o North Shrikrishnapur, Patna.

(Transferee)

23475

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 kathas situated at Mouza Ialelpur, P.S. Danapur, Distt. Patna morefully described in deed No. 2943 dated 24-4-1986 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 14-8-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Janardan Pd. Singh S/o Sri Girja Singh of Jalalpur, P.S. Danapur, Distt. Patna.

(2) Shri Bisras Sahakari Girh Nirman Samity Ltd. through its Secy. Sri Upendra Mandal of North Shrikrishnapur, Distt. Patna.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th August 1986

Ref. No. III-1416/Acq/86-87.—Whereas, J, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Thana No. 22, touzi No. 5170, khata No. 4, Plot No. 137
situated at Mouza Jalalpur, P.S. Danapur, Distt. Patna,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been ransferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of the Registering Officer at Patna on 26-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 kathas 15 dhurs situated at Mouja Jalalpur, P.S. Danapur, Distt, Patna morefully described in deed No. 2981 dated 26-4-1986 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 14th August 1986

Ref. No. III-1417/Acq/86-87,—Whereas, I.

DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Thana No. 22, Touzi No. 5170, Khata No. 4, plot No. 137 situated at Mouja Jalalpur, P.S. Danapur, District Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Patna on 26-4-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilizating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transf **49**4√07
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-test Ast, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Shakaldip Singh S/o Sri Girja Singh of Jalalpur, P.S. Danapur, Distt. Patna.

(Transferor) (2) Bisras Sahakari Grih Nirman Samitv Ltd. through its Secy. Sri Upendra Mandal of North Shrikrishnapuri, Patna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 kathas 15 dhurs situated at Mouza Jalalpur, P.S. Danapur, Distt. Patna morefully described in deed No. 2980 dated 26-4-86 registered with D.S. Patna.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-8-86

FORM ITNS—— -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

CQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 13th August 1986

Ref. No. 1II-1418/Acq/86-87.—Whereas, I,

DURGA PRASAD, being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Thana No. 22, Touzi No. 5170, Khata No. 4, plot No. 137 situated at Mouza Jalalpur, P.S. Danapur, District Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 26-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Girja Singh S/o Late Sampat Singh of Jalalpur, P.S. Danapur, Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Bisras Sahakari Grih Nirman Samity Ltd. through its Sccy. Sri Upendra Mandal of North Shrikrishnapuri, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person instead in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 kathas 15 dhurs situated at Mouza Jalalpur, P.S. Danapur, Distt. Patna morefully described in deed No. 2979 dated 26-4-86 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I heroby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-8-86

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 14th August 1986

Ref. No. III-1419/Acg/86-87.--Whereas, J, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Touzi No. 5406, thana No. 21, khata No. 448, khasra No.

1624 situated at Mouza Danapur-Shahjadpur, P.S. Danapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at has been Patna on 7-4-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Deosharan Mahto S/o Late Kurkut Mahto

2. Raj Kumar 3. Raj Kishore sons of Deosharan Mahto of Naya tola Sagoon, P.S. Danapur, Distt. Patna.

(2) Janakpuri Sahakari Girh Nirman Samity Ltd., through its Secy. Tripti Narayan Iha of Narial Ghat, Danapur, P.O. Digha, Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 katha situated at Mouza Danapur-Shahjadpur, P.S. Danapur, Distt. Patna morefully described in deed No. 2559 dated 7-4-86 registered with D.S.R. Patna.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2000 of the said Act, to the following persons, _mely:—

Date: 14-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 14th August 1986

Ref. No. III-1420/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Touzi No. 5406, than No. 21, khata No. 448, khesra No. 201, khata No. 448, khesra No. 21, khata No. 448, khesra No

1624 situated at Mouza Danapur-Shahjadpur, P.S. Danapur,

Distt. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patna on 7-4-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Deosharan Mahto S/o Late Kurkut Mahto 2. Raj Kumar

3. Raj Kishore sons of Deosharan Mahto of Naya tola Sagoon P.O. & P.S. Danapur, Distt. Patpa. (Transferor)

(2) Janakpuri Sahakari Girh Nirmna Samity Ltd. through its Secy. Tripti Narayan Jha of Narial Ghat, P.S. Danapur, P.O. Digha. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquision of the said properts may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 katha situated at Mouza Danapur-Shahjadpur, P.S. Danapur, Distt. Patna morefully described in deed No. 2560 dated 7-4-86 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcreald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the mid Act, to the fellowing persons, semely :--

Date: 14-8-86

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 14th August 1986

Ref. No. III-1421/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Touzi No. 5406, thana No. 21, khata No. 448, khesra No. 1624 situated at Mouza Danapur-Shahjadpur, P.S. Danapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under of 1908) in the office of the Registering Officer at section 269AB of the said Act in the office of the

Patna on 7-4-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than titteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Shri Deosharan Mahto S/o Late Kurkut Mahto

 Raj Kumar
 Raj Kishore sons of Decaharan Mahto of Naya tola Sagoona, P.O. & P.S. Danapur, Distt. Patna.

(Transferor) (2) Janakpuri Sahakari Girh Nirman Samity Ltd. through its Secy. Tripti Narayan Jha of

Narial Ghat, Danapur, P.O. Digha, Dist. Patna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 katha situated at Mouza Danapur-Shahjadpur, P.S. Danapur, Distt. Patna morefully described in deed No. 2558 dated 7-4-86 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 14-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 12th August 1986

Ref. No. III-1363/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable respective having a fair market relationship.

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing part of plot No. 762, holding No. 722/401, ward No. 2, Circle No. 6, Sheet No. 31 situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan, Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patna on 13-3-86

persons, namely:---

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

- (1) M/s. Gagan Cooperative House Construction Society Ltd. Patna through its Secretary Md. Reyazuddin Khan s/o late Reyazat Ali R/o Grand Hotel Premises, Fraser Road, P.S. Kotwali, Patna.
- (Transferor)

 (2) Krishna Gopal Agarwal s/o Late Sri Manna Lal Agarwal, R/o Bhopalka Niwas, Boring Canal Road, P.S. Budha Colony, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Entire flat No. 402 on the 4th floor of Gagan Apartments measuring 997 sft, situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan, Distt. Patna morefully described in deed No. 1961 dated 13-3-86 registered D.S.R. Patna.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Dated: 12-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 12th August 1986

Ref. No. III-1364/Acq/86-87.—Whereus, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing

Thana No. 38, Touzi No. 5486, khata No. 645, plot No. 109 situated at Nohsha Mahal Shahwajpur Nohsha, P.S. Fulwari, Distt. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patna on 25-1-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of tht liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :— 26—256GI/86

- (1) Shri Raj Kumar Sen S/o Sri Rishi Sen at-41, Grand Square, Danapure Cantt., Patna at present 3/57, Rajendra Nagar, Kadamkuan, Patna. (Transferor)
- (2) M/s. Nalanda Biscuit Company Pvt. Ltd. through Sri Mool Narain Khanna s/o Late Sheo Narain Khanna of 7/73, Tilak Nagar, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 102 decimals situated at Nohsha Mahal Shahwajpur Nohsha, P.S. Fulwari, Distt. Patna morefully described in deed No. 639 dated 25-1-86 registered with D.S.R. Patna.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Dated: 12-8-1986

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Yogendra Pd. Singh S/o Late Gopi Nath of Sultanpur, P.O. & P.S. Danapur, Distt. Patna. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Saket Sabakari Girh Nirman Samity Ltd. through its Secy. Jung Bahadur Sinha, Danapur, Distt. Patna.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

> > Patua, the 12th August 1986

Ref. No. III-1365/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-P.S. No. 21, T. No. 5403, khata No. 459, plot No. 1584 & 1597 situated at Danapur Shahjadpur, P.S. Danapur, Distt. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 24-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the immovable property, within 24 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of 45 days from the date of publication of this notice the publication of the notice in the Official in the Official Gazette or a period of 30 days from

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 311 decimals situated at Danapur Shahjadpur, P.S. Danapur, Distt. Patna morefully described in deed No. 1448 dated 24-2-86 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following and learning

Dated : 12-8-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th August 1986

Ref. No. III/1366/Acq/86-87.—Whereas, 1, DURGA PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ray Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. part of plot No. 762, holding No. 722/401, ward No. 2, circle No. 6, situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan,

Distt. Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering officer at

Patna on 19-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any become arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Gagan Cooperative House Construction Society Ltd., Patna through its Secy, Md. Reyazuddin Khan, R/o Grand Hotel Premises, Fraser Road, Patna.

(Transferor)

(2) Shri Shyam Sundar Mahajan S/o Sri Sarju Prasad Mahajan, R/o Murarpur, P.O., P.S. & Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the understrated:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire flat No. 207 on the 2nd floor of Gagan Aapartments measuring 1112 sft. situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan, Distt. Patna morefully described in deed No. 2139 dated 19-3-1986 registered D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna

Date: 12-8-1986

Scal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ram Babu Gupta S/o Sri Kishun Sao (2) Gurucharan Gupta, S/o Ram babu Gupta of Kashwar, Phulwari Sharif, P. S. Phulwari, Patna.

(Transferor)

(2) Shri Mool Narain Khanna s/o Late Shiv Narain Khanna, 7/73, Tilak Nagar, Kanpur.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th August 1986

Ref. No. III-1367/Acq/86-87.—Whereas, I. DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Touzi No. 5486 khata No. 645, plot No. 109, Thana No. 38 situated at Mouza Nausa Mahal Sabajpura Nausa, P. S. Phul-

wari, Distt. Patna.

end/or

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Paina on 31-1-86.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 38.25 decimals situated at Nausa Mahal Sabajpura Nausa, P.S. Phulwari, Distt. Patna morefully described in deed No. 874 dated 31-1-86 registered with D.S.R. Patna.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. he respect of any income arising from the transfer;

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Aut, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-8-1986

PART III—SEC. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR

Bihar, 12th August 1986

Ref. No. IΠ-1368/Acq/86-86.--Whereas, I,

DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. part of plot No. 762, holding No. 722/401, ward No. 2, circule No. 6, sheet No. 31, situated at Exhibition Road, P. S. Gandhi Maidan, Distt. Patna, (and more fully described in the Schedulc annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 20-2-86 Patna on 20-2-86

Patna on 20-2-86
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reducing or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Gagan Cooperative House Construction Society Ltd. . through its Secy. Md. Reyazuddin Khan R/o Grand Hotel Premises, Fraser Road. P. S. Kotwali, Distt. Patna.

(Transferor)

23487

(2) Shri Vaidyanath Khandelwal S/o Late Sri Satyanarayan Pd, Khandelwal, R/o Musa Sahu Building, Tower Chowk, Darbhanga.

(Transferce |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-mble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire Flat No. 104 on the 1st floor of Gagan Apartments measuring 690 sft. situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan, Distt. Patna and morefully described in deed No. 1361 dated 20-2-86 registered with D. S. R. Patna.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, BIHAR Bihar, 12th August 1986

Ref. No. III-1369/Acq/86-87.—Whereas, 1, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
T. No. 5403, P. S. No. 21, khata No. 459, plot No. 1597
situated at Danapur Shabjadpur, P.S. Danapur, Distt. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been ransferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 24-2-86.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eacht to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lesue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Davendra Pd. Sinha S/o Late Gopi Nath of Sultanpur, P. S. Danapur, Distt. Patna.

(Transferor) (2) Saket Sahakari Girh Nirman Samity Ltd.

through its Secy. Jang Bahadur Sinha, Danapur, Distt. Patna

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land measuring 7 kathas situated at Danapur-Shahjadpur, P.S. Danapur, Distt. Patna morefully described in deed No. 1449 dated 24-2-86 registered with D.S.R. Patna.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 12-8-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR

Bihar, 12th August 1986

Ref. No. III-1370/Acq/86-87.—Whereas, I. DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

part of plot No. 762, holding No. 722/401, ward No. 2, circle No. 6, sheet No. 31 situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 25-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the superty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Sad Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Gagan Cooperative House Construction Society Ltd. through its Secy. Md. Reyazuddin Khan R/o Grand Hotel Premises, Fraser Road, P. S. Kotwali, Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Ganesh Kumar Singh S/o Shri Sita Ram Singh, R/o Kadamkuan, Distt. Patna.

(Transfereo)

Objections, if any, to the negligible of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the arrice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire flat No. 102 on the 1st floor of Gagan Apartment measuring 977 sft. situated at Exhibition Road, P. S. Gandhi Maldan, Distt. Patna morefully described in deed No. 1478 dated 25-2-86 registered with D. S. R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-8-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Yogendra Prasad Sinha
 S/o Late Gopi Nath of Sultanpur,
 P.O. & P. S. Danapur, Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Saket Sahakari Girh Nirman Samity Ltd. through its Secy.Jang Bahadur Sinha,Danapur, Distt. Patna

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th August 1986

Ref. No. III-1371/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing P.S. No. 21, T. No. 5403, khata No. 459, plot No. 1584 & 1597, situated at Danapur Shahjadpur, P.S. Danapur, Distt. Patna (And more fully described in the sehedule approved hereta).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 24-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 314 decimals, situated at Danapur Shahjadpur, P.O. Danapur, Distt. Patna moremully described in deed No. 1450 dated 24-2-86 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-8-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th August 1986

Ref. No. III-1372/Acq./86-87.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing T. No. 5103, P.S. No. 21, khata No. 459, plot No. 1584, situated at Danapur Shahjahadpur, P.S. Danapur, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 24-2-86 for an apparent consideration which

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the cocnealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

27-256GI/86

(1) Shri Sushil Kumar Sinha, S/o Late Gopi Nath of Sultanpur P.O. & P.S. Danapur, Distt. Patna.

(Transferor)

23491

(2) Saket Sahakari Girh Nirman Samity Ltd., through its Secy. Jang Bahadur Sinha, Danapur, Distt. Patna

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nonce in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 kathas 15 dhurs situated at Danapur-Shahjadpur, P.S. Danapur, Distt. Patna morefully described in deed No. 1446 dated 24-2-86 registered with D.S.R. Patna.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Patna

Date: 12-8-1986

Scal:

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Bhupendra Nath Sinha S/o Late Gopi Nath of Sultanpur P.O. & P. S. Danapur, Distt. Patna.

(Transferor)

 Saket Sahakari Grih Nirman Samity Ltd. through its Secy. Jang Bahadur Sinha, Danapur, Distt. Patna.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th August 1986

Ref. No. III-1373/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing P. S. No. 21, T. No. 5403, khata No. 459, plot No. 1597 1597, plot N8 CMFWYP MFWY MPFWY PFWY P situated at Danapur-Shahjadpur, P. S. Danapur, Distt. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Patna on 24-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of noitce on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 7 kathas situated at Danapur-Shahjadgur P.S. Danapur, Distt. Patna morefully described in deed No. 1445 dated 24-2-86 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Ow Date: 12-8-1986 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th August 1986

Ref. No. III-1374/Acq 86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred co as the 'Said Act') have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Touzi No. 5486 khata No. 645, plot No. 109 situated at Nohsa Mahal Sahabajpur Nohsa, P.S. Fulwari, Distt. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patna on 31-1-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the air-reason us believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said astronacci of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Anand Kumar Gupta S/o Sri Ram Babu Gupta, At & P.O. Fulwarisharif, Distt, Patna.

(Transferor)

(2) Shri Nalanda Biscuit Co. Pvt. Ltd. through Sri Mool Narain Khanna, S/o Late Sri Sheo Narayna Khanna, 7/73, Tolak Nagar, Kanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette, publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 12.75 decimals situated at Nohsa Mahal Sahabajpur, Nohsa, P.S. Fulwari, Distt. Patna morefully described in deed No. 875 dated 31-1-86 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bihar. Pain:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Abhiyanta Grih Nirman Sahakari Samity Ltd. through its Secretary Sri Vinod Kumar Singh At Khajepura, P.S. Gardanibagh at present Shastrinagar, Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Ashiana Cooperative Housing Society Ltd. through its secy. Shri Kameshwar Pd. Singh, Fraser Road, P.S. Kotwali, Distt. Patna.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th August 1986

Ref. No. III-1375/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Touzi No. 5586 khata No. 126, S.P. No. 1115 (P), thana No. 11 situated at Mouza Khajepura, P.S. Gardanibagh at present Shustrinagar, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patna on 19-12-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

may be made in writing to the undersigned :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of <u>publication</u> of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13520 sq. ft. i.e. 9 katha 18 dhur 13 dhurkis situated at mouza Khajepura, P.S. Gardanibagh at present Shastrinagar Distt. Patna morefully described in deed No. 8455 dated 19-12-85 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Bihar, Patua

Date: 12-8-8-Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Rajesh Chandra Sinha s/o Sri Ramesh Chandra Sinha, At Gola Road, Danapur, P.O. & P.S. Danapur, Distt. Patna.

(Transferor)
(2) Shri Bijay Bihar Sahakari Girh Nirman Samity Ltd. through its secy. Kumar Birendra Pratap Singh, At Kurjee Balupor, P.S. Digha, P.O. Sadakat Ashram, Distt. Patna.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th August 1986

Rcf. No. III-1376/Acq/86-87.---Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Touzi No. 15C, thana No. 21, khana No. 776, khesra No. 991 situated at mouza Danopur Shahjadpur, P.S. Danapur, Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 7-12-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring decimals situated at mouza Danapur Shahjadpur, P.S. Danapur, Distt. Patna morefully described in deed No. 8155 dated 7-12-85 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Date: 12-8-86 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INCLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th August 1986

Ref. No. III-1377/Acq/86-87,—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Touzi No. 15C, P.S. No. 21, khata No. 776, khesra No. 988 (part) situated at Mouza Danapur Shahjapur, P.S. Dunapur, Distt. Patna

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 7-12-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property 28 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Dharamshila Sinha, W/o Sri Ramesh Chandra Sinha of Vill. Gola Road, P.O. & P.S. Danapur, Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Bijay Bihar Sahakari Housing Cooperative Ltd. Patna, through its Secy., Kumar Birendra Pratap Singh of Kurjee Balupar P.S. Digha, D.O. Sadakat Ashram, Distt. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 30 decimals situated at Mouza Shahjadpur. P.S. Danapur, Distt. Patna morefully described in deed No. 8154 dated 7-12-85 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Bihar, Patna

Date: 12-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th August 1986

Ref. No. III-1378/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing.

Thana No. 12 Touzi No. 595, khata No. 538 (part) situated at Mouza Kumhrar, P.S. Sultanganj, Distt. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patna on 15-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the paparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partner with the others of 1—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of eary income arising from the transfer; and/or
- (b) l'acilitating the concealment of any income or uny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely the

 Shri Ram Briksh Yadaw S/o Late Raja Bhagat, At Pathar-ki-Masjid, P.S. Sultanganj, Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Seva Niketan Sahukaci Girh Nirman Samıty Itd., through its Secy. Birendra Kumar, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 244 decimals situated at Mouza Kumhrar, P.S. Sultanganj, Distt. Patna morefully described in deed No. 1187 duted 15-2-86 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Patna

Date: 12-8-86. Seal:

L'ORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th August 1986

Rcf. No. III-1379/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Thana No. 28, Touzi No. 5170, khata No. 4, plot No. 137 situated at Mouza Jalalpur, P.S. Danapur, Distt. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering officer at Patna on 4-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Ashok Kumar Singh S/o Late Parmanand Singh, At Jalalpur, P.S. Danapur, Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Bisras Sahakati Girh Nirman Samity Ltd. Patna through its Secy. Upendra Mandal S/o Late Sheodhary Mandal, Vill. North Shrikrishnapuri, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 kathas 17 dhurs 5 dhurkis situated at Mouja Jalalpur, P.S. Danapur, Distt. Patna morefully described in deed No. 918 dated 4-2-86 registered with D.S.R.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range . Patna

Date: 12-8-86.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Paina-800 001, the 12th August 1986

No. III-1380/Acq/86-87.—Whereas, I, Ref.

DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing S.P. No. 1123 and 1115 (P), khata No. 126, touzi No. 5586, thana No. 11 situated at Mouza Khajepura, P.S. Gardanibagh at present Shastrinagar. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patna on 19-12-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-- 28-256GI/86

(1) Abhiyanta Girh Nirman Sahakari Samity Ltd. through its Secy. Sri Vinod Kumar Singh, At Khajepura, P.S. Gardanibagh, Patna.

(Transferor)

(2) Ashiana Cooperative Housing Society Ltd. through its Secy. Shri Kameshwar Pd. Singh at Fraser Road, P.S. Kotwali,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used here: 28 are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with compound wall and tin shed structure measuring 16 kathas 18 dhurs 19 dhurkis situated at Khajepura, P.S. Gardanibagh at present Shastrinagar, Distt. Patna morefully described in deed No. 8454 dated 19-12-85 registered with D.S.R. Patna.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Patna

Date: 12-8-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE !NOOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD. PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th August 1986

Ref. No. III-1381/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Pilhar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing part of plot No. 762 holding No. 722/401, ward No. 2, circle No. 6, sheet No. 31 situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan, Distt. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patna on 9-4-86 for an apparent consideration which is less than the fair Ref. No. III-1381/Acq/86-87.—Whereas, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties have not been truly extend in the consideration.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer;

ween the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :---

ad/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone, namely :---

(1) Gagan Cooperative House Construction Society Ltd. Patina through secy. Md. Reyazuddin Khan, R/o Grand Hotel Premises, Fraser Road, P.S. Kotwali. Disit. Patna.

(Transferor)

(2) Sumitra Kumari D/o Ihai Lal Sah (Late) R/o S. P. Verma Road, P.S. Kotwali, Distt. Patna,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chipter

THE SCHEDULE

Entire flat No. 701 on the 7th floor of Gagan Apartments measuring 1004 sft. situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan, Patna morefully described in deed No. 2597 dated 9-4 86 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bihar, Patna

Date: 12-8-86:

NOTICE UDNER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th August 1986

Ref. No. III-1382/Acq./86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing part of plot No. 762, holding No. 722/401, ward No. 2, sheet No. 31, circle No. 6 situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan, District Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 13-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:—

(1) M/s Gagan Cooperative House Construction Society Ltd., Patna through its Secretary Md. Reyazuddin Khan, R/o Grand Hotel premises, Fraser Road, P.S. Kotwali, District Patna.

(2) Shri Mahabir Pd. Agarwal, (Transferor)

s/o Late Sri Munna Lat Agarwal, R/o Bhopalka Niwas, Boring Canal Road, P.S. Budha Colony, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used becomes are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Intire flat No. 401 on the 4th floor of Gagan Apartments measuring 1004 sft, situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan, District Patna morefully described in deed No. 1912 dated 13-3-86 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bihar Patra

Date: 12-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th August 1986

Ref. No. 111-1383/Acq./86-87.--Whereas, I, DURGA PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing khata No.27, Khesra No. 986, 983, thann No. 27, touzi No.

11/806 situated at mouza Danapur Shahjadpur, P.S. Danapur. District Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 7-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Barhu Mahto, s/o late Jaygovind Mahto, Vill. Gawtal, P.S. Danapur, District Patna.

(Transferor)

(2) M/s Bijay Sahakari Grih Nirman Samity Ltd.,
through its Secy. Kumar Birendra Pratap Singh,
Kurjee Balupar, P.S. Digha,
District Patra District Patna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 54½ decimals situated at mouza Danapur Shahjadpur, P.S. Danapur, District Patna morefully described in deed No. 8153 registered with D.S.R. Patna on 7-12-1985,

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 12-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE @NOOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th August 1986

Ref. No. III-1384/Acq./86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing thana No. 12, Touzi No. 595, khala No. 358, plot No. 274 (part) situated at mouza kumhrar. P.S. Sultanganj. District Patna.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 15-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore did property and I have reason to believe that the foir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the portion has not been rouse status a time estal materialism of transfer with the object of :-

- fal formsmare to reduction or objects of the Hebity M the transferor to puy tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end for
- (b) raciditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wenlth-mx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : ---

(1) Shii Ram Lakhan Yadav, S/o Late Raja Bhagat of Pathar-ki-Masjid, P.S. Sultanganj, District Patna.

(Transferor)

(2) M/s. Scva Nikeian Sahakari Grih Nirman Samity Ltd., through its Secy. Birendra Kumar, Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as chall have the same meaning as given in that Chamber.

THE SCHEDULE

Land measuring 244 decimals situated at Kumhrar, P.S. Sultangani, District Patna morefully described in deed No. 1188 dated 15-2-1986 registered with D.S.R. Patna.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 12-8-1986

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th August 1986

Ref. No. III-1385/Acq./86-87. -Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing

Thana No. 11. Touzi No. 303, khata No. 355 and plot No. 613 situated at Mouza Sandalpur, P.S. Sultangani, District

Patna

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 11-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ramsewak Mahto (1) Sri Jagan Mahto alias Jagaarayan Mahto sons of Mohan Mahto of Sandalpur, P.S. Sultanganj, P.O. Mohendru, Patna.

(Transferor)

(2) M/s Sultanganj Sahakari Grih Nirman Samity Ltd., through its Scey. Md. Saghir Ahmad of Dargah Road Mandai, P.O. Mahendru, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here/n as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 20 decimals situated at Sandalpur, P.S. Sultangani, District Patna morefully described deed No. 5587 dated 11-12-1985 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th August 1986

Ref. No. III-1386/Acq./86-87.—Whereas, I. DURGA PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Holding No. 549/246/218 M.S. Plot 743, T. No. 205, sheet No. 31, Ward No. 2/10 situated at R. K. Bhattacharya Road, P.S. Gon 'hi Moi lan District Patna

P.S. Gan 'hi Mai lon, District Patna

(and more fully discribed in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 15-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Gesta Gupta, w/o Pravir Mohan Gupta, S.D. 7, Golf Green Calcutta, Present R. K. Bhattacharya Road, Patna.

(Transferor) (2) M/s Marufi Cooperative Housing Society Pvt. Ltd., through its Secy. Ajay Kumar Saraf, s/o Kiran Lal Saraf, Exhibition Road, Patna.

(Transferse)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old house at R. K. Bhattacharya Road, P.S. Gandhi Maindan, District Patna morefully described in deed No. 312 dated 15 1-1986 registered with D.S.R. Patna.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 12-8-1986

FORM ITNS----

NOTICE FINDER, SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Most, Ramkali Devi w/o Late Brahmdeo Gope of Pathan-Ki-Masiid, P.S. Suifanganj, Disa, Cama.

(Transferor)

(2) M/s Seva Niketan Sahakari Grih Nirman Samity Ltd. Through its Secretary Sri Birendta Kumar, Patna.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITIOIN RANGE BIHAR,

BORING CANAL ROAD, PATNA-800001 Dated the 12.8.1986

psilod the Ibisity of

Ref No. III-1387/ACP/86-87/—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'saki Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Thana No. 12, Khaia No. 538, plot No. 274 situated at Mouza Kumhrar, P.S. Sultangani, Distt. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transported under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 22-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this natice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 24 decimals, situated at Kumhrar, P.S. Sultangani, Distt. Patna morefully decribed in deed No. 1419 dated 22-2-86 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons, namely:—

Date: 12-8-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIOIN RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Dated the 12.8.1986

Ref. No. 111-1388/ACP/86-87/—Whereas, I. DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Tham Ivo. 12. Touzi No. 595, Khata No. 538, Plot No. 274

(Part)

situated at Mouza Kumhrar, P.S. Sultanganj, Distt. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 31-1-86

for an apparent consideration which is less than the fair mariet value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen for cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of he transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

29-256GI/86

(1) Shri Suraj Prasad Yadav S/o Late Kanbai Bhagat, At-Pathar-Ki-Masjid, P.S. Sultanganj, Distt. Patna

(Transferer)

(2) Shri Seva Niketan Sahakari Grih Nirman Samity Ltd. through its Secy. Birendra Kumar, Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are define in Chapter XXA of the said Act snall his the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 24. decimals situated at Mouza Kumhrar, P.S. Sultangani, Distt. Patna morefully described in deed No. 1186 dated 15-2-86 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range. Bihar, Petna

Date. 12-8-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIOIN CANGE BIHAR, BORING CANAL ROAD, LATNA-800001

Patua-800 001, the 12th August 1986

No. 1389/Acq./86-87.-- Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1901) (neven after referred to as the said Act') have reason to believe that the on as the said Act.) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1, 00000/-and bearing. Thana No. 28, Touzi No. 5170, khata No. 4, plot No. 137 situated at Mouza Jalalpur, P.S. Dangert, Diff. Patna. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 6-3-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of one property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Ram Anugarh Narayan Singh S/o Late Ram Piyare Singh At-Julalpur, P.S. Danapur, Distt. Patna.

(Transferer)

(2) Shri Bisras Sahakari Guh Numan Samity Ltd. through its Secy. Upondra Mandal S/o Late Sheodhari Mandal, At-& P.O. Shrikrishnapuri, Distr. Pama.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and measuring 8 katha situated at Mouza Jalalpur, P.S. Danapur, Distt. Patna morefully described in deed No. 1766 dated 6-3-86 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-8-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

APPA ERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTROIN RANGE BIHAR, BORING CANAL ROLD, PATNA-800001

Fatna-800 c/d. the 12th August 1986

Ref. No. III-1390/ACP/86-87/ -- Whereas, I. DURGA PRASAD.

being the Composent Authorn; under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing part of plot 762, holding No. 722/401, ward No. 2, circle No. 6 situated at Exhibition Road. P.S. Gandhi Maidan, Distr.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patna on 6-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of he indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Gagan Cooperative House Construction Society Ltd. through its Secy. Md. Reyazuddin Khan, R/o Grand Hotel Premises. Fraser Road, P.S. Kotwali, Distt, Patna. (Transferer)

(2) Shei Pradcep Kumar Shan S/o Sri Arjun Prasad Agarwal, R/o Sabzibagh, P.S. Pirbahora, Disti Patna. Disit. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire flat No. 503 on the 5th floor of Gagan Apartments measuring 786 sft. situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan, Distt, Patna, morefully described in deed No. 962 dated 6-2 86 registered with D.S.R. Patna.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following an sons, namely :--

Date 12-8-86 Seal •

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIOIN RANGE BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800 001, the 12th August 1986

Ref. No. III-1391/ACP/86-87---Whereas, f. DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing part of plot No. 762, holding No. 722/401, ward No. 2, circle No. 6

situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan. Distt, Patna.

(and more fully described in the Schedulo annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 5-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in sespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Gagan Cooperative House Construction Society Ltd. through its Secy. Md. Reyazuddin Khan, R/o Grand Hotel Premises, PS. Kotwali, Fraser, Disti.

(Transferer)

[PART III-DEC.]

- (2) Shri Lakhpat Rai Agarwal and Sri Prakash Chand Agarwal both sons of Late Sri Shiv Lal Agarwal R/o 100/3, Cozy Corner, Burdwan Compound.
 - P. S. Lalpur, Dist. Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property with a 4f days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire Flat No. 704 on the 7th floor of Gagan Apartments measuring 807 sft. situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan, Distt. Patna morefully described in deed No. 938 dated 5-2-86 registered D.S.R. Patna.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bibar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

Date. 12-8-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITIOIN RANGE BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 12th August 1986

Ref. No. 111-1392/Acq./86-87.—Whereas I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing,

part of plot No. 762, holding No. 722/401, Ward No. 2, Circle No. 6.

situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan, Distt. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring officer at Patna on 11-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ead/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Gagan Cooperative House Construction Society Ltd. through its Secy. Md. Reyazuddin Khan, R/o Grand Hotel Premises, Fraser Road, P.S. Kotwali, Distt. Patna.

(2) Shri Vijay Narain Tiwari S/o Late Bikram Tiwari R/o Salimpur Ahra, P.S. Gandhi Maidan, Distt. Patna.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from e service of notice on the respective persons, which ever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein in are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire flat No. 103 on the 1st floor of Gagan Apartments measuring 1140 sft. situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan, Distt. Patna morefully described in deed No. 1063 dated 11-2-86 registered with D.S.R. Patna.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the st Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following розвона, зажоју :---

Date 12-8-86. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF DEDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th August 1986

Ref. No. III-1393/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing part of plot No. 762, holding No. 722/401, ward No. 2, Circle No. 6, situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan, Distt. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 6-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any anoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the interest of the property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following physicans, namely;—

(1) Gagan Cooperative House Construction Society
Ltd. through its Society,
Md. Reyazuddin Khan
R/o Grand Hotel Premises,
Fraser Road,
P.S. Kotwali,
Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Arjun Prasad Agrawal, S/o Late Sri Beni Pd. Agarwal R/o Sabzibagh, P.S. Pirbahore, Distt. Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire flat No. 504 on the 5th floor of Gagan Apartments situated at Exhibition Road, P. S. Gandhi Maidan, Distt. Patna morefully described in deed No. 961 dated 6-2-86 registered with D.S.R. Patna measuring 807 sq. ft.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna,

Date: 12-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th August 1986

Ref. No. III-1394/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing part of plot No. 762, holding No. 722/401 ward No. 2, circle

6 situated at Exhibition Road, P. S. Gandhi Maidan, No.

Distt. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

nt Patna on 5-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Gagan Cooperative House Construction Society Ltd. through its Secy. Md. Reyazuddin Khan R/o Grand Hotel Premises, Fraser Road, P.S. Kotwali, Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Kumar Ratta S/o Late Sri Malak Chand Ratta R/o Naya Tola. P.S. Kadamkuan, Distt. Patna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire Flat No. 603 on the 6th Roor of Gagan Apartments measuring 786 sft. situated at Exhibition Road, P. S. Gandhi Maidan, Distt. Patna morefully described in dead No. 937 dated 5-2-86 registered with D.S.R. Patna.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bibar Patna,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-8-86

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th August 1986

Ref. No. III-1395/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,90,000/- and bearing

part of plot No. 762(part), holding No. 722/401, ward No. 2, Circle No. 6, situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan, Distt. Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Patna on 10-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lightly of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) amilitating the concealment of any scome or any someys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income—ax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax let, 1957 (27 of 1957):

 Gagan Cooperative House Construction Society Ltd. through its Secy.
 Md. Reyazuddin Khan
 R/o Grand Hotel Premises,
 Fraser Road,
 P.S. Kotwali,
 Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Shr'ı Amar Nath Tiwari S/o Late Shri Suryabali Tiwari, Kedar Road, P. S. Barauli, Gauhati, Assam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Entire flat No. 304 on the 3rd floor of Gagan Apartments measuring 807 sft. situated at Exhibition Road, P. S. Gandhi Maidan, Distt. Patna morefully described in deed No. 1026 dated 10-2-86 registered with D. S. R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar Patna,

Now, therefore, in pursuance of Section 26%C of the said Act, I he by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-8-86

PORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 12th August 1986

Ref. No. III-1396/Acq/86-87.—Whereas, I. DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereianfter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

part of plot No. 762(part), holding No. 722/401, ward No. 2. Circle No. 6, situated at Exhibition Road, P. S. Gandhi Maidan, Distt. Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Patna on 12-2-86,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Gagan Cooperative House Construction Society Ltd. through its Secy. Md. Reyazuddin Khan R/o Grand Hotel Premises, Fraser Road, P.S. Kotwali, Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Sri Sarvan Kumar Bhawnani S/o Baldeo Nath Bhawnani, Road No. 3. Rajendra Nagar, P.S. Kadamkuan, Distt. Patna.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire flat "lo. 608 on the 6th floor of Gagan / partments measuring 116-1 sft. situated at Exhibition Road, P. 3. Gandhi Maidan, Dist. Patna morefully described in deed No. 1088 dated 12-2-86 registered with D. S. R. Patna.

> DURGA PRASAD
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of I come-tax Acquisition Range, Bit ar Patna,

Date: 12-8-86 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800001, the 12th August 1986

Ref. No. III-1397/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing part of plot No. 762(part), holding No. 722/401, ward No. 2, Circle No. 6, situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan, Distt. Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 19-2-86.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers nad / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-inx Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the ac ulsition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. 13 the following persons, namely :-

(1) Gagan Cooperative House Construction Society Ltd. through its Secv. Md. Reyazuddin Khan R/o Grand Hotel Premises, Fraser Road, P.S. Kotwali, Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Kali Pd. Bhawnani S/o Sri Buldeo Nath Bhawnani, House of Awadh Bihari Pd., Advocate, Budh Marg, P. S. Budh Marg, Patna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire flat No. 702 on the 7th floor of Gagan Apartments measuring 997 sft. situated at exhibition Road, P. 5. Gandhi Maidan, Distt. Patna morefully described in deed No. 1305 dated 19-2-86 registered D. S. R. Patna,

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna,

Date: 12-8-86

FORM ITNS ____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE Pune, the 25th August 1986

Pune, the 25th August 1986

Ref. No. 1AC ACQ/CA-5/37EE/5348/1985-86/86-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income--(ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 469/170 Sind Co-operative Housing Society, Aundh, Pune-7 situated at Pune

Pune-7 situated at Pune

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) 1 nthe office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn. Range, Pune in December, 1985
market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer and the transfer and the transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shii Prem H Bhavnani, Leila P Bhavnani, Navjivan Co-operative Housing Society, Lamington Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Vasant S. Kulkarani & Smt. Asha Kulkarani, 67-A, Ueapean Sea Road, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 469/170 Sind Co-operative Housing Society, Aundh, Pune-7.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 5384/1985-86 in the month of Dec. 1985).

> ANJANI KUMAR Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely :-

Date: 25-8-1986.